डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 19.05.2025 से 25.05.2025 ▶ वर्ष-42 ▶ अंक-21 ▶ मूल्य ₹ 10.00

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सीधी जिले में हितलाभ वितरण एवं राज्य स्तरीय कार्यक्रम को किया संबोधित

लाड़ली बहना योजना 2 साल पूरे, सवा करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों को मिला लाभ

सीधी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सीधी जिले में हितलाभ वितरण एवं राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के गरीब, किसान (अन्नदाता), युवा और नारी कल्याण के लिए संकल्पित है। भगवान श्रीराम की संस्कृति को मानते हुए सरकार अपने सभी वचन (संकल्प) पूर्ण कर रही है।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के दो साल पूरे हो गये हैं। गत दिनों प्रदेश की सवा करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों को योजना की 24वीं किश्त जारी की गई है। हर महीने बहनों को 1250 रुपये राशि भेजकर हर माह रक्षाबंधन मनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश में नारियों के सम्मान की परम्परा अनादि काल से है। हमने जो वादा बहनों से किया था उसे लगातार निभा रहे हैं। हम भगवान श्रीराम की संस्कृति को मानने वाले हैं, जो वचन देते हैं उसे प्राण देकर भी निभाते हैं। लाड़ली बहना को सम्मान देकर पूरा प्रदेश गौरवान्वित होता है। प्रदेश की लाड़ली बहनों को अब तक 28 हजार करोड़ से अधिक का लाभ मिल चुका है।

विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी किया

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक से प्रदेश की 1 करोड़ 27 लाख लाड़ली बहनों के खातों में 1551 करोड़ 89 लाख रुपये की राशि का अंतरण किया। इसके साथ ही सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 56 लाख 83 हजार हितग्राहियों के खातों में 341 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश की 26 लाख से अधिक बहनों को सिलेंडर रीफिलिंग की 30 करोड़ 83 लाख रुपये की राशि ट्रांसफर की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने रिमोट का बटन दबाकर सीधी जिले में 112 करोड़ रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा-सीधी क्षेत्र के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सीधी जिले में आयोजित कार्यक्रम में सिंगल क्लिक से राशि ट्रांसफर करते हुए

- 1 करोड़ 27 लाख लाड़ली बहनों के खातों में 1551 करोड़ 89 लाख रुपये की राशि की गई अंतरित।
- 56 लाख 83 हजार सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के खातों में भेजी 341 करोड़ रुपये की राशि।
- 26 लाख से अधिक बहनों को सिलेंडर रीफिलिंग के 30 करोड़ 83 लाख रुपये की राशि की ट्रांसफर।
- सीधी के लिए 112 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन और लोकार्पण।

विंध्य, सेना का नेतृत्व करने वाला क्षेत्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि विंध्य क्षेत्र सेना का नेतृत्व करने वाला क्षेत्र है। थलसेना एवं नौसेना की कमान यहां से निकले 2 शीर्ष अफसरों के पास रहना गर्व का विषय है। भारतीय सैन्य बलों ने पराक्रम दिखाते हुए पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया है।

बैंक खातों में भी भेजी जा रही राशि

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक माह बहनों के खातों में लाड़ली बहना योजना, किफायती दरों पर एलपीजी सिलेंडर रीफिल कराने के लिए सहायता राशि अंतरित कर रही है। इसी के साथ किसानों को प्रधानमंत्री किसान कल्याण योजना और मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि का भी लाभ दिया जा रहा है। प्रदेश की बहनों के साथ-साथ किसान भाइयों के बैंक खातों में भी पैसे भेजे जा रहे हैं। प्रदेश के समग्र विकास के लिए इस वित्तीय वर्ष में 4 लाख 21 हजार करोड़ रुपये का बजट पेश किया गया है। राज्य सरकार ने प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2047 तक 22 लाख 50 हजार रुपये करने का संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों से हमने 2600 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं खरीदा है। वर्ष 2003 में प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय 11200 रुपये थी जो आज 1 लाख 52 हजार रुपये हो गई है।

आतंकियों का खात्मा कर मनाई दिवाली

भारत ने पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों की हत्या का षडयंत्र रचने वाले आतंकियों का खात्मा कर 4 दिन पहले सीमा पर दिवाली मनाई। आतंकियों में भारतीय सेना का सामना करने का दम नहीं है। सेना के पराक्रम ने ऑपरेशन सिंदूर से दुनिया को सिंदूर का महत्व बताया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पाकिस्तान अब दुनिया के सामने बेनकाब हो गया है। यही नहीं पूरे विश्व ने भारतीय सेना के शौर्य को देखा और भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया।

/संक्षिप्त खबर/

विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु समुदाय की प्रतिभाओं को करें प्रोत्साहित- मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समत्व भवन में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण तथा विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु विभाग की बैठक को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु समुदायों की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करें। समुदाय के विद्यार्थियों ने लोक सेवा आयोग जैसी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में इनका निवास है। इनकी पुरानी पृष्ठभूमि अथवा पूर्व धारणा के आधार पर इन जातियों के सभी लोगों को अपराधी न माना जाए। पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई में भी जातिगत संबोधन से संबोधित न किया जाए। अपराधियों की जानकारी में जातियों का उल्लेख नहीं किया जाए।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

बीईएमएल को 148 एकड़ भूमि आवंटित प्रदेश बना निवेश का भरोसेमंद डेस्टीनेशन

बेंगलुरु, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बेंगलुरु में हुए रोड-शो के इंटरैक्टिव सेशन को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सत्र में निवेशकों से 7935 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इससे 18 हजार 975 नए रोज़गार सृजित होंगे।

मध्यप्रदेश सरकार ने नई उद्योग-केंद्रित नीतियां लागू की हैं। सभी जिलों में उद्योग प्रकोष्ठ खोले गए हैं। इंडस्ट्री शुरू करने के लिए राज्य में सिंगल विंडो सिस्टम लागू है। निवेशकों के लिये मुख्यमंत्री सहजता से उपलब्ध है। राज्य में पर्याप्त लैंड बैंक, पानी और बिजली उपलब्ध है। सरकार बड़े उद्योगों के साथ छोटे निवेशकों को भी प्रोत्साहन दे रही है।

सरकार निरंतर प्रयासरत है

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'परफॉर्म, रिफॉर्म, ट्रांसफॉर्म' के मूलमंत्र को आधार बनाकर हम आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की पूर्ति की ओर तेजी से अग्रसर हैं। प्रदेश में उद्योगों की स्थापना और निवेश को बढ़ावा देने के लिये सरकार निरंतर प्रयासरत है। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव, राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न शहरों में किये गये रोड-शो और इंटरैक्टिव सेशन सहित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से हमने लोकल से ग्लोबल स्तर तक निवेशकों से संवाद किया है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश निवेशकों के लिए 'प्रगतिशील, पारदर्शी और भरोसेमंद राज्य' के रूप में उभरा है।

'तापी बेसिन मेगा रीचार्ज परियोजना' भूजल भंडारण का नया अध्याय लिखेगी

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडणवीस ने कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में 'तापी बेसिन मेगा रीचार्ज परियोजना' के एमओयू पर हस्ताक्षर किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'तापी बेसिन मेगा रीचार्ज परियोजना' विश्व की सबसे बड़ी ग्राउंडवाटर रीचार्ज परियोजना है।

यह एक अनूठी परियोजना है जो पूरे विश्व में भूजल पुनर्भरण का नया अध्याय लिखेगी। इससे प्रदेश के बड़े क्षेत्र विशेष रूप से निमाड़ का भूजल स्तर बढ़ेगा और यह वहां के लिए जीवनदायिनी सिद्ध होगी। इससे मध्यप्रदेश के लगभग 01 लाख 23 हजार तथा महाराष्ट्र के 2 लाख 34 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा विकसित होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा मध्यप्रदेश नदियों का मायका है तथा यहां 247 से अधिक नदियां प्रवाहित होती हैं। हमारी जल राशियों में अथाह गहराई है। लगभग 25 वर्षों से मध्यप्रदेश की कई अंतर्राज्यीय परियोजनाएं आपसी सहमति न बन पाने के कारण आगे नहीं बढ़ पा रही थीं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि कई दशकों से भारत में कई नदी परियोजनाएं आपसी सहमति के चलते अटकी हुई थीं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार आने के बाद अब ये योजनाएं मूर्त रूप ले रही हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया ने देखा शक्ति-समृद्ध और संपन्न नया भारत - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के रोशनपुरा चौराहे से प्रारंभ हुई तिरंगा यात्रा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बदलते दौर के भारत ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया के सामने हमारी सेनाओं के साहस और शौर्य के प्रमाण दे दिए हैं। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कर दिया है कि ऑपरेशन सिंदूर रुकेगा नहीं, हमारे घर के किसी भी कोने में कोई भी आतंकवादी गतिविधि करेगा तो भारत उसे घर में घुसकर मारेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी ताकत भारत को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती। लोकतंत्र मजबूत हो रहा है। हम सब सेना को सम्मान देने के लिए इस यात्रा में एकत्रित हुए हैं। ऑपरेशन सिंदूर से दुनिया ने हमारे हथियार भी देखे, हमारी एकजुटता भी देखी, हमारे देश का पराक्रम भी देखा और पुरुषार्थ भी देखा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का कहना है कि कोई हमें छेड़ो मत और अगर छेड़ोगे तो हम छोड़ेंगे नहीं। उन्होंने कहा कि दुश्मनों को जवाब देने में हमारी सेना पूरी तरह सक्षम है और हम कहीं से भी ढूंढकर दुश्मन को मार गिराएंगे।

सेना ने ऐतिहासिक शौर्य का किया प्रदर्शन

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरा देश आनंदित है। लगातार तिरंगा यात्राओं के माध्यम से पूरी दुनिया में संदेश जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने ऐतिहासिक शौर्य का प्रदर्शन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत का आजादी के बाद यह चौथा युद्ध था। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में तीनों सेनाओं ने मिलकर जिस प्रकार का योगदान देकर आजादी के बाद चौथे युद्ध में 4 दिन में पाकिस्तान को धूल चटाने का काम किया, वह अभूतपूर्व है। हमारे देश की सेना ने ऐसा कार्य किया है, जो न भूतो न भविष्यति। पलक झपकने से पहले ही ब्रह्मोस मिसाइल ने एक के बाद एक बड़े-बड़े एयरबेस को ध्वस्त कर दिया।

10 मई

कोयला आयात 9.2 प्रतिशत घटा

● कोयला आयात पर निर्भरता कम हुई है। अप्रैल 2024 से फरवरी 2025 के बीच

आयात 9.2 प्रतिशत घटकर 22.03 करोड़ टन रहा। इससे देश को करीब 53,138 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा की बचत हुई। पिछले वर्ष इसी समान अवधि में देश ने 24.26 करोड़ टन कोयले का आयात किया था। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। इसके मुताबिक पावर सेक्टर को छोड़कर बाकी नॉन-रेगुलेटेड सेक्टर के आयात में सालाना आधार पर 15.3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। कोयला मंत्रालय के मुताबिक थर्मल पावर प्लांट्स में मिक्सिंग के लिए आयात में 38.8 प्रतिशत की खासी गिरावट आई, वहीं कोयले से बिजली उत्पादन 2.87 प्रतिशत बढ़ा है।

● केंद्रीय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने दिल्ली-एनसीआर में ओवरएज वाहनों को डीजल-पेट्रोल न देने के आदेश दिए हैं। दिल्ली में यह आदेश एक जुलाई 2025 से लागू करने को कहा है। हरियाणा के गुरुग्राम, फरीदाबाद, सोनीपत और उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर में यह आदेश एक नवंबर से लागू होंगे। आयोग ने निर्देश दिए हैं कि ओवरएज वाहनों की पहचान के लिए पेट्रोल पंपों पर ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन कैमरे लगाए जाएंगे। राजस्थान के अलवर और भिवाड़ी में इसे एक अप्रैल 2026 से लागू किया जाएगा।

11 मई

79 प्रतिशत कर्ज छोटे शहरों में पहुंच रहा

● देश की वित्तीय दुनिया में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल रहा है। लोन देने

वाली संस्थाओं के बीच बढ़ती साझेदारी के कारण अब लगभग 79 प्रतिशत लोन टियर 2 और टियर 3 शहरों तक पहुंच रहे हैं। इतना ही नहीं, कुल लोन में टियर 3 की हिस्सेदारी सर्वाधिक 49 प्रतिशत रही, जबकि टियर 2 की 30 और टियर 1 की 21 प्रतिशत रही। यूबी की वार्षिक रिपोर्ट 2024-25 में यह खुलासा हुआ है। यह रिपोर्ट 22,600 करोड़ रुपये से अधिक के कर्ज वितरण और यूबी प्लेटफॉर्म के माध्यम से 300 से अधिक सक्रिय साझेदारियों में किए गए 2 करोड़ से अधिक लेनदेन के विश्लेषण पर आधारित है। संस्था द्वारा दिए गए लोन में कंज्यूमर लोन की सबसे ज्यादा हिस्सेदारी रही। इस रिपोर्ट के मुताबिक एआई और एपीआई-संचालित प्रोग्राम ने कर्ज स्वीकृति की औसत अवधि (टर्नअराउंड टाइम) को मात्र दो घंटे और वितरण को औसतन 18 घंटे तक कम कर दिया है।

● बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग पर प्रतिबंध लगा दिया है। सरकार ने आतंकवाद विरोधी कानून के तहत प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। यह फैसला अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में लिया गया। बयान के मुताबिक, यह प्रतिबंध तब तक प्रभावी रहेगा जब तक अवामी लीग और उसके नेताओं के खिलाफ विशेष न्यायाधिकरण में मुकदमे खत्म नहीं हो जाते। सरकार ने कहा कि यह निर्णय देश की सुरक्षा, संप्रभुता और जुलाई 2024 के छात्र आंदोलन के नेताओं और गवाहों की रक्षा के लिए जरूरी था। यह फैसला आतंकवाद विरोधी अधिनियम में संशोधन के तुरंत बाद लिया गया। अब राजनीतिक दलों और संगठनों को दंडित करने का अधिकार मिल गया है।

12 मई

नेपाल की जमीन का इस्तेमाल कभी भारत के खिलाफ नहीं करने देंगे - प्रधानमंत्री ओली

● भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच नेपाल के प्रधानमंत्री केपी ओली ने कहा कि भारत

के खिलाफ हमारी जमीन का इस्तेमाल नहीं होगा। ओली ने स्पष्ट किया कि नेपाल किसी भी विरोधी शक्ति को अपने पड़ोसी देशों के खिलाफ अपनी जमीन का इस्तेमाल किसी भी हाल में नहीं करने देगा।

● ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने नई इमिग्रेशन पॉलिसी की घोषणा की। इससे ब्रिटेन में स्थाई रूप से रहना और कठिन हो गया है। स्थाई निवास के लिए आवेदन करना हो तो प्रवासी को अब दस वर्ष ब्रिटेन में ही रहना अनिवार्य होगा। पहले यह अवधि सिर्फ पांच वर्ष के लिए थी। स्टारमर की इस घोषणा का असर भारतीय नागरिकों पर भी पड़ेगा, जिनकी ब्रिटेन में बड़ी संख्या है। स्टारमर की घोषणाओं के अनुसार, सभी वीजा आवेदकों के लिए अंग्रेजी भाषा की आवश्यकताओं को कड़ा किया गया है। स्नातक वीजा धारकों के लिए पढ़ाई के बाद ब्रिटेन में ही रहने की अवधि जो पहले दो वर्ष की थी, उसे घटाकर डेढ़ वर्ष कर दिया गया है। अब स्किल्ड वीजा के लिए सिर्फ 'ए' लेवल नहीं, डिग्री लेवल की योग्यता आवश्यक होगी। स्टारमर ने यह भी कहा कि पिछले चार वर्षों में माइग्रेशन बढ़ा है, लेकिन आर्थिक फायदा नहीं हुआ है।

13 मई

म्यांमार सीमा पर सुरक्षा बलों ने की बड़ी कार्रवाई

● भारत-म्यांमार सीमा से लगे मणिपुर के चंदेल जिले में सुरक्षा बलों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दस सशस्त्र उग्रवादियों को ढेर कर दिया। यह ऑपरेशन असम राइफल्स की एक इकाई ने पूर्वी कमान के तहत स्पीयर कोर के निर्देशन में चलाया। सूत्रों के अनुसार, खेंगजॉय तहसील के न्यू समताल गांव के पास उग्रवादियों की गतिविधियों की खुफिया जानकारी मिलने के बाद विशेष अभियान शुरू किया गया। अभियान के दौरान संदिग्ध उग्रवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी थी।

● भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में अमेरिका के खिलाफ प्रतिशोधी शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है। यह कदम अमेरिका द्वारा स्टील और एल्युमिनियम पर लगाए गए 25 प्रतिशत तक टैरिफ के जवाब में उठाया गया है। डब्ल्यूटीओ को दी गई सूचना के अनुसार, अमेरिका के इन शुल्कों से भारत के करीब 64,844 करोड़ रुपये के निर्यात पर असर पड़ा है। भारत ने अमेरिकी टैरिफ को 'सेफगार्ड एग्रीमेंट' के नियमों के खिलाफ बताया है। भारत ने कहा है कि वह अमेरिकी उत्पादों पर उतना ही शुल्क लगाएगा, जितना नुकसान उसे इन टैरिफ से हुआ है।

14 मई

पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे तत्व कैसे खत्म हों, बताएगा एआई टूल

● पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे प्रदूषक तत्वों को डिग्रेड कैसे किया जाए इसका

हल ढूंढने के लिए भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईसर) ने एआई टूल बनाया है। रिसर्च पर काम कर रहे आईसर में बायोटेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट के प्रोफेसर डॉ. विनीत शर्मा ने बताया यह एआई टूल दुनिया का पहला ऐसा टूल है, जोकि किसी भी मॉलीक्यूल की जानकारी डालने पर बताएगा कि इसको बायोडिग्रेड करने का तरीका क्या है? इस एआई टूल के जरिए अब वैज्ञानिकों और सरकार को ऐसे खतरनाक कचरे के तेजी से निष्पादन में सफलता मिलेगी, जिनको डिग्रेड करने का सही तरीका अभी भी खोजा नहीं जा चुका है और यह पर्यावरण के लिए खतरा बने हुए हैं।

● जेनेरेशन एक्स (1965-1980) पर दोहरी जिम्मेदारी है, नौजवानों की जिम्मेदारी और बुजुर्गों की देखभाल। हालिया 30 देशों में किए गए सर्वेक्षण में पाया गया कि 31 प्रतिशत जेनेरेशन एक्स के लोग खुद को 'बहुत कम खुश' या 'बिलकुल भी खुश नहीं' मानते हैं। यह किसी भी पीढ़ी से अधिक है। जब यह पीढ़ी अपने कॅरियर की ऊंचाई पर पहुंच रही थी, तब वर्ष 2007-09 की वैश्विक मंदी ने प्रगति की गति रोक दी। जिससे वेतन वृद्धि रुक गई, संपत्ति नहीं बन पाई और आवास बाजार से ये वंचित रह गए।

15 मई

टीसीएस दुनिया के शीर्ष 50 ब्रांड में शामिल

● टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) दुनिया का 45वां सबसे बेशकीमती ब्रांड बन गया है। इसकी ब्रांड वैल्यू 4.90 लाख करोड़ रुपये है। ग्लोबल मार्केट रिसर्च फर्म कांतार के मुताबिक टीसीएस की ब्रांड वैल्यू एक साल में 28 प्रतिशत बढ़ी है। पिछले साल यह 46वें नंबर पर थी। टीसीएस के अलावा टॉप 100 में एचडीएफसी बैंक, एयरटेल और इन्फोसिस भी शामिल है।

● कोरोना महामारी के बाद दुनिया के अमीर देशों में बच्चों की पढ़ाई, मानसिक स्थिति और शारीरिक सेहत में गिरावट आई है। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) की नई रिपोर्ट में दी गई है। 'रिपोर्ट कार्ड-19 अनिश्चित दुनिया में बच्चों का हित' नाम की इस रिपोर्ट में विकसित देशों में बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य स्थितियों को लेकर वर्ष 2018 से 2022 के आंकड़ों की तुलना की गई है। इसमें बताया गया है कि महामारी के चलते स्कूल बंद होने से बच्चों की पढ़ाई पर असर पड़ा। रिपोर्ट के अनुसार 43 देशों में करीब 15 साल के 80 लाख बच्चे ऐसे हैं, जो बुनियादी पढ़ाई और गणित में कमजोर हैं। बच्चों की मानसिक स्थिति पर भी महामारी का गहरा असर पड़ा है। रिपोर्ट में यह भी बताया है कि 32 देशों में से 14 में बच्चों की जीवन संतुष्टि में गिरावट आई है।

16 मई

अंतरिक्ष में 7 प्रयोग करेंगे अंतरिक्ष यात्री शुभांशु

● भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के नेतृत्व में एग्जिओम 4 मिशन अब आठ जून को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च होगा। पहले यह मिशन 29 मई को जाना था। नासा ने यह जानकारी दी। शुभांशु सहित चार अंतरिक्ष यात्री स्पेसएक्स

के ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट से इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) जाएंगे। क्रू 14 दिन आईएसएस में रहेगा। शुभांशु अंतरिक्ष में रहकर सात प्रयोग करेंगे। मिशन में वैज्ञानिक मांसपेशियों पर ग्रेविटी का असर जानेंगे जिससे लाचार मरीजों के इलाज में मदद होगी। इसके साथ मिशन में यह खोज भी शामिल हैं कि शून्य गुरुत्वाकर्षण में स्क्रीन देखने का आंखों, मस्तिष्क और ध्यान केन्द्रित करने पर क्या असर होता है। मिशन में बीजों को अंतरिक्ष में अंकुरित करने का प्रयास भी किया जाएगा।

● पहलगाम हमले के बाद आतंकियों के खिलाफ सुरक्षा बलों की सख्त कार्रवाई जारी है। इस क्रम में पुलवामा के त्राल में एक घर में छिपे तीन आतंकियों को सुरक्षा बलों ने मार गिराया। कश्मीर में पिछले तीन दिनों में यह दूसरा बड़ा एनकाउंटर है। इससे पहले शोपियां के केलर में सुरक्षा बलों ने लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकियों को मार गिराया था। केलर से हथियारों का जखीरा भी बरामद हुआ था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

प्रथम चरण प्रवेश प्रारंभ- 2025-26
B.Ed. M.Ed.
12वीं कक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों हेतु B.A.B.Ed., D.EL.Ed.
जबलपुर पब्लिक कॉलेज
(शिव नारायण फाउंडेशन द्वारा 1995 से संचालित)
Recognized by NCTE & Affiliated to M.P. Board & RDVV
महाविद्यालय में रजिस्ट्रेशन की सुविधा उपलब्ध है। प्रथम चरण रजिस्ट्रेशन दिनांक 15.05.2025 से 30.05.2025 तक
49, Karmeta, Patan Road, Near RTO Office, Jabalpur
Mob. : 9425154312, 7723999977, 9424580014, 7898737022
नोट : डी.एल.एड के साथ स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थियों को भी एम. एड. की पात्रता है।
SHRIRANG
R-50958/2025

एजेंसी देना है
मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र
रोज़गार और निर्माण
प्रदेश के छिन्दवाड़ा, धार, रतलाम, राजगढ़ एवं नीमच में एजेंसी नियुक्त करना है।
एजेंसी संबंधित कार्य के लिए कार्यालयीन समय में संपर्क करें
0755-2760006
प्रमुख आकर्षण
• कॅरियर की खबरें
• सम-सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
• खेल जगत की उल्लेखनीय खबरें
• सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
• मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
• विज्ञान की बातें
मध्यप्रदेश माध्यम
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
www.mpmadhyam.in
madhyam.rojgar@gmail.com
आज ही खरीदें
प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

वर्ष 42, अंक 21 19.05.2025 से 25.05.2025
रोज़गार और निर्माण
rojgaraurnirman.in

• प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
• सम्पादक - रंजना चितले
• प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
• प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
• आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
• वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

जनजातीय समाज के कल्याण के लिये समर्पित है प्रदेश सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार विरासत से विकास की ओर बढ़ने के संकल्प के अनुरूप सभी प्राचीन कला, संस्कृति, परंपराओं और कलाकारों को संरक्षण दे रही है। गोंड चित्रकला को जीआई टैग प्राप्त हो चुका है, जो इस चित्रकला और इससे संबंधित चित्रकारों को वैश्विक सम्मान मिलने का प्रतीक है। प्रदेश सरकार सभी प्रकार की जनजातीय शिल्प, चित्रकारी और कलाकारों को उनकी कला प्रदर्शन एवं बाजार उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न आयोजनों के जरिए समुचित मंच प्रदान करने का प्रयास कर रही है। प्रदेश सरकार ने केंद्र सरकार के साथ मिलकर प्रदेश के संपूर्ण जनजातीय वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं और विकास कार्यक्रम प्रारंभ किए हैं। इन योजनाओं को जमीन पर उतारने का काम तेजी से प्रगति पर है।

मध्यप्रदेश की जनजातीय कला और कलाकारों ने देश-विदेश में अपनी पहचान बनाई है। जनजातीय कला समृद्ध विरासत है और इसके कलाकारों को मां सरस्वती का आशीष प्राप्त है। जनजातीय कलाकारों की कल्पनाशीलता प्रशंसनीय है। एक सधे और गढ़े हुए हाथों से बारीक चित्रकारी कर जनजातीय कलाकारों ने पूरी दुनिया को अपना हुनर दिखाया है। प्रदेश सरकार सभी जनजातीय कलाओं के संरक्षण और कलाकारों को प्रोत्साहन देने के लिए हर जरूरी कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनजातीय पराक्रम, शौर्य और बलिदान के प्रतीक राजा शंकर शाह, कुंवर रघुनाथ शाह और राजा हृदय शाह के मण्डला स्थित प्राचीन किले के जीर्णोद्धार के लिए 15 करोड़ रुपये देने की घोषणा की है। जनजातीय समुदाय की महान विभूतियों को समुचित सम्मान मिले, इसके लिए राजधानी भोपाल के अत्याधुनिक रेलवे स्टेशन का नाम रानी कमलापति स्टेशन रखा गया है। क्रांतिसूर्य टंट्या मामा के नाम से खरगौन में विश्वविद्यालय की शुरुआत भी की गई है। रानी दुर्गावती की धरती पर मंत्रि-परिषद की बैठक कर उन्हें सम्मान दिया गया है।

जनजातीय महिलाएं अपनी संस्कृति, परंपरा और स्वाभिमान की प्रतीक हैं। सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों के कारण जनजातीय वर्ग की महिलाएं लंबे समय तक विकास की मुख्यधारा से दूर रहीं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार इस दूरी को समाप्त कर रही है। उद्देश्य यह नहीं है कि वे केवल लाभार्थी बनें, बल्कि वे समाज की निर्णायक शक्ति बनकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश करें। सरकार का लक्ष्य है कि महिलाएं योजनाओं का लाभ लेने के साथ अपने व्यवसाय और कार्यक्षेत्र में मजबूती से खड़ी हो सकें।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने देश को आर्थिक रूप से मजबूती देते हुए तीनों सेनाओं को भी मजबूत और अत्याधुनिक हथियारों से लैस किया। प्रदेश सरकार ने जनजातीय महोत्सव, ट्राइबल आर्ट फेयर जैसे आयोजन कर जनजातीय कला-संस्कृति के संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास किया है। जनजातीय कलाकारों और उनके उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए शीघ्र ही प्रदेश स्तर पर जनजातीय क्षेत्रों में ट्राइबल मार्ट खोले जाने की योजना है। प्रारंभ में शहडोल, धार, खण्डवा एवं मण्डला में ट्रायबल मार्ट खोले जाएंगे। इन ट्रायबल मार्ट्स का संचालन स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किया जाएगा और स्थानीय युवाओं को रोज़गार के अवसर प्राप्त होंगे।

ऑपरेशन सिंदूर में दिखा मेड इन इंडिया हथियारों का प्रमाण

पहलगाम हत्याकांड पर भारत की आक्रामक प्रतिक्रिया ने पाकिस्तान को अपनी सैन्य ताकत और स्वदेशी तकनीक के इस्तेमाल से परिचित करवा दिया है। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ इस्तेमाल की गई हथियार प्रणाली का बेजोड़ उपयोग हुआ। इन हथियारों में भारत में निर्मित टेक्नोलॉजी और हथियारों का इस्तेमाल किया गया। जबकि पाकिस्तान पूरी तरह से चीन और अन्य देशों के हथियारों और गोला-बारूद पर निर्भर था। भारत ने आकाश मिसाइल प्रणाली से लेकर रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित डी4 एंटी-ड्रोन प्रणाली तक विभिन्न प्रकार के हथियारों का इस्तेमाल किया। डी4 एंटी-ड्रोन सिस्टम एक स्वदेशी रूप से विकसित ड्रोन डिटेक्शन और न्यूट्रलाइजेशन सिस्टम है जिसका इस्तेमाल संघर्ष के दौरान पाकिस्तानी ड्रोन हमलों को विफल करने के लिए किया गया था। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित यह स्वदेशी प्रणाली पाकिस्तान के हमलों को विफल करने में सफल रही। यह प्रसिद्ध 'आयरन डोम' शील्ड के समान है जिसका उपयोग इजराइल द्वारा गाजा में हमास और यमन में हूतियों द्वारा रॉकेट हमलों को विफल करने के लिए किया जाता है। ड्रोन रोधी प्रणाली को शीघ्रता से विकसित करने के अपने प्रयास में डीआरडीओ ने विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त कर कम से कम चार प्रयोगशालाओं को एक साथ लिया। ताकि ऐसे मानवरहित विमानों का पता लगाने, उनकी पहचान करने और उन्हें निष्क्रिय करने के लिए एक बहु-सेंसर समाधान विकसित किया जा सके।

आकाश मिसाइल प्रणाली सतह से हवा में मार करने वाली एक स्वदेशी मिसाइल तकनीक है जिसे पश्चिमी सीमा और नियंत्रण रेखा पर बड़े पैमाने पर तैनात किया गया है। इस तकनीक ने भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने वाले पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइलों को रोकने में मदद की। आकाश मिसाइल प्रणाली 18 हजार मीटर की ऊंचाई पर 45 किलोमीटर दूर तक के विमानों को निशाना बना सकती है। इसमें लड़ाकू जेट, क्रूज मिसाइल और हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइलों के साथ-साथ बैलिस्टिक मिसाइलों जैसे हवाई लक्ष्यों को बेअसर करने की क्षमता है।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

जल गंगा संवर्धन अभियान : अब तक की उपलब्धियाँ और महत्व

जल गंगा संवर्धन अभियान (30 मार्च से 30 जून 2025 तक) मध्यप्रदेश सरकार द्वारा शुरू किया गया एक युगांतकारी जन-आंदोलन है, जो जल संरक्षण की दिशा में एक स्वर्णिम अध्याय रच रहा है। यह अभियान केवल जलस्रोतों के संरक्षण और पुनर्जनन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मध्यप्रदेश की धरती को जल-समृद्ध, पर्यावरणीय रूप से संतुलित और सांस्कृतिक रूप से जीवंत बनाने की एक आध्यात्मिक प्रतिज्ञा है। नदियों, तालाबों, कुओं और बावड़ियों के पुनर्जनन के माध्यम से यह अभियान न केवल जल की उपलब्धता को सुनिश्चित कर रहा है, बल्कि समाज में जल को एक जीवंत सत्ता के रूप में स्थापित कर रहा है। यह एक ऐसा यज्ञ है, जिसमें हर नागरिक, हर गांव और हर जलस्रोत की सहभागिता इसकी आहुति बन रही है।

जल, जो हमारी सभ्यता का आधार है, आज संकट में है। मध्यप्रदेश की जीवनदायिनी नदियां नर्मदा, क्षिप्रा, बेतवा और असंख्य जलस्रोत अंधाधुंध दोहन और उपेक्षा के कारण अपनी साँसें गिन रहे हैं। इसी संकट को अवसर में बदलने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में यह अभियान शुरू हुआ। यह केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि एक सामाजिक क्रांति है, जो हर हृदय में जल के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी की भावना जगा रही है।

अब तक की उपलब्धियाँ (30 मार्च से 15 मई 2025 तक)

जल गंगा संवर्धन अभियान ने अपने प्रारंभिक चरण में ही ऐसी उपलब्धियाँ हासिल की हैं, जो इसे एक जन-आंदोलन के रूप में स्थापित करती हैं। ये उपलब्धियाँ न केवल संख्याओं में, बल्कि समाज में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता और सहभागिता के स्तर में भी परिलक्षित होती हैं।

1. **नदियों का पुनरुद्धार और संरक्षण**
   - प्रदेश की नदियों में पुनर्जनन कार्य शुरू हो चुका है। नर्मदा, मंदाकिनी, कालीसिंध, बेतवा और जामनी जैसी नदियों के उद्गम स्थलों की सफाई, गाद हटाने और किनारों के संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया गया है।
   - नदियों के जलागम क्षेत्रों में जल संरक्षण और संवर्धन कार्य शुरू किए गए, जिनसे नदियों का प्रवाह संतुलित हो रहा है।
   - नदियों में जलीय जीवों को पुनर्स्थापित करने की संभावनाएँ तलाशी जा रही हैं, जो जैव-विविधता को बढ़ावा देंगी।
2. **जल संरचनाओं का सर्वेक्षण और जीर्णोद्धार**
   - 70 हजार से अधिक जल संरचनाओं (तालाब, कुएँ, बावड़ियाँ, झिरिया) का सर्वेक्षण पूरा हुआ, जिनमें से अधिकतर संरचनाओं में सफाई, गहरीकरण और पुनर्निर्माण का कार्य शुरू हो चुका है।
   - 8,202 पुरानी जल संरचनाओं का संरक्षण कार्य पूरा हो चुका है, जो पारंपरिक जल प्रबंधन की विरासत को पुनर्जनन कर रहा है।
   - 31,857 खेत तालाब खोदे गए जो छोटे और सीमांत किसानों के लिए जल संचयन का प्रमुख साधन बन रहे हैं।
   - 34,171 कुओं को रिचार्ज किया गया जिससे भूजल स्तर में सुधार हो रहा है।
   - 1,012 अमृत सरोवर बनाए जा रहे हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों में जल संचयन और सामुदायिक उपयोग के लिए महत्वपूर्ण हैं।
3. **जनसहभागिता और जागरूकता**
   - लाखों नागरिक इस अभियान से सीधे जुड़े हैं, जो इसे एक जन-आंदोलन का रूप देता है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में लोगों ने श्रमदान, जल चौपालों और जागरूकता कार्यक्रमों में हिस्सा लिया है।
   - कई गाँवों में जल चौपालें आयोजित की गईं, जहाँ लोगों ने अपने पारंपरिक जलस्रोतों की स्मृतियों को साझा किया और जल संरक्षण की शपथ ली।
   - जलदूत तैयार किए गए, जो गाँव-गाँव में जल संरक्षण का संदेश फैला रहे हैं। ये जलदूत स्थानीय स्तर पर नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं।
   - स्कूलों और महाविद्यालयों में जल प्रहरी, रैलियाँ, निबंध प्रतियोगिताएँ और जल संवाद जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिन्होंने युवाओं को जल संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाया।
4. **वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण**
   - नदी के किनारों और जलस्रोतों के आसपास पौधे लगाए गए, जो भू-क्षरण को रोकने और हरित पट्टियों को सुदृढ़ करने में मदद कर रहे हैं।
   - 25 लाख से अधिक फलदार पौधे रोपने का लक्ष्य रखा गया है, जो न केवल पर्यावरण को लाभ पहुँचाएगा, बल्कि किसानों को आर्थिक लाभ भी देगा।
   - देशी प्रजातियों के पौधों को प्राथमिकता दी गई, जो स्थानीय जलवायु के अनुकूल हैं और भूजल रिचार्ज में सहायक हैं।
5. **तकनीकी नवाचार और संरचनात्मक कार्य**
   - जीआईएस तकनीक और ड्रोन सर्वे का उपयोग जल संरचनाओं के चयन, नदियों की मैपिंग और कार्य की निगरानी के लिए किया गया।
   - 90 लघु और मध्यम सिंचाई परियोजनाएँ लोकार्पित करने की योजना है, जिनमें से कई शुरू हो चुकी हैं। संचयन प्रणाली को शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अनिवार्य किया गया।
   - सोक पिट निर्माण को बढ़ावा दिया गया, जिससे सीवेज जल को जलस्रोतों में मिलने से रोका जा रहा है।
   - चेक डैम निर्माण, नाला गहरीकरण और पुराने सोकपिट की रेट्रोफिटिंग जैसे कार्य युद्ध स्तर पर किए जा रहे हैं।

अभियान का महत्व

जल गंगा संवर्धन अभियान का महत्व केवल जल संरक्षण तक सीमित नहीं है; यह एक समग्र जल संस्कृति के पुनर्जागरण की योजना है, जो सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय स्तर पर दीर्घकालिक लाभ प्रदान करेगी। इसका महत्व निम्नलिखित बिंदुओं में स्पष्ट है :

1. **जल उपलब्धता और भूजल सुधार**
   - अभियान से भूजल स्तर में स्थायी सुधार होगा, जिससे किसानों को सिंचाई और ग्रामीणों को पेयजल की सुविधा मिलेगी। विशेषकर बुंदेलखंड और मालवा जैसे जल-संकटग्रस्त क्षेत्रों में यह अभूतपूर्व परिवर्तन लाएगा।
   - खेत तालाब और अमृत सरोवर जैसे प्रयास छोटे किसानों को जल संचयन का साधन प्रदान करेंगे, जिससे उनकी निर्भरता ट्यूबवेल पर कम होगी।
2. **सांस्कृतिक और सामाजिक पुनर्जागरण**
   - पारंपरिक जलस्रोत जैसे बावड़ियाँ, कुएँ और झिरिया फिर से गाँवों के सामाजिक और सांस्कृतिक केंद्र बन रहे हैं। उदाहरण के लिए, इंदौर में 300 साल पुरानी अहिल्या बावड़ी का जीर्णोद्धार इस दिशा में एक मील का पत्थर है।
   - नदियों को माँ के रूप में सम्मान देकर अभियान ने आध्यात्मिक चेतना को जागृत किया है, जो लोगों को जल के प्रति संवेदनशील बना रहा है।
3. **आर्थिक लाभ**
   - जल उपलब्धता से कृषि उत्पादकता में वृद्धि होगी, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। सूक्ष्म सिंचाई और कम पानी वाली फसलों और फलदार पौधों को बढ़ावा देने से किसानों की आय बढ़ेगी।
   - नदी-आधारित पर्यटन और सांस्कृतिक गतिविधियों से स्थानीय युवाओं को रोज़गार के नए अवसर मिलेंगे। उदाहरण के लिए, नर्मदा और क्षिप्रा जैसे तीर्थस्थलों पर पर्यटन बढ़ेगा।
4. **प्राकृतिक आपदाओं में कमी**
   - संतुलित जल प्रवाह और वृक्षारोपण से बाढ़ और सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाएँ कम होंगी। चेक डैम और नाला गहरीकरण जैसे कार्य जल प्रबंधन को और प्रभावी बनाएँगे।
   - मिट्टी का क्षरण रुकेगा, जिससे कृषि भूमि की उर्वरता बनी रहेगी।
5. **जल साक्षरता और जन-आंदोलन**
   - अभियान ने जल को केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवंत सत्ता के रूप में स्थापित किया है।
   - जल प्रहरी और जलदूत जैसी पहल ने युवाओं और समुदायों को जल संरक्षण का नेतृत्व करने के लिए प्रेरित किया है।
   - जनसहभागिता ने इसे एक सामाजिक आंदोलन का रूप दिया, जो जल संरक्षण को दीर्घकालिक और स्थायी बनाएगा।
6. **राष्ट्रीय और वैश्विक प्रेरणा**
   - मध्यप्रदेश का यह मॉडल अन्य राज्यों, जैसे राजस्थान और तमिलनाडु के लिए जल संरक्षण की प्रेरणा बन सकता है।
7. **पर्यावरणीय स्थिरता**
   - वृक्षारोपण और जल संचयन जैसे प्रयास पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा दे रहे हैं। यह जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में मददगार होंगे।
   - वन्यजीवों के लिए जल संरचनाओं का पुनर्विकास जैव-विविधता को संरक्षित करेगा, जो मध्यप्रदेश के समृद्ध वन क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण है।

- निशांत शर्मा

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं।)

भारत सरकार GOVERNMENT OF INDIA
अंतरिक्ष विभाग DEPARTMENT OF SPACE
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION
राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र NATIONAL REMOTE SENSING CENTRE
बालानगर, हैदराबाद BALANAGAR, HYDERABAD 500 037

विज्ञापन सं./एन.आर.एस.सी./आर.एम.टी. Advt.No/NRSC/RMT/1/2025 — दिनांक DT. 10.05.2025

राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनआरएससी) भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), अंतरिक्ष विभाग (अं.वि.) के प्रमुख केंद्रों में से एक है. एनआरएससी के पास उपग्रह डेटा प्राप्त करने हेतु भू-केंद्रों की स्थापना, डेटा उत्पादों के जनन, उन्हें प्रयोक्ताओं को वितरित करने, आपदा प्रबंधन सहायता, सुशासन हेतु भू-स्थानिक सेवाओं और व्यावसायियो, संकाय सदस्यों एवं छात्रों के क्षमता निर्माण सहित सुदूर संवेदन अनुप्रयोगों के लिए तकनीक के विकास का अधिदेश है. एनआरएससी देश की राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय सुदूर संवेदन डेटा तथा अनुप्रयोग संबंधित आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कई परिसरों के माध्यम से कार्य करता है.

National Remote Sensing Centre (NRSC) is one of the primary centres of Indian Space Research Organisation (ISRO), Department of Space. NRSC has the mandate for establishment of ground stations for receiving satellite data, generation of data products, dissemination to the users, development of techniques for remote sensing applications including disaster management support, geospatial services for good governance and capacity building for professionals, faculty and students. NRSC operates through multiple campuses to meet national and regional remote sensing data and applications needs of the country.

एन.आर.एस.सी. निम्नलिखित पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है.
NRSC invites ONLINE applications for the following posts:

क्र. सं. Sl. No.	पद का नाम Name of the Post	पद कोड Post Code	विशेषज्ञता Specialization	पदों की संख्या No. of Posts	आवश्यक योग्यता Essential Qualifications
01	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस.सी.' SCIENTIST/ENGINEER 'SC'	20	वन एवं पारिस्थितिकी Forestry & Ecology	02	वनस्पति विज्ञान/वानिकी/ पारिस्थितिकी में **बी.एस.सी.** के साथ वनस्पति विज्ञान/ वानिकी में **एम.एस.सी.** या समकक्ष **M.Sc** in Botany / Forestry or equivalent With **B.Sc** in Botany / Forestry / Ecology
02	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस.सी.' SCIENTIST/ENGINEER 'SC'	21	भूसूचना Geoinformatics	02	भौतिकी/गणित में **बी.एस.सी.** के साथ भूसूचना (जियोइंफॉर्मेटिक्स) में **एम.एस.सी.** या समकक्ष **M.Sc** in Geoinformatics or equivalent With **B.Sc** in Physics/ Maths
03	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस.सी.' SCIENTIST/ENGINEER 'SC'	22	भूविज्ञान Geology	05	भूविज्ञान/अनुप्रयुक्त भूविज्ञान में **बी.एस.सी.** के साथ भूविज्ञान / अनुप्रयुक्त भूविज्ञान में **एम.एस.सी.** या समकक्ष **M.Sc** in Geology / Applied Geology or equivalent With **B.Sc** in Geology / Applied Geology
				उपरोक्त में से, 01 पद श्रेणी-बी (बैकलॉग रिक्ति) के अंतर्गत बेंचमार्क दिव्यांग व्यक्तियों के लिए चिह्नित है. Out of the above, 01 post is identified for Persons with Benchmark Disabilities against Category-B (Backlog Vacancy)	
04	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस.सी.' SCIENTIST/ENGINEER 'SC'	23	भूभौतिकी Geophysics	02	भौतिकी/गणित/भूविज्ञान में **बी.एस.सी.** के साथ भूभौतिकी में **एम.एस.सी.** या **एम.एस.सी. टेक** या समकक्ष **M.Sc / M.Sc Tech** in Geophysics or equivalent With **B.Sc** in Physics / Maths / Geology
05	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस.सी.' SCIENTIST/ENGINEER 'SC'	24	शहरी अध्ययन Urban Studies	06	नियोजन में **बी.ई./ बी.टेक** या **बी. आर्क** के साथ शहरी नियोजन/क्षेत्रीय नियोजन में **एम.ई./ एम.टेक** या समकक्ष **M.E / M.Tech** in Urban Planning / Regional Planning or equivalent With **B.E/ B.Tech** in Planning or **B.Arch**
				उपरोक्त में से, 01 पद श्रेणी-सी (बैकलॉग रिक्ति) के अंतर्गत बेंचमार्क दिव्यांग व्यक्तियों के लिए चिह्नित है. Out of the above, 01 post is identified for Persons with Benchmark Disabilities against Category-C (Backlog Vacancy)	
06	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस.सी.' SCIENTIST/ENGINEER 'SC'	25	जल संसाधन Water Resources	04	सिविल इंजीनियरिंग/कृषि इंजीनियरिंग में बी.ई./बी.टेक के साथ सिविल इंजीनियरिंग (जल संसाधन/जल विज्ञान/मृदा एवं जल संरक्षण में विशेषज्ञता के साथ) **(या)** कृषि इंजीनियरिंग (जल संसाधन/जल विज्ञान/मृदा एवं जल संरक्षण में विशेषज्ञता के साथ) **(या)** जल संसाधन इंजीनियरिंग में (जल संसाधन/जल विज्ञान/मृदा एवं जल संरक्षण में विशेषज्ञता के साथ) **एम.ई./एम.टेक** **M.E/ M.Tech** in Civil Engineering (with specialization in Water Resources/ Hydrology/ Soil & Water Conservation) **(Or)** Agriculture Engineering (with specialization in Water Resources/ Hydrology/Soil & Water Conservation)/ **(Or)** Water Resources Engineering (with specialization in Water Resources/ Hydrology/Soil & Water Conservation) With **B.E/ B.Tech** in Civil Engineering / Agriculture Engineering
				उपरोक्त में से, 01 पद श्रेणी-ए (बैकलॉग रिक्ति) के अंतर्गत बेंचमार्क दिव्यांग व्यक्तियों के लिए चिह्नित है. Out of the above, 01 post is identified for Persons with Benchmark Disabilities against Category-A (Backlog Vacancy)	
07	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस.सी.' SCIENTIST/ENGINEER 'SC'	26	भूसूचना Geoinformatics	10	कम्प्यूटर विज्ञान/भूसूचना में **बी.ई. / बी. टेक** के साथ सुदूर संवेदन एवं जी.आई.एस/ भूसूचना/ कृत्रिम बुद्धिमता एवं मशीन लर्निंग या समकक्ष में **एम.ई./ एम.टेक** **M.E / M.Tech** in Remote Sensing and GIS / Geoinformatics / Artificial Intelligence & Machine Learning or equivalent With **B.E/ B.Tech** in Computer Science / Geoinformatics
				उपरोक्त में से, श्रेणी-डी और ई (बैकलॉग रिक्ति) के अंतर्गत 01 पद बेंचमार्क दिव्यांग व्यक्तियों के लिए चिह्नित है. Out of the above, 01 post is identified for Persons with Benchmark Disabilities against Category-D & E (Backlog Vacancy)	

पात्रता मानदंड, विस्तृत विज्ञापन और ऑनलाइन आवेदन करने के लिए कृपया **https://www.nrsc.gov.in** देखें.
For eligibility criteria, detailed advertisement and to apply Online please visit **https://www.nrsc.gov.in**

याद रखने के लिए महत्वपूर्ण तिथियां Important Date(s) to Remember:

ऑनलाइन पंजीकरण की आरंभिक तिथि Opening Date for On-line Registration:	**10.05.2025 (1000 बजे Hrs)**
ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि Closing Date for On-line Registration:	**30.05.2025 (1700 बजे Hrs)**

"सरकार ऐसे कार्यबल की तलाश में है जिसमें लिंग संतुलन हो तथा महिला उम्मीदवारों को आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है"
"Government strives to have a workforce which reflects gender balance and women candidates are encouraged to apply".

कार्यालय कलेक्टर (जनजातीय कार्य विभाग) मंडला
जिला - मण्डला

क्रमांक/निर्माण/ई.निविदा/सहा. आयु./2025-26/3790 मंडला, दिनांक : 25.04.2025

ऑनलाइन ई-निविदा (प्रथम आमंत्रण)

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से प्रतिशत दर पर मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग की केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम ठेकेदारों से तालिका में अंकित निर्माण कार्यों हेतु लोक निर्माण विभाग की प्रचलित दर अनुसूची (भवन कार्य हेतु) जो लोक निर्माण विभाग म.प्र. भोपाल द्वारा जारी तथा विद्युतीकरण कार्यों हेतु प्रचलित दर अनुसूची लोक निर्माण विभाग (विद्युत प्रभाग) म.प्र. द्वारा जारी एवं दिनांक 01.01.2024 एवं रोड कार्य हेतु प्रचलित दर अनुसूचि जो दिनांक 11.04.2025 से प्रभावशाली (निविदा दिनांक तक समस्त संशोधनों सहित) पर निम्नानुसार कार्यों हेतु ऑनलाइन निविदा वर्ष 2025-26 के लिये आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण ऑनलाइन पोर्टल **http://www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

अतः ऑनलाइन निविदा प्रपत्र विक्रय एवं जमा करने की **अंतिम तिथि 28.05.2025** कार्यालयीन समय शाम 5.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है तथा निविदा का शेड्यूल (key date) विभागीय ई-निविदा के पोर्टल पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. विकासखण्ड मण्डला अन्तर्गत विभागीय शैक्षणिक संस्थाओं (छात्रावास/आश्रम एवं उ.मा. शाला, हाईस्कूल, विशिष्ट संस्थाओं) में वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभागीय परिसंपत्तियों/भवनों के सुदृढ़ीकरण तथा मरम्मत कार्यों हेतु संधारण मदान्तर्गत वित्तीय वर्ष में प्राप्त आवंटन से शौचालय एवं स्नानगृह मरम्मत/निर्माण पेयजल व्यवस्था कार्य, विद्युत फिटिंग एवं मरम्मत कार्य, दरवाजे एवं खिड़कियों, छत, फर्श की मरम्मत एवं भवन में मेसेनरी एवं प्लास्टर आदि लघुमूल कार्य तथा बाउण्ड्रीवॉल, अधीक्षक आवासगृह, किचिन शेड, अतिरिक्त कक्ष एवं अन्य निर्माण कार्यों हेतु वार्षिक दर अनुबंध।

Online Tender NIT No.	निविदा कार्य की लागत राशि (लाखों में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (लाखों में)	अमानत राशि (लाखों में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	पंजीयन की श्रेणी
2025-TAD-421028	100.00 (एक करोड़)	0.10 (दस हजार)	1.00 (एक लाख)	01 वर्ष वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार

क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. विकासखण्ड नैनपुर अन्तर्गत विभागीय शैक्षणिक संस्थाओं (छात्रावास/आश्रम एवं उ.मा. शाला, हाईस्कूल, विशिष्ट संस्थाओं) में वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभागीय परिसंपत्तियों/भवनों के सुदृढ़ीकरण तथा मरम्मत कार्यों हेतु संधारण मदान्तर्गत वित्तीय वर्ष में प्राप्त आवंटन से शौचालय एवं स्नानगृह मरम्मत/निर्माण पेयजल व्यवस्था कार्य, विद्युत फिटिंग एवं मरम्मत कार्य, दरवाजे एवं खिड़कियों, छत, फर्श की मरम्मत एवं भवन में मेसेनरी एवं प्लास्टर आदि लघुमूल कार्य तथा बाउण्ड्रीवॉल, अधीक्षक आवासगृह, किचिन शेड, अतिरिक्त कक्ष एवं अन्य निर्माण कार्यों हेतु वार्षिक दर अनुबंध।

2025-TAD-421029	100.00 (एक करोड़)	0.10 (दस हजार)	1.00 (एक लाख)	01 वर्ष वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार

क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. विकासखण्ड मोहगांव अन्तर्गत विभागीय शैक्षणिक संस्थाओं (छात्रावास/आश्रम एवं उ.मा. शाला, हाईस्कूल, विशिष्ट संस्थाओं) में वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभागीय परिसंपत्तियों/भवनों के सुदृढ़ीकरण तथा मरम्मत कार्यों हेतु संधारण मदान्तर्गत वित्तीय वर्ष में प्राप्त आवंटन से शौचालय एवं स्नानगृह मरम्मत/निर्माण पेयजल व्यवस्था कार्य, विद्युत फिटिंग एवं मरम्मत कार्य, दरवाजे एवं खिड़कियों, छत, फर्श की मरम्मत एवं भवन में मेसेनरी एवं प्लास्टर आदि लघुमूल कार्य तथा बाउण्ड्रीवॉल, अधीक्षक आवासगृह, किचिन शेड, अतिरिक्त कक्ष एवं अन्य निर्माण कार्यों हेतु वार्षिक दर अनुबंध।

2025-TAD-421030	100.00 (एक करोड़)	0.10 (दस हजार)	1.00 (एक लाख)	01 वर्ष वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार

क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. विकासखण्ड घुघरी अन्तर्गत विभागीय शैक्षणिक संस्थाओं (छात्रावास/आश्रम एवं उ.मा. शाला, हाईस्कूल, विशिष्ट संस्थाओं) में वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभागीय परिसंपत्तियों/भवनों के सुदृढ़ीकरण तथा मरम्मत कार्यों हेतु संधारण मदान्तर्गत वित्तीय वर्ष में प्राप्त आवंटन से (शौचालय एवं स्नानगृह मरम्मत/निर्माण पेयजल व्यवस्था कार्य, विद्युत फिटिंग एवं मरम्मत कार्य, दरवाजे एवं खिड़कियों, छत, फर्श की मरम्मत एवं भवन में मेसेनरी एवं प्लास्टर आदि लघुमूल कार्य तथा बाउण्ड्रीवॉल, अधीक्षक आवासगृह, किचिन शेड, अतिरिक्त कक्ष एवं अन्य निर्माण कार्यों हेतु वार्षिक दर अनुबंध।

2025-TAD-421031	100.00 (एक करोड़)	0.10 (दस हजार)	1.00 (एक लाख)	01 वर्ष वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार

क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. विकासखण्ड बिछिया अन्तर्गत विभागीय शैक्षणिक संस्थाओं (छात्रावास/आश्रम एवं उ.मा. शाला, हाईस्कूल, विशिष्ट संस्थाओं) में वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभागीय परिसंपत्तियों/भवनों के सुदृढ़ीकरण तथा मरम्मत कार्यों हेतु संधारण मदान्तर्गत वित्तीय वर्ष में प्राप्त आवंटन से शौचालय एवं स्नानगृह मरम्मत/निर्माण पेयजल व्यवस्था कार्य, विद्युत फिटिंग एवं मरम्मत कार्य, दरवाजे एवं खिड़कियों, छत, फर्श की मरम्मत एवं भवन में मेसेनरी एवं प्लास्टर आदि लघुमूल कार्य तथा बाउण्ड्रीवॉल, अधीक्षक आवासगृह, किचिन शेड, अतिरिक्त कक्ष एवं अन्य निर्माण कार्यों हेतु वार्षिक दर अनुबंध।

2025-TAD-421032	100.00 (एक करोड़)	0.10 (दस हजार)	1.00 (एक लाख)	01 वर्ष वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार

क्र. एवं कार्य का नाम :– 6. विकासखण्ड मवई अन्तर्गत विभागीय शैक्षणिक संस्थाओं (छात्रावास/आश्रम एवं उ.मा. शाला, हाईस्कूल, विशिष्ट संस्थाओं) में वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभागीय परिसंपत्तियों/भवनों के सुदृढ़ीकरण तथा मरम्मत कार्यों हेतु संधारण मदान्तर्गत वित्तीय वर्ष में प्राप्त आवंटन से शौचालय एवं स्नानगृह मरम्मत/निर्माण पेयजल व्यवस्था कार्य, विद्युत फिटिंग एवं मरम्मत कार्य, दरवाजे एवं खिड़कियों, छत, फर्श की मरम्मत एवं भवन में मेसेनरी एवं प्लास्टर आदि लघुमूल कार्य तथा बाउण्ड्रीवॉल, अधीक्षक आवासगृह, किचिन शेड, अतिरिक्त कक्ष एवं अन्य निर्माण कार्यों हेतु वार्षिक दर अनुबंध।

2025-TAD-421034	100.00 (एक करोड़)	0.10 (दस हजार)	1.00 (एक लाख)	01 वर्ष वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार

क्र. एवं कार्य का नाम :– 7. विकासखण्ड निवास अन्तर्गत विभागीय शैक्षणिक संस्थाओं (छात्रावास/आश्रम एवं उ.मा. शाला, हाईस्कूल, विशिष्ट संस्थाओं) में वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभागीय परिसंपत्तियों/भवनों के सुदृढ़ीकरण तथा मरम्मत कार्यों हेतु संधारण मदान्तर्गत वित्तीय वर्ष में प्राप्त आवंटन से शौचालय एवं स्नानगृह मरम्मत/निर्माण पेयजल व्यवस्था कार्य, विद्युत फिटिंग एवं मरम्मत कार्य, दरवाजे एवं खिड़कियों, छत, फर्श की मरम्मत एवं भवन में मेसेनरी एवं प्लास्टर आदि लघुमूल कार्य तथा बाउण्ड्रीवॉल, अधीक्षक आवासगृह, किचिन शेड, अतिरिक्त कक्ष एवं अन्य निर्माण कार्यों हेतु वार्षिक दर अनुबंध।

2025-TAD-421033	100.00 (एक करोड़)	0.10 (दस हजार)	1.00 (एक लाख)	01 वर्ष वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार

क्र. एवं कार्य का नाम :– 8. विकासखण्ड नारायणगंज अन्तर्गत विभागीय शैक्षणिक संस्थाओं (छात्रावास/आश्रम एवं उ.मा. शाला, हाईस्कूल, विशिष्ट संस्थाओं) में वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभागीय परिसंपत्तियों/भवनों के सुदृढ़ीकरण तथा मरम्मत कार्यों हेतु संधारण मदान्तर्गत वित्तीय वर्ष में प्राप्त आवंटन से शौचालय एवं स्नानगृह मरम्मत/निर्माण पेयजल व्यवस्था कार्य, विद्युत फिटिंग एवं मरम्मत कार्य, दरवाजे एवं खिड़कियों, छत, फर्श की मरम्मत एवं भवन में मेसेनरी एवं प्लास्टर आदि लघुमूल कार्य तथा बाउण्ड्रीवॉल, अधीक्षक आवासगृह, किचिन शेड, अतिरिक्त कक्ष एवं अन्य निर्माण कार्यों हेतु वार्षिक दर अनुबंध।

2025-TAD-421035	100.00 (एक करोड़)	0.10 (दस हजार)	1.00 (एक लाख)	01 वर्ष वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार

क्र. एवं कार्य का नाम :– 9. विकासखण्ड बीजाडांडी अन्तर्गत विभागीय शैक्षणिक संस्थाओं (छात्रावास/आश्रम एवं उ.मा. शाला, हाईस्कूल, विशिष्ट संस्थाओं) में वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभागीय परिसंपत्तियों/भवनों के सुदृढ़ीकरण तथा मरम्मत कार्यों हेतु संधारण मदान्तर्गत वित्तीय वर्ष में प्राप्त आवंटन से शौचालय एवं स्नानगृह मरम्मत/निर्माण पेयजल व्यवस्था कार्य, विद्युत फिटिंग एवं मरम्मत कार्य, दरवाजे एवं खिड़कियों, छत, फर्श की मरम्मत एवं भवन में मेसेनरी एवं प्लास्टर आदि लघुमूल कार्य तथा बाउण्ड्रीवॉल, अधीक्षक आवासगृह, किचिन शेड, अतिरिक्त कक्ष एवं अन्य निर्माण कार्यों हेतु वार्षिक दर अनुबंध।

2025-TAD-421036	100.00 (एक करोड़)	0.10 (दस हजार)	1.00 (एक लाख)	01 वर्ष वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार

अतएव उपरोक्तानुसार दर्शित कार्यों को समय सीमा पर पूर्ण कराने के निर्देश पोर्टल पर देखा जा सकता है तथा निविदा की शेष अनिवार्य शर्तें निविदा पोर्टल **http://www.mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती हैं।

सहायक आयुक्त
जनजातीय कार्य विभाग, मण्डला

जी-12674/50945/2025

श्रीकँवरतारा साइंस एण्ड कॉमर्स महाविद्यालय
मण्डलेश्वर, जिला-खरगोन

(श्रीकँवरतारा छाजेड़ पारमार्थिक न्यास बड़वाह द्वारा संचालित)
(उच्च शिक्षा विभाग म.प्र. से मान्यता एवं क्रांतिसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय, खरगोन से संबद्धता प्राप्त)

आवश्यकता है

प्राचार्य : 01 पद

प्राध्यापक/सह-प्राध्यापक/सहायक प्राध्यापक - गणित-02, वाणिज्य-03, अंग्रेजी-02, हिन्दी-02, कम्प्यूटर साइंस-02, कम्प्यूटर एप्लीकेशन-02, रसायन शास्त्र-03, बीज प्रौद्योगिकी-02, प्राणीशास्त्र-02, वनस्पति शास्त्र-02, भौतिक शास्त्र-02, बायोटेक्नोलॉजी-02, समाजकार्य-02

पुस्तकालय - ग्रंथपाल-01

आवश्यक योग्यता : यू.जी.सी./एआईसीटीई एवं उच्च शिक्षा विभाग म.प्र. शासन (कॉलेज कोड-28) के नियमानुसार नेट/स्लेट/सेट/पी.एच.डी. अनिवार्य।

वेतनमान : यू.जी.सी. नियमानुसार।

विज्ञापन दिनांक से 15 दिनों के भीतर आवेदन करें।

पता : श्रीकँवरतारा महाविद्यालय श्रीनगर कॉलोनी मण्डलेश्वर, जिला खरगोन (म.प्र.) - 451221

संपर्क : 9669696249

ईमेल : shrikanwartaracollege060@gmail.com

R-50957/2025

कार्यालय संचालक, राज्य स्तरीय रोज़गार एवं प्रशिक्षण केन्द्र
(पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण)
पुलिस रेडियो मुख्यालय के सामने, भदभदा रोड, भोपाल

विज्ञप्ति

आवेदन की अंतिम तिथि - 06.06.2024

म.प्र. राज्य सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा, संघ लोक सेवा परीक्षा, कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा, बैंकिंग, रेलवे, एस.एस.सी. के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अध्यापन कार्य हेतु उच्च शिक्षित, श्रेष्ठ एवं अनुभवी अतिथि व्याख्याताओं से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं जिसमें शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव संबंधी अभिलेख संलग्न करना अनिवार्य है। प्रतियोगी परीक्षाओं के अध्यापन का अनुभव रखने वाले अतिथि व्याख्याताओं को चयन में वरीयता दी जाएगी। चयनित अतिथि व्याख्याता पूर्णतः अस्थाई रहेंगे एवं उन्हें प्रशिक्षण अवधि में शासन द्वारा निर्धारित दरों पर प्रति कालखण्ड रुपये 500/- की दर से भुगतान किया जावेगा। (अधिकतम भुगतान 12500/-) प्रशिक्षण अवधि समाप्त होने के पश्चात चयनित अतिथि व्याख्याताओं की सेवाएं स्वतः समाप्त हो जाएंगी। अतः पात्र एवं इच्छुक उम्मीदवार संलग्न आवेदन में अपनी जानकारी भरकर **दिनांक 06 जून 2025 तक** कार्यालय संचालक, राज्य स्तरीय रोज़गार एवं प्रशिक्षण केन्द्र, (पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण) पुलिस रेडियो मुख्यालय के सामने, भदभदा रोड, भोपाल-462003 के पते पर व्यक्तिगत रूप से या ई-मेल **dir.setc@gmail.com** के माध्यम से कार्यालयीन समय व दिवस में भेज सकते है। आवेदन पत्र का प्रारूप विभाग की वेबसाइट **www.bcwelfare.mp.nic.in** पर उपलब्ध है।

संचालक
राज्य स्तरीय रोज़गार एवं प्रशिक्षण केंद्र
(पिछड़ा वर्ग एवं अ.सं.क.), भोपाल, दूरभाष - (0755) 2763284

जी-12942/50972/2025

कार्यालय कार्यपालन यंत्री भवन
लोक निर्माण विभाग, तहसील केम्पस संभाग सागर (म. प्र.)

एनआईटी नं.- 11/2025/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/सा/एपीडी/ सागर, दिनांक : 05.05.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. छिरारी ब्लाक रहली में प्राइमरी स्कूल भवन एवं चारौधा ब्लाक बण्डा में मिडिल स्कूल भवन निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	कार्यालय का नाम जहां तकनीकी बिड भौतिक रूप से सत्यापित जावेगी
2025_PWPIU_421928_1	सागर	75.08	75,083	10,000	08 माह	मुख्य अभियंता भवन लोक निर्माण विभाग परिक्षेत्र जबलपुर

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. केसली जिला सागर में नवीन 06 ट्रेड आई.टी.आई. भवन एवं 60 सीटर बालक/बालिका छात्रावास, 01 एफ टाइप, 04 आई टाइप (मल्टीस्टोरी) एवं 02 एच टाइप आवास गृह के निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2025_PWPIU_421929_1	सागर	1144.23	10,00,000	50,000	18 माह	मुख्य अभियंता भवन लोक निर्माण विभाग परिक्षेत्र जबलपुर

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 07.05.2025 समय 10.30 से दिनांक 21.05.2025 समय 17:30 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेवसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग संभाग सागर

जी-12710/50946/2025

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क
तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोज़गार विभाग, भोपाल, मध्यप्रदेश शासन के अधीन

Hazrat Nizamuddin Colony Road, Narela Shankari, Bhopal, Madhya Pradesh, Pin Code-462022
Web: http://globalskillspark.in

INVITING APPLICATIONS FOR THE POSITIONS OF TECHNICIANS

Global Skills Park, a flagship initiative of Department of Technical Education, Skills Development & Employment, GoMP, with financial assistance of Asian Development Bank and technical support of ITEES Singapore is looking for experienced, dynamic, talented and skilled individuals for the positions of Technicians at Bhopal, Madhya Pradesh. Global Skills Park, the first multi-skills park in India, has introduced technology-oriented skill courses and impart advanced job-ready skills training of international standards.
*In the case of contractual appointment or deputation, the directives issued by the Government of Madhya Pradesh, from time to time shall be duly followed.

Technicians - 27

(i) Technician Automotive
(ii) Technician Mechanical & Electrical Services
(iii) Technician Air-Conditioning & Refrigeration
(iv) Technician Mechanical Technology
(v) Technician Mechatronics
(vi) Technician Electrical Technology
(vii) Technician - Network & Systems
(viii) Technician Electronics
(ix) Technician Precision Engineering

Category	Open	Women	Ex Servicemen	Total	PwD
UR	4	3	1	8	VH-1 EH-1
OBC	4	2	1	7	
ST	3	2	1	6	
SC	3	1	0	4	
EWS	1	1	0	2	
Total	**15**	**9**	**3**	**27**	**2**

For detailed information of responsibilities, eligibility, salary and application process
please visit : https://globalskillspark.in/

Last date for applications to reach us is **30.05.2025.**

How to Apply - Candidates interested in this position are requested to apply using the link **https://lims.globalskillspark.in/Career/Frm Cl JS RecruimentDtls.aspx** by or before **30.05.2025.** Only applications received through this link will be considered.

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क
जी-12816/50947/2025 **तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोज़गार विभाग, मध्यप्रदेश**

कार्यालय आयुक्त
पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण मध्यप्रदेश

विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना अन्तर्गत वर्ष 2025-26 हेतु छात्रवृत्ति देने के लिये आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। ये छात्रवृत्तियां शोध उपाधि उपरांत अध्ययन, शोध उपाधि एवं स्नातकोत्तर उपाधि हेतु देय हैं।

1. पात्रता की शर्तें उपाधि पिछड़ा वर्ग

पात्रता की शर्तें

	उपाधि	पात्रता
अ.	शोध उपरांत अध्ययन	संबंधित विषय में प्रथम श्रेणी में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक के साथ अथवा समतुल्य ग्रेड में स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण तथा संबंधित विषय में अनुभव के साथ शोध उपाधि।
ब.	शोध उपाधि	संबंधित विषय में प्रथम श्रेणी में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक के साथ अथवा समतुल्य ग्रेड में स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण तथा संबंधित विषय में 2 वर्ष का अध्यापन/शोध/व्यावसायिक अनुभव या एम.फिल उपाधि।
स.	स्नातकोत्तर	स्नातक उपाधि प्रथम श्रेणी न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक के साथ या उसके समतुल्य ग्रेड में उत्तीर्ण

2. **आयु:** अभ्यार्थी की आयु आवेदन करने वाले वर्ष में 1 जनवरी 2025 को 18 वर्ष से अधिक एवं 35 वर्ष से कम हो। विशेष प्रकरणों में अधिकतम 10 वर्ष तक शिथिल की जा सकेगी।
3. **आय सीमा:** आवेदक या उसके अभिभावक की सभी स्रोतों से सकल आय क्रीमीलेयर की सीमा से अधिक न हो (आय प्रमाण पत्र आवेदन प्रकाशित होने की दिनांक से 3 वर्ष की समय-सीमा का ही मान्य होगा)।
4. आवेदक के माता-पिता अथवा अभिभावक के एक से अधिक बच्चों को छात्रवृत्ति की पात्रता नहीं होगी।
5. आवेदन पत्र के साथ शैक्षणिक योग्यता, सक्षम अधिकारी द्वारा जारी जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र मूल निवासी प्रमाण पत्र तथा आवेदित विदेशी विश्वविद्यालय का ऑफर लेटर विश्वविद्यालय की क्यू एस रैंकिंग सहित संलग्न करना आवश्यक है।
6. **छात्रवृत्ति की अवधि:** पी.एच.डी. उपरांत शोध हेतु डेढ वर्ष, पी.एच.डी. के लिये चार वर्ष, स्नातकोत्तर उपाधि हेतु दो वर्ष।
7. अंतिम रूप से चयन की पुष्टि की सूचना प्राप्त करने के एक वर्ष की समय सीमा में अभ्यर्थी को विदेश के अधिमान्य विश्वविद्यालय/संस्थान में प्रवेश प्राप्त करना होगा।
8. उक्त छात्रवृत्ति केवल विदेश में ऑन कैम्पस स्टडी हेतु देय होगी।
9. छात्रवृत्ति हेतु एक बार चयन उपरांत देश/विश्वविद्यालय में परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जावेगी।
10. विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति नियम 2007 संशोधित नियम की सभी शर्तों को अभ्यर्थी को पूर्ण करना होगा। नियम वेबसाइट **www.bcwelfare.mp.gov.in** से प्राप्त किये जा सकते हैं।
11. अभ्यर्थी के पिछड़ा वर्ग का नहीं होने या भविष्य में जाति प्रमाण पत्र त्रुटिपूर्ण या अपात्र पाये जाने पर प्रदत्त सम्पूर्ण छात्रवृत्ति राशि की वसूली की जावेगी।
12. आवेदन दिनांक को आवेदित विदेशी विश्वविद्यालय की क्यू एस रैंक 1 से 500 के मध्य होनी चाहिए। अभ्यर्थियों का चयन विश्वविद्यालय की क्यू एस रैंकिंग (मेरिट के आधार पर ही किया जायेगा। जिसके संदर्भ में वेबसाइट **www.topuniversities.com** पर दर्ज QS World University रैंकिंग ही मान्य होगी। आवेदित विश्वविद्यालय की क्यू एस रैंकिंग का प्रिंट आउट आवेदन पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा। विभाग द्वारा निर्धारित चयन दिनांक की स्थिति में क्यू एस रैंकिंग की अद्यतन स्थिति अंतिम मान्य होगी।
13. शासकीय अथवा शासन के उपक्रमों में सेवारत अभ्यर्थी अपने आवेदन पत्र की अग्रिम प्रति प्रस्तुत कर सकेंगे, मगर उन्हें आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की आखिरी तिथि से 15 दिवस के अंदर नियोक्ता के माध्यम से आवेदन पत्र प्रस्तुत करना होगा। निर्धारित अवधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा।
14. ऑनलाइन आवेदन करने हेतु URL **https://hescholarship.mp.gov.in** पर दिनांक 19.05.2025 से मध्यरात्रि **दिनांक 18.06.2025 तक** किये जा सकते हैं।
15. एम.पी. स्कॉलरशिप पोर्टल पर नवीन रजिस्ट्रेशन कर आवेदन ऑनलाइन भर कर प्रिंट लेकर समस्त आवश्यक दस्तावेज स्वयं द्वारा सत्यापित कर आवेदन की प्रति और सत्यापित दस्तावेज कार्यालय आयुक्त, पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण म.प्र., विंध्याचल भवन, द्वितीय तल 'क' 'ख' विंग भोपाल म.प्र. पिनकोड 462004 को पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट/साधारण डाक अथवा व्यक्तिगत रूप से दिनांक 18.06.2025 तक कार्यालयीन समय तक जमा किये जा सकेंगे।
16. विज्ञप्ति जारी होने के पश्चात तथा अभ्यर्थी के चयन से पूर्व यदि योजना के स्वरूप तथा नियमों में कोई परिवर्तन होता है तो योजना का परिवर्तित स्वरूप तथा नियम ही मान्य होंगे।
17. समस्त विवादों की स्थिति में शासन का निर्णय अंतिम व बंधनकारी होगा।
18. किसी भी समय अपरिहार्य कारणों से उक्त योजना स्थगित करने का सर्वाधिकार सुरक्षित है।
19. छात्र को किसी प्रकार की असुविधा या कठिनाई होने पर हेल्पलाइन नं. 0755-2553329, 0755-2675521 या ई-मेल आईडी **foreignstudy.obc@mp.gov.in** पर सम्पर्क करें।

आयुक्त
जी-12823/50949/2025 **पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण, मध्यप्रदेश**

संस्कृति संचालनालय, भोपाल, म.प्र.
1, गैस राहत एवं पुनर्वास भवन, प्रथम तल, शिवाजी नगर, भोपाल (मध्यप्रदेश)

क्रमांक 395/सं.सं./भण्डार/ 2025 **भोपाल, दिनांक : 09.05.2025**

(अभिरुचि की अभिव्यक्ति का आमंत्रण)

संस्कृति विभाग द्वारा राष्ट्रीय एवं प्रदेशस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इन कार्यक्रमों में उद्घोषणा (एंकरिंग) करने के लिए पुरुष/महिला एंकर (उद्घोषक) की आवश्यकता होती है। इस प्रकार के कार्य करने वाले महिला/पुरुष एंकर से आवेदन आमंत्रित हैं। आवेदन जमा करने की प्रारंभ तिथि 15.05.2025 तथा **अंतिम तिथि 06.06.2025 तक** होगी। आवेदक को अपने आवेदन संस्कृति संचालनालय (1-शिवाजी नगर, रेडक्रास अस्पताल के पीछे, भोपाल) में नियत तिथि से पूर्व जमा करने होंगे। आवेदन का प्रारूप एवं अन्य जानकारी संचालनालय की वेबसाइट **www.culturemp.in** पर उपलब्ध है। आवेदन के साथ आवश्यक सभी दस्तावेज एवं पूर्व में किये गये कार्यक्रमों (जिसमें कार्यक्रम स्पष्ट दिखे तथा आवाज स्पष्ट आ रही हो) की वीडियो क्लिप देना आवश्यक होगा। शासकीय कार्य करने वाले उद्घोषकों में हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं पर महारत रखने वाले एंकर (उद्घोषक) को प्राथमिकता दी जायेगी। चयन के पश्चात सफल आवेदकों का पैनल बनाया जायेगा एवं भविष्य के कार्यों के संचालन का कार्य दिया जायेगा।

जी-12852/50953/2025 **उप संचालक/कार्यालय प्रमुख**

कार्यालय कलेक्टर, जिला रायसेन (म.प्र.)
(जनजातीय कार्य तथा अनुसूचित जाति कल्याण विभाग)

E-Mail : dotw.rsn@mp.gov.in, Phone No. : 07482-222093

क्रमांक/आजाक/निर्माण/2025-26/265 **रायसेन, दिनांक : 09.05.25**

ई-निविदा विज्ञप्ति
निविदा आमंत्रण सूचना (ऑनलाइन ई-निविदा प्रथम आमंत्रण)

म.प्र. के राज्यपाल की ओर से जिले में शासकीय आदिवासी सीनियर कन्या छात्रावास ईंटखेड़ी भवन निर्माण मय विद्युतीकरण कार्य हेतु ऑनलाइन मोहरबंद प्रतिशत दर निविदायें फार्म "ए" पर लोक निर्माण विभाग की केन्द्रीयकृत प्रणाली में समतुल्य/सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न तालिका में अंकित निर्माण कार्यों हेतु लोक निर्माण विभाग की भवन एवं विद्युत कार्य हेतु प्रचलित दर सूची दिनांक 01.01.2024 से प्रचलित प्रभावशील पर कार्यालय जनजातीय कार्य विभाग रायसेन म.प्र. ऑनलाइन पद्धति से बिड आमंत्रित की जाती है:-

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. शासकीय आदिवासी सीनियर कन्या छात्रावास ईंटखेड़ी भवन निर्माण मय विद्युतीकरण कार्य।

टेंडर क्र.	ठेके की अनु. लागत (लाखों में)	अमानत राशि (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य रुपये	कार्य पूर्णता अवधि	ठेकेदार की श्रेणी
2025 TAD 422141	322.71	3,22,710	15,000	11 माह वर्षाऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केन्द्रीकृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु पंजीयन

उपरोक्त कार्य के निविदा प्रपत्र (टेंडर डाक्यूमेंट) **https.//www.mptenders.gov.in** पर ऑनलाइन भुगतान कर क्रय एवं प्रस्तुत किये जा सकेंगे। निविदा प्रपत्र क्रय एवं जमा करने की **अंतिम तिथि 02.06.2025 सायं 6:00 बजे तक** निर्धारित है। विस्तृत सूचना व जानकारी केवल वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

जिला संयोजक
जी-12843/50950/2025 **(जनजातीय कार्य विभाग, रायसेन)**

कार्यालय अधीक्षण यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा नर्मदापुरम् मण्डल नर्मदापुरम्

Office Email ID : seresnarmda@mp.gov.in, Office Phone No. : 07574-250166

क्र. 553/निविदा/ग्रा.यां. से/2025 **नर्मदापुरम, दिनांक : 02.05.2025**

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 02/2025-26 (प्रथम आमंत्रण)

म.प्र. के राज्यपाल की ओर से ऑनलाइन मोहरबंद प्रतिशत दर पर निविदायें फार्म "ए"(Appendix 2.10) पर ग्रायांसे संभाग बैतूल जिला बैतूल की म.प्र. लोक निर्माण विभाग के केंद्रीयकृत प्रणाली में समतुल्य/सक्षम श्रेणी में पंजीकृत सी श्रेणी ठेकेदारों से 2 कवर पद्धति में ग्रायांसे में प्रचलित एस.ओ.आर. दिनांक 11.04.2022 से प्रभावशील दर अनुसूची (निविदा विज्ञप्ति जारी होने की दिनांक तक संशोधित) दर के आधार पर अधीक्षण यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा नर्मदापुरम मंडल नर्मदापुरम के कार्यालय में ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. आजीविका व्यावसायिक केन्द्र ग्राम ढढारी रैयत, ग्रा.पं.-खपरिया, वि.ख.-चिचोली, जिला-बैतूल।

सिस्टम टेण्डर नं.	निविदा की अनु. लागत (रु. लाख में)	अमानत राशि (रुपये में)	कार्य अवधि वर्षाकाल सहित (माह में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य
2025_RES_420355	5281210/-	53000/-	09 माह	10000/-
क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. सामुदायिक भवन निर्माण ग्राम-गौठाना में गोवा रोड के पास शिवाजी सांस्कृतिक भवन के पास ग्रा.पं.-मरामझिरी वि.ख.-बैतूल, जिला बैतूल।				
2025_RES_420356	2359987/-	48000/-	06 माह	5000/-
योग-	**7641197/-**	**शब्दों में छियत्तर लाख इकतालीस हजार एक सौ सन्तानवे रुपए मात्र।**		

उपरोक्तानुसार निर्माण कार्य की निविदा आमंत्रण की निम्नानुसार तिथियां निर्धारित की जाती हैं :-

क्र.	विवरण	तिथि	समय
1.	निविदा ऑनलाइन प्रकाशित होने के तिथि	09.05.2025	17:30
2.	निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की प्रारंभिक तिथि	10.05.2025	17:30
3.	ऑनलाइन बिड प्रस्तुत करने की प्रारंभिक तिथि	10.05.2025	17:30
4.	ऑनलाइन बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	**26.05.2025**	13:30
5.	ऑनलाइन निविदा खुलने की तिथि	27.05.2025	13:30

निविदा प्रपत्र (Tender Document) वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर ऑनलाइन प्रकाशित एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किए जाएंगे। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जाएगा।

अधीक्षण यंत्री
जी-12782/50948/2025 **ग्रामीण यांत्रिकी सेवा नर्मदापुरम मण्डल, नर्मदापुरम**

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क
तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोज़गार विभाग, भोपाल, मध्यप्रदेश शासन के अधीन

Hazrat Nizamuddin Colony Road, Narela Shankari, Bhopal, Madhya Pradesh, Pin Code-462022
Web: http://globalskillspark.in

INVITING APPLICATIONS FOR THE POSITIONS OF EXECUTIVES

Global Skills Park, a flagship initiative of Department of Technical Education, Skills Development & Employment, GoMP, with financial assistance of Asian Development Bank and technical support of ITEES Singapore is looking for experienced, dynamic, talented and skilled individuals for the positions of Executives at Bhopal, Madhya Pradesh. Global Skills Park, the first multi skills park in India, has introduced technology-oriented skill courses and impart advanced job ready skills training of international standards.

*In the case of contractual appointment or deputation, the directives issued by the Government of Madhya Pradesh, from time to time shall be duly followed.

Executives - 30

Category	Open	Women	Ex Servicemen	Total	PwD
UR	5	3	1	9	VH-1 EH-1
OBC	4	3	1	8	
ST	3	2	1	6	
SC	3	1	0	4	
EWS	2	1	0	3	
Total	**17**	**10**	**3**	**30**	**2**

For detailed information, salary for above posts, and application process,
please visit : https://globalskillspark.in/

How to Apply - Candidates interested in this position are requested to apply using the link **https://iims.globalskillspark.in/Career/Frm CI JS RecruimentDtls.aspx** by or before **30.05.2025** Only applications received through this link will be considered.

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क
तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोज़गार विभाग, मध्यप्रदेश

जी-12844/50951/2025

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग हरदा
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 03/व.ले.लि./2025–26 हरदा, दिनांक : 09.05.2025

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mpetenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. गांगला से पलासनेर मार्ग पर मजबूतीकरण कार्य लं. 2.00 कार्य कि.मी.

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	अनुमानित लागत
2025_PWDRB_422914	हरदा	मजबूतीकरण कार्य	प्रथम आमंत्रण	रु. 178.98 लाख

क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. सिराली डगावाशंकर खामापडवा केलनपुर मार्ग पर मजबूतीकरण कार्य लं. 3.80 कि.मी.

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	अनुमानित लागत
2025_PWDRB_422915	हरदा	मजबूतीकरण कार्य	प्रथम आमंत्रण	रु. 374.90 लाख

क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. सौताडा से सिरकम्बा मार्ग पर मजबूतीकरण कार्य लं. 3.02 कि.मी.

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	अनुमानित लागत
2025_PWDRB_422916	हरदा	मजबूतीकरण कार्य	प्रथम आमंत्रण	274.03 लाख

क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. अजनई से मढ़ीघाट मार्ग पर मजबूतीकरण कार्य लं. 1.00 कि.मी.

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	अनुमानित लागत
2025_PWDRB_422917	हरदा	मजबूतीकरण कार्य	प्रथम आमंत्रण	139.91 लाख

उपरोक्त निविदा वेबसाइट पर आर्नलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से क्रय किये जा सकते हैं। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम दिनांक 26.052025 सायं 17.30 बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग भ/स संभाग, हरदा

जी-12846/50952/2025

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल- ce. tender.wrdmp@gmail.com, फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 1149/2025-26/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ भोपाल, दिनांक : 13.05.2025

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 04.06.2025 को 17:30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2025_WRD_421954	श्यामरडाडा तालाब योजना के शीर्ष एवं नहर का शेष निर्माण कार्य।	पन्ना	308.46
2.	2025_WRD_421955	बलौड़ी जलाशय योजना की नहर का शेष निर्माण कार्य।	शहडोल	95.45
3.	2025_WRD_421957	रिमार जलाशय योजना की नहर का शेष निर्माण कार्य।	शहडोल	199.85
4.	2025_WRD_421959	दतिया सिंचाई नहर की आर.डी. 10920 मी. से 10940 मी. तक एवं 10 एल - माइनर की आर.डी. 0 से 150 मी. तक सी.सी. लायनिंग, गोंदन शाखा नहर की आर.डी. 24200 मी. से 24220 मी. तक सी.सी. बाल एवं हंसापुर तालाब, उनाव तालाब में सी.सी. कार्य, रामगढ़ माइनर, सबमाइनर, धनपीपरी माइनर, तगा माइनर, 8 एल माइनर एवं सालोन वितरिका की मरम्मत, मिट्टी का कार्य।	दतिया	32.93
5.	2025_WRD_421960	पर्यावरण एवं वन मंत्रालय से पार्वती कॉम्पलेक्स वृहद माइक्रो सिंचाई परियोजना की पर्यावरण स्वीकृति प्राप्त करने का कार्य।	सीहोर	49.96
6.	2025_WRD_421961	पर्यावरण एवं वन मंत्रालय से जेठला बैलेंसिंग रिजर्वायर लिफ्ट सिंचाई परियोजना की पर्यावरण स्वीकृति प्राप्त करने का कार्य।	सीहोर	71.27
7.	2025_WRD_422960	पौंडी जैतगढ़ जलाशय का विशेष मरम्मत कार्य।	दमोह	194.35

जी-12875/50954/2025 मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
मैकेनिकल खण्ड सागरताल ग्वालियर (म. प्र.)

Ph.No. - 0751-2452685, EMail - emphedgwa@mp.nic.in

क्रमांक/798/तक./का.यं./लो.स्वा.यां.वि./मैकेनिकल/खण्ड/2025-26 **ग्वालियर, दिनांक 13.05.2025**

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदाएं निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं। पंजीकृत फर्मो से ऑनलाइन डिजिटली हस्ताक्षरित मोहरबंद निविदा अनुभवी ठेकेदारों से प्रतिशत दर पर प्रपत्र "Appendix 2.10" पर आमंत्रित की जाती है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्य का नाम :- Installation of Handpump and Construction of Platform, Drain, Soakage pit and Washing platform work for Villages In Different Distt. As Below Here.

क्र.	जिला	ई-निविदा आई.डी. क्रमांक	निविदा क्रमांक/ दिनांक	हैण्डपम्प स्थापना एवं प्लेटफॉर्म	निर्माण संख्या अनु. लागत (रुपये में)	धरोहर राशि (रुपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये में)	कार्य पूर्ण अवधि
1.	मुरैना	2025_PHED_422731_1	01/2025-26 13.05.2025	50 नग	588700/-	11774/-	2000/-	01 वर्ष
2.	भिण्ड	2025_PHED_422733_1	02/2025-26 13.05.2025	50 नग	588700/-	11774/-	2000/-	01 वर्ष
3.	शिवपुरी	2025_PHED_422734_1	03/2025-26 13.05.2025	50 नग	588700/-	11774/-	2000/-	01 वर्ष
4.	श्योपुर	2025_PHED_422737_1	04/2025-26 13.05.2025	50 नग	588700/-	11774/-	2000/-	01 वर्ष
5.	अशोकनगर	2025_PHED_422739_1	05/2025-26 13.05.2025	50 नग	588700/-	11774/-	2000/-	01 वर्ष

ई-निविदाएं ऑनलाइन खरीदने की अंतिम तिथि :- 28.05.2025 समय 18:00 बजे तक
ई-निविदा में बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- **28.05.2025 समय 18:00 बजे तक**
ई-निविदा खोलने की तिथि व समय :- 30.05.2025 समय 13:00 बजे के पश्चात्

कार्यपालन यंत्री
जी-12870/50955/2025 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग मैकेनिकल खण्ड, ग्वालियर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
मैकेनिकल खण्ड सागरताल ग्वालियर (म. प्र.)

Ph.No. - 0751-2452685, EMail - emphedgwa@mp.nic.in

क्रमांक/800/तक./का.यं./लो.स्वा.यां.वि./मैकेनिकल/खण्ड/2025-26 **ग्वालियर, दिनांक : 13.05.2025**

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदाएं निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं। पंजीकृत फर्मो से ऑनलाइन डिजिटली हस्ताक्षरित मोहरबंद निविदा अनुभवी ठेकेदारों से प्रतिशत दर पर प्रपत्र "Appendix 2.10" पर आमंत्रित की जाती है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्य का नाम :- Carrying out the resistivity survey for locating the proper spot with three soundings for drilling of tube well within the selected habitation, including submission of report in the desired format along with registrivity readings in villages of Different Distt. As Below Here.

क्र.	जिला	ई-निविदा आई.डी. क्रमांक	निविदा क्रमांक/ दिनांक	रजिस्टीविटी सर्वेक्षण संख्या	अनुमानित लागत (रुपये में)	धरोहर राशि (रुपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये में)	कार्य पूर्ण अवधि
1.	मुरैना	2025_PHED_422743_1	06/2025-26 13.05.2025	100 नग	177000/-	3540/-	1000/-	01 वर्ष
2.	भिण्ड	2025_PHED_422745_1	07/2025-26 13.05.2025	100 नग	177000/-	3540/-	1000/-	01 वर्ष
3.	शिवपुरी	2025_PHED_422746_1	08/2025-26 13.05.2025	100 नग	177000/-	3540/-	1000/-	01 वर्ष
4.	श्योपुर	2025_PHED_422757_1	09/2025-26 13.05.2025	50 नग	88500/-	1770/-	1000/-	01 वर्ष
5.	अशोकनगर	2025_PHED_422785_1	10/2025-26 13.05.2025	100 नग	177000/-	3540/-	1000/-	01 वर्ष

ई-निविदाएं ऑनलाइन खरीदने की अंतिम तिथि :- 28.05.2025 समय 18:00 बजे तक
ई-निविदा में बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- **28.05.2025 समय 18:00 बजे तक**
ई-निविदा खोलने की तिथि व समय :- 30.05.2025 समय 13:00 बजे के पश्चात्

कार्यपालन यंत्री
जी-12871/50956/2025 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग मैकेनिकल खण्ड, ग्वालियर

गुरु राजेन्द्र शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति, राजगढ़, जिला धार द्वारा संचालित
नवरत्न कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, राजगढ़, जिला धार (म.प्र.)

आवश्यकता है

विश्वविद्यालय परिनियम 28 के अंतर्गत

क्रमांक	बी.एड. पाठ्यक्रम हेतु	पद संख्या
1	प्राचार्य	01
	सहायक प्राध्यापक	
1	शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में	04
2	शिक्षाशास्त्र विषय गणित/विज्ञान/सामाजिक विज्ञान/भाषा	08

योग्यता : एन.सी.टी.ई./मध्यप्रदेश शासन/देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के मापदण्डों के अनुसार, वेतन, एन.सी.टी.ई/यूजीसी के मापदण्डों के अनुसार **विज्ञापन दिनांक से 07 दिवस में** आवेदन करें।

पता : मेला मैदान राजगढ़, तहसील सरदारपुर, जिला धार (म.प्र.)
फोन : 9977760248, व्हाट्सअप नं. : 8770275998, ईमेल : navratnabed72@gmail.com
R-50959/2025

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग संभाग टीकमगढ़ (म.प्र.)

PHONE No. : 07683-242321, E-mail : eepwdtikam@mp.nic.in

एनआईटी नं. 06/2025-26 / केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण **दिनांक 13.05.2025**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. बी.टी. रिन्युवल कार्य (1) टीकमगढ़ मउरानीपुर मार्ग लं. 12.00 कि.मी. (2) लिधौरा महेबा मार्ग लं. 4.00 कि.मी. (3) जेवर रोड से चंदेरा सम्मेलन स्थल तक मार्ग लं. 1.70 कि.मी. का निर्माण कार्य।

पोर्टल टेंडर क्र.	निविदा आमंत्रण क्रमांक	जिला	ठेके की अनु. राशि (पी.ए.सी)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2025_PWDRB_423080_1	प्रथम	टीकमगढ़	423.94	423940.00	15000.00	06 माह वर्षाकाल छोड़कर
क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. बी.टी. रिन्युवल कार्य (1) फूलपुर सिमरिया पिपरठ भार्ग लं. 3.48 कि.मी. (2) फूलपुर मगरई पाली चरी पचेर घाट मार्ग लं. 7.00 कि.मी. (3) खरगापुर सरकनपुर मार्ग लं. 2.40 कि.मी.।						
2025_PWDRB_423082_1	प्रथम	टीकमगढ़	215.53	215530.00	15000.00	04 माह वर्षाकाल छोड़कर
क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. बी.टी. रिन्युवल कार्य बल्देवगढ़ पलेरा खरगापुर मार्ग लं. 20.40 कि.मी. 9/10 से 12/8,13/4 से 15/10, 16/4 से 18/4, 19/8 से 22/6, 23/2 से 26/8, 30/4 से 36/2 कुल लं. 22.40 कि.मी.।						
2025_PWDRB_423084_1	प्रथम	टीकमगढ़	482.07	482070.00	15000.00	06 माह वर्षाकाल छोड़कर
क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. बी.टी. रिन्युवल कार्य जतारा बायपास मार्ग लं. 9.00 कि.मी. (2) किटाखेरा पहुँच मार्ग लं. 1.00 कि.मी. (3) जतारा रेस्ट हाउस मार्ग लं. 0.80 कि.मी.।						
2025_PWDRB_423087_1	प्रथम	टीकमगढ़	380.74	380740.00	15000.00	06 माह वर्षाकाल छोड़कर
क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. बी.टी. रिन्युवल कार्य (1) टीकमगढ़ हनुमान सागर मार्ग लं. 1.20 कि.मी. (2) सापौन डूढ़ा मार्ग लं. 1.60 कि.मी. (3) बम्हौरी मोहनगढ़ मार्ग लं. 1.40 कि.मी. (4) माडूमर अस्तौन मार्ग लं. 9.30 कि.मी. (5) टीकमगढ़ मउघाट से जामनी नदी तक मार्ग लं. 1.40 कि.मी.।						
2025_PWDRB_423089_1	प्रथम	टीकमगढ़	179.11	179110.00	12500.00	04 माह वर्षाकाल छोड़कर
क्र. एवं कार्य का नाम :– 6. बी.टी. रिन्युवल कार्य पठा बुडेरा किशनपुरा मार्ग लं. 8.00 कि.मी. (2) बल्देवगढ़ नौगांव मार्ग लं. 3.20 कि.मी. (3) बैसा पहुँच मार्ग लं. 1.40 कि.मी.।						
2025_PWDRB_423090_1	प्रथम	टीकमगढ़	181.11	181110.00	12500.00	04 माह वर्षाकाल छोड़कर
कुल राशि			**1862.50**	**1862500.00**	**85000.00**	

निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in/** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 16.05.2025 से दिनांक 30.05.2025 समय 05.30 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री

जी12908/50971/2025 **लोक निर्माण विभाग, संभाग टीकमगढ़**

स्कूल ऑफ एक्सीलेंस इन पल्मोनरी मेडिसिन
शासकीय स्वशासी ने.सु.च. बोस
चिकित्सा महाविद्यालय, जबलपुर

क्रमांक/स्था./राज/25/401 **जबलपुर, दिनांक : 23.04.2025**

विज्ञप्ति सूचना

म.प्र. शासन चिकित्सा शिक्षा विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क एफ1-3/2018/55-2 दिनांक 26.05.2018, दिनांक 12/26-3-2019 एवं म.प्र. शासन चिकित्सा शिक्षा विभाग, मंत्रालय भोपाल के ज्ञापन क्रमांक एफ 2-57/2018/55-1 दिनांक 06/08/2018 द्वारा जारी मध्यप्रदेश सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल चिकित्सा शिक्षक आदर्श सेवा नियम, 2018 एवं कार्यालय आयुक्त चिकित्सा शिक्षा का ज्ञापन क्र. 5528/स्था/राज/2018 दिनांक 11.09.2018 द्वारा स्वीकृत अनुसूची अनुसार, सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल के राजपत्र क्रमाक एफ-07-25-2019 - आ.प्र. - एक - म.प्र. लोक सेवा अधिनियम 1994 (क्रमांक 21 सन् 1994) की धारा 13 द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए राज्य सरकार एतद् द्वारा मध्यप्रदेश लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण) नियम 1998 में संशोधन दिनांक 19/08/2019 के अनुसार स्कूल ऑफ एक्सीलेंस इन पल्मोनरी मेडिसिन, स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय जबलपुर के रिक्त पदों को माननीय उच्च न्यायालय के निर्णय के अध्याधीन सीधी भर्ती द्वारा राज्य स्तरीय रोस्टर का पालन करते हुये प्राध्यापक, सह-प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक एवं चिकित्सा अधिकारी के पदों की पूर्ति की जाना है ऐसे अभ्यार्थी जो कि शासन/एनएमसी द्वारा निहित अर्हताएं पूर्ति करते हों इस हेतु आवेदन पत्र स्कूल ऑफ एक्सीलेंस इन पल्मोनरी मेडिसिन, स्वशासी नेताजी सुभाष चंद्र बोस चिकित्सा महाविद्यालय जबलपुर में **दिनांक 30.05.2025 सायं 5:30 बजे तक** आमंत्रित किये जाते हैं।

1. उपरोक्त विज्ञापन की जानकारी एवं आवेदन पत्र का निर्धारित प्रारूप स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय जबलपुर मध्यप्रदेश की वेबसाइट **www.nscbmc.ac.in** पर उपलब्ध है।
2. आवेदन पत्र डाक द्वारा अथवा व्यक्तिगत रूप से स्कूल ऑफ एक्सीलेंस इन पल्मोनरी मेडिसिन, स्वशासी नेताजी सुभाष चन्द्र बोस चिकित्सा महविद्यालय जबलपुर में जमा कराये जा सकते हैं।
3. साक्षात्कार की तिथि एवं इस हेतु पात्र उम्मीदवारों की सूची महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड की जावेगी।

डायरेक्टर/कार्यालय प्रमुख
स्कूल ऑफ एक्सीलेंस इन पल्मोनरी मेडिसिन
ने.सु.च. बोस चिकित्सा महाविद्यालय, जबलपुर

जी-12932/50973/2025

कार्यालय, कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (भ/स), संभाग पन्ना (म. प्र.)

एन.आई.टी. नं. - 06/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण **पन्ना, दिनांक : 13.05.2025**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा नवीन एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रण की जाती है :-

कार्य का नाम :– 1. किन्ना मेन रोड से महोडकला मार्ग लं. 2.50 कि.मी. में विद्युत कार्य सहित एवं तिघरा करिया पटना मार्ग लं. 10.00 कि.मी. का निर्माण कार्य।

क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पी.ए.सी.) (रु. लाख में)	अमानत राशि ईएमडी (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय
06/01	2025_PWDRB_423193_1	पन्ना	442.43	442430.00	15000.00	06 माह वर्षाकाल सहित
कार्य का नाम :– 2. नांदचांद से नयाखेड़ा मार्ग लं. 5.00 कि.मी. का निर्माण कार्य।						
06/02	2025_PWDRB_423195_1		436.07	436070.00	15000.00	06 माह वर्षाकाल सहित
कार्य का नाम :– 3. कल्दा सलेहा मार्ग से मगरदा मार्ग लं. 2.00 कि.मी. एवं कल्दा बछौन मार्ग से गुवरदा मार्ग लं. 2.50 कि.मी. का निर्माण कार्य।						
06/03	2025_PWDRB_423196_1	पन्ना	392.03	392030.00	15000.00	06 माह वर्षाकाल सहित

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in/** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 14.05.2025 समय 10:00 से **दिनांक 27.05.2025 समय 5:00 तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. अमानत राशि (EMD) केवल ऑनलाइन RTGS/NEFT के माध्यम से ही स्वीकार होगी। एवं कोई भी दस्तावेज कार्यालय में भेजना आवश्यक नहीं है। समस्त सत्यापित दस्तावेज केवल ऑनलाइन संलग्न करना हैं।

कार्यपालन यंत्री

जी-12922/50974/2025 **लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग पन्ना (म.प्र.)**

प्री नर्सिंग सिलेक्शन टेस्ट (PNST) एण्ड जनरल नर्सिंग एवं मिडवाईफरी ट्रेनिंग सिलेक्शन टेस्ट (GNMTST) 2025 हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं

आवेदन पत्र भरने की तिथि 19.05.2025 से 02.06.2025 तक | **ऑनलाइन परीक्षा पद्धति समय सारणी** | **आवेदन पत्र में संशोधन करने की तिथि 19.05.2025 से 07.06.2025 तक**

संभावित परीक्षा दिनांक	परीक्षा की पाली	अभ्यर्थियों के लिए रिपोर्टिंग समय	उत्तर अंकित का समय
24 जून 2025 से प्रारंभ	प्रथम	प्रात: 08:30 से प्रात: 09:30 बजे तक	प्रात: 10:30 से प्रात: 12:30 बजे तक (02 घंटे)
	द्वितीय	दोपहर 01:00 से दोपहर 02:00 बजे तक	दोपहर 03:00 से दोपहर 05:00 बजे तक (02 घंटे)

आवेदन पत्र भरने की प्रकिया एवं महत्वपूर्ण निर्देश :-

1. परीक्षा के नियम, विभागवार रिक्त पदों की आरक्षण तालिकाएं एवं परीक्षा संचालन नियम से संबंधित विस्तृत नियमपुस्तिका मण्डल की वेबसाइट **www.esb.mp.gov.in** पर उपलब्ध रहेगी, जिसमें उल्लेखित समस्त नियमों/जानकारी का अध्ययन करके ही आवेदन पत्र भरा जावे।
2. वेबसाइट **www.esb.mponline.gov.in** के माध्यम से आवेदन पत्र भरा जा सकता है।
3. **संभावित परीक्षा शहर-** भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, सतना, सागर, रीवा एवं रतलाम
4. **प्रवेश परीक्षा शुल्क***

अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिए	रु. 400/-
केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/ई.डब्ल्यू.एस. एवं दिव्यांगजन अभ्यर्थियों के लिए	रु. 200/-
ऑनलाइन आवेदन- कियोस्क के माध्यम से ऑनलाइन भरने वाले अभ्यर्थियों हेतु एम.पी. ऑनलाइन का पोर्टल शुक्ल	रु. 60/-
अतिरिक्त रजिस्टर्ड सिटिजन यूजर के माध्यम से लॉगिन कर फार्म भरने पर पोर्टल शुल्क	रु. 20/-

विशेष निर्देश

1. अभ्यर्थी का आधार पंजीयन अनिवार्य है।
2. मण्डल द्वारा आयोजित परीक्षाओं में मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के रूप में अभ्यर्थी मतदाता पहचान पत्र, पेन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, पासपोर्ट, में से काई एक को चयनित कर सकता है। यू.आई.डी.ए.आई. (UIDAI) के द्वारा सत्यापित (Verify) होने पर ही ई आधार मान्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के अभाव में परीक्षार्थी को परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित किया जाएगा।
3. अभ्यर्थी को नियम पुस्तिका में विनिश्चित मूल परिचय पत्र के अतिरिक्त अपना आधार कार्ड/ई-आधार कार्ड की छायाप्रति/आधार नंबर/आधार VID की जानकारी लाना अनिवार्य है।
4. परीक्षा में प्रवेश के समय एवं परीक्षा के दौरान बहुस्तरीय बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य है। अत: जिन अभ्यर्थियों का आधार नंबर लॉक है वह परीक्षा दिनांक को परीक्षा केंद्र पर उपस्थिति के पूर्व आधार अनलॉक करवाना सुनिश्चित करें।
5. परीक्षार्थियों को परीक्षा में रिपोर्टिंग समय तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगीइसके पश्चात विलम्ब से आने पर अभ्यर्थियों को प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
6. परीक्षा कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस यथा मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, लॉग टेबल्स, डिजीटल घड़ी, नकल पर्चा एवं sun glasses (धूप का चश्मा) आदि का उपयोग पूर्णत: वर्जित है।
7. ऑनलाइन आवेदन-पत्र क्रमांक के द्वारा ही ऑनलाइन परीक्षा हेतु अभ्यर्थी अपना प्रवेश-पत्र प्राप्त कर सकते हैं। अत: आवेदन-पत्र क्रमांक आवश्यक रूप से संभाल कर रखें, जिसकी समस्त जिम्मेदारी आवेदक की ही होगी।
8. परीक्षा केंद्र पर आवेदक को परीक्षा हाल में प्रवेश हेतु मण्डल वेबसाइट से डाउनलोड किये गये प्रवेश-पत्र साथ लाना अनिवार्य है।
9. किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के पश्चात् परीक्षा समाप्ति तक परीक्षा कक्ष छोड़ने की अनुमति नहीं होगी।
10. आवेदन-पत्र भरते समय उम्मीदवारों के किसी भी प्रमाण पत्र का परीक्षण मण्डल द्वारा नहीं किया जाकर नियुक्ति प्रकिया के दौरान सम्बंधित विभाग द्वारा किया जाता है। अत: कम्प्यूटर आधारित (Online) परीक्षा में उम्मीदवारों की पात्रता (Eligibility) पूर्णत: प्रावधिक (Provisional) होगी।

विशेष नोट - मण्डल अपनी सुविधानुसार परीक्षा तिथि/परीक्षा पाली/शहरों/केन्द्रों एवं अन्य बिन्दुओं में परिवर्तन कर सकता है।

विज्ञापन क्र. 57/2025 **संचालक**

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल
Madhya Pradesh Employees Selection Board (MPESB)
'चयन भवन' मेन रोड नं. - 1, चिनार पार्क (ईस्ट) भोपाल - 462011
Fax : +91-0755-2550498, website : www.esb.mp.gov.in

R-50977/2025 म.प्र. माध्यम/120137/2025

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने किया आतंकवाद के विरुद्ध भारत की नीति का उद्घोष - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के नागरिकों को संबोधित करते हुए भारत की आतंकवाद के विरुद्ध नीति का उद्घोष किया है। भारत ने आपरेशन सिंदूर सिर्फ स्थगित किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा है कि यह युग युद्ध का नहीं है, लेकिन यह युग आतंकवाद का भी नहीं है। यह एक वाक्य भारत का संदेश समझने के लिए काफी है। भारत ने पहलगाम की घटना में जिन बहनों का सिंदूर उजड़ा उसका हिसाब पाकिस्तान से चुकता करने का कार्य किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत एक मजबूत अर्थव्यवस्था बना है, साथ ही राष्ट्रवासियों ने धारा 370 को समाप्त होते देखा है। राष्ट्रहित से जुड़े ऐसे कठिन निर्णय प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लिए, जिनकी कल्पना नहीं की जा सकती। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जो मार भारत ने पाकिस्तान पर मिसाइलों से की उससे कहीं अधिक मार प्रधानमंत्री श्री मोदी के शब्दों से हुई है और इस संबोधन ने पाकिस्तान के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और सेना अध्यक्ष सहित अन्य दुश्मनों की जमीन खिसका दी है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा राष्ट्र को दिए गए संबोधन के बाद अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि दुनिया बदलते दौर का भारत देख रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देशवासियों को भरोसा दिलाया है और उन्हें आत्मविश्वास से भर दिया है। ऊर्जा से लबरेज कर दिया है।

उन्होंने उत्साह और उमंग से सेनाओं का हौसला भी बढ़ाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के सक्षम नेतृत्व में सेना ने सिर्फ 5 दिन में जबरदस्त प्रतिकार करते हुए पाकिस्तान की कमर तोड़ने का कार्य किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के शब्दों से यह स्पष्ट हो गया है कि आतंकवाद को भारत कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने पाकिस्तान को खरी-खरी सुनाते हुए यह भी कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद को खाद-पानी देता रहा है। आतंकवादियों के जनाजे पर पाकिस्तान का झंडा चढ़ते हुए देखा गया है।

प्रदेश की धरती पर अब नहीं बचेंगे नक्सली

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बालाघाट के लांजी में आयोजित क्रम से पूर्व पदोन्नति अलंकरण समारोह को संबोधित किया

- **सरकार नक्सलियों से निपटने में पूरी तरह सक्षम, नक्सली सरेंडर करें, नहीं तो मारे जाएंगे।**
- **मुख्यमंत्री ने नक्सल ऑपरेशन में शामिल 64 पुलिसकर्मियों को दी क्रम पूर्व पदोन्नति।**
- **बालाघाट में हुआ 169 करोड़ रुपये की लागत के 93 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन।**
- **बालाघाट में प्रदेश के 51वें आयुर्वेदिक कॉलेज की रखी नींव।**

बालाघाट, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बालाघाट के लांजी में आयोजित क्रम से पूर्व पदोन्नति अलंकरण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में वर्ष-2026 तक देशभर से नक्सलवाद के खात्मे का संकल्प लिया गया है। इसे पूरा करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार भी केंद्र सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में बालाघाट जिले के पिछले दिनों नक्सल मुठभेड़ों में शामिल रहे पुलिस फोर्स, हॉक फोर्स और विशेष सशस्त्र बल के 64 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को क्रम पूर्व पदोन्नति प्रदान की गई है। राज्य सरकार का यह महत्वपूर्ण कदम पुलिसकर्मियों का हौसला बढ़ाएगा। क्रम पूर्व पदोन्नति पुलिस इतिहास में स्वर्णिम क्षण है।

सरकार नक्सलियों से निपटने में सक्षम

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को 4 दिन की लड़ाई में पस्त कर दिया। गृह मंत्री श्री शाह के नेतृत्व में देशभर में नक्सल विरोधी अभियान संचालित हो रहा है। इस अभियान को मजबूती देने के लिए मध्यप्रदेश पुलिस को आधुनिक हथियारों और तकनीक से लैस किया जा रहा है। राज्य सरकार नक्सलियों से निपटने में पूरी तरह सक्षम है। बालाघाट की धरती पर यह अलंकरण समारोह नक्सलियों को सीधा संदेश है कि वे सरेंडर करें नहीं तो मारे जाएंगे। प्रदेश की धरती पर नक्सल का खूनी खेल अब नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि आज बालाघाट में पुलिस के वीरों का सम्मान हो रहा है।

विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समारोह में जल गंगा संवर्धन अभियान में बालाघाट जिले में किए गए विकास कार्यों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। उन्होंने 169 करोड़ रुपये की लागत के 93 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इनमें आयुर्वेदिक महाविद्यालय भी शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बालाघाट में प्रदेश के 51वें आयुर्वेदिक कॉलेज की नींव रखी।

खनिज और जल संपदा से परिपूर्ण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बालाघाट खनिज और जल संपदा से परिपूर्ण है। यहां तांबा और मैगनीज के भंडार हैं। बालाघाट के चिन्नौर चावल को जीआई टैग प्राप्त होना, हमारे लिये गौरव की बात है। बालाघाट में नक्सलियों के खात्मे के साथ विकास के कार्य भी निरंतर जारी हैं। यहां आयुर्वेद से जुड़ी भरपूर संपदा है।

बीहर नदी के रिवर फ्रंट का कार्य शीघ्र होगा प्रारंभ

रीवा, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि पंचमठा धाम स्थित निषादराज घाट से कोतवाली घाट तक बीहर रिवर फ्रंट के बन जाने से नदी के एक तरफ के रिवर फ्रंट का कार्य पूर्ण हो चुका है। आगामी चरण में निपनिया से पुष्पराजनगर तक नदी के दूसरे किनारे रिवर फ्रंट का कार्य प्रारंभ किया जाएगा। आने वाले समय में बड़ी पुल के पास एनिकट बनाकर पानी में बाबा घाट से राजघाट तक क्रूज भी चलाया जाएगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने फीता काटकर रीवा में बीहर रिवर फ्रंट फेज-टू का लोकार्पण किया और निषादराज घाट से कोतवाली घाट तक भ्रमण किया। इससे पूर्व बीहर रिवर फ्रंट भाग एक आमजनों के लिए लोकार्पित किया जा चुका है। पंचमठा धाम में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि पर्यटक व रीवावासी रिवर फ्रंट से कलकल बहती बीहर नदी के अप्रतिम सौन्दर्य को करीब से निहार सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने अपोलो हॉस्पिटल का किया अवलोकन

जबलपुर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जबलपुर पाटन बायपास स्थित नवनिर्मित अपोलो हॉस्पिटल, जबलपुर सहित मध्य भारत के लिए स्वास्थ्य जगत के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने संस्कारधानी को मिली अपोलो हॉस्पिटल की श्रृंखला की सौगात को संपूर्ण महाकौशल के लिए बड़ी उपलब्धि बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव अपोलो जेबीपी हॉस्पिटल के कैंसर यूनिट के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने हॉस्पिटल में पेट स्कैन मशीन का शुभारंभ करने के साथ हॉस्पिटल का अवलोकन भी किया।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत शत्रुओं को ठिकाने लगाने में सक्षम है

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के शौर्य स्मारक पहुंचकर शहीदों को नमन किया। उन्होंने शौर्य स्मारक परिसर में स्थित भारत माता की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सफलता के लिए समस्त राष्ट्रवासियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत उन राष्ट्रों में शामिल है जो त्वरित गति से दुश्मनों से निपट सकता है। भारतीय सेना के शौर्य प्रदर्शन पर आज यहां शौर्य स्मारक परिसर में उपस्थित महिलाओं और बच्चों के हाथ में तिरंगा देखकर उन्हें प्रसन्न और गर्वित होते हुए देखना आनंद का विषय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आतंकवादियों ने गत 22 अप्रैल को पहलगाम में निरपराध लोगों की नृशंस हत्याएं कीं। उनकी पीठ के पीछे पाकिस्तान बैठा था। वह जमाना गया जब आतंकी समझते थे कि वे पाकिस्तान में महफूज होंगे। अब पाकिस्तान की सेना भी त्राहिमाम कर रही है। भारत ने 6 और 7 मई की रात्रि को शत्रु के 9 आतंकी ठिकानों पर हमला कर उनके दांत खट्टे कर दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमने तीसरी बार सेना के शौर्य का एहसास किया है। पहली बार सर्जिकल स्ट्राइक कर दुश्मन को उसके घर के अंदर घुसकर मारा। हमारे जवान अपने टारगेट को खत्म करके सकुशल वापस लौटे। दूसरी बार में पाकिस्तान स्थित आतंकी शिविरों पर भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने एयर स्ट्राइक की। तब पाकिस्तान ने एक भारतीय पायलट अभिनंदन वर्धमान की सकुशल भारत वापसी करवाई।

अब पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाक अधिकृत कश्मीर और पाकिस्तान के अन्य क्षेत्रों में जहां आतंक की फैक्ट्री चल रही थी, निर्णायक कार्रवाई की है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में तीनों सेनाओं को कार्रवाई की खुली छूट दी गई। पाकिस्तान के ड्रोन और अन्य हथियारों का खात्मा कर भारतीय सैन्य बलों ने बड़ी सफलता प्राप्त की है।

बेहतर प्रबंधन के लिये लीन मैनेजमेंट का हो उपयोग

भोपाल, शहरी मामलों के विशेषज्ञ प्रो. सुभाष रस्तोगी ने कहा है कि नगरीय विकास से जुड़ी योजनाओं में बेहतर प्रबंधन के लिये लीन मैनेजमेंट (Lean Management) का उपयोग होना चाहिए। इसके उपयोग से किसी भी कार्य में कीमत को प्रभावित किये बिना टॉस्क को पूरा करने के समय को कम करने के साथ ही कर्मचारियों के काम करने की परिस्थितियों में आवश्यक सुधार किया जाता है। प्रो. रस्तोगी नगरीय विकास विभाग के अधिकारियों की भोपाल में हुई बैठक में इस विषय पर चर्चा कर रहे थे।

प्रो. रस्तोगी ने कहा कि लीन मैनेजमेंट प्रक्रियाओं को प्रबंधित करने और काम को संगठित करने का एक तरीका है। जिसका उद्देश्य कंपनी की उत्पादकता और दक्षता में वृद्धि करना होता है। उन्होंने कहा कि इस नीति का अर्थ अपने उत्पादों की गुणवत्ता और उनकी लाभप्रदता में वृद्धि करना है।

अपर मुख्य सचिव श्री संजय शुक्ला ने विभाग द्वारा क्रियान्वित की जा रही नगरीय विकास परियोजनाओं में तेजी लाने के उद्देश्य से शहरी मामलों के विशेषज्ञ प्रो. रस्तोगी के साथ चर्चा को महत्वपूर्ण बताया। बैठक में योजनाओं के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के विभिन्न उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। अपर मुख्य सचिव श्री शुक्ला ने कहा कि नगरीय विकास की जलप्रदाय और सीवरेज जैसी विकास योजनाएं आमजन के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

भगवान बुद्ध के आदर्शों का अनुसरण करने वाला एकमात्र देश है भारत - मुख्यमंत्री

उज्जैन, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन के अशोक बुद्ध विहार में बुद्ध पूर्णिमा के पावन पर्व पर भगवान गौतम बुद्ध की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर भारती बौद्ध महासभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान बुद्ध के जीवन से ज्ञान लेकर हम सारे भारतीय आगे बढ़ रहे हैं और विश्व बंधुत्व को अपनाते हुए प्रेम, करुणा, सत्य, समता के भाव को आगे बढ़ा रहे हैं।

भगवान बुद्ध राज-पाट छोड़कर जब ज्ञान की खोज में निकले थे और कठिन तप के बाद जो ज्ञान विश्व को दिया, उसका अनुसरण ही हम सबका उद्देश्य होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि समतामूलक समाज से हम उन्नति, विकास और सबके कल्याण के मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। उन्होंने सभी को भगवान बुद्ध जयंती पर शुभकामनाएं दीं।

- **मुख्यमंत्री ने बुद्ध पूर्णिमा पर भगवान बुद्ध को नमन कर अर्पित किये पुष्प।**
- **समतामूलक समाज, प्रेम, करुणा और सत्य की आधारशिला पर ही समाज की तरक्की संभव।**

मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश में सांची, बुद्ध धर्मावलंबियों के लिए महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है। उनके लिए सांची आना सौभाग्य की बात है। बुद्ध सर्किट में सांची का प्रमुख स्थान है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय खगोल विज्ञान के अनुसार निर्धारित की गई तिथि, पूर्णिमा अपने आप में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। पूर्णिमा पर भगवान बुद्ध और संत रविदास जी के साथ ही अन्य बड़े संत, महात्माओं का जन्म हुआ है। पूर्णिमा पर जब चंद्रमा की 16 कलाएं पूर्ण हो जाती हैं तो एक दिव्य प्रकाश निकलता है। ऐसे महापुरुषों ने पूर्णिमा के दिन जन्म लेकर अपने ज्ञान के प्रकाश से विश्व को रोशन किया है।

भारत विश्व गुरु है, विश्व गुरु रहेगा

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारतीय संस्कृति की चर्चा करते हुए कहा कि विश्व में भारतीय ज्ञान परंपरा ही ऐसी परंपरा है, जो ऐतिहासिक काल से लेकर वर्तमान समय तक अक्षुण्ण है। सबसे बड़ी बात है कि समाज के लिए आज भी प्रासंगिक है। 5000 साल से भी अधिक पुराने हमारे ज्ञान को आज भी कोई चैलेंज नहीं कर पाया है। भारत विश्व गुरु है, विश्व गुरु रहेगा।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

साधु, संत और श्रद्धालुओं की आस्था को सर्वोपरि रख करें सिंहस्थ 2028 के सभी कार्य - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में सिंहस्थ-2028 के प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया

उज्जैन, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल भवन कलेक्टर कार्यालय सभागृह में अधिकारियों को निर्देशित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ-2028 के प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा करते हुए कार्ययोजना की जानकारी लेकर कहा कि सभी कार्य समय-सीमा में गुणवत्ता और मापदंडों के अनुसार पूरे हों। सभी कार्यों में निर्माण एजेंसियां समन्वय बनाकर कार्य करें, जिससे श्रद्धालुओं को सिंहस्थ-2028 का अनुभव आस्थामय, भव्य और अलौकिक हो। सिंहस्थ निर्माण कार्यों में शहर के आसपास सड़कों का जाल बिछाकर यातायात सुगम किया जा रहा है। श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए संपूर्ण मेला क्षेत्र की कनेक्टविटी 4 लेन और 6 लेन मार्गों से की जा रही है। सिंहस्थ-2028 के लिए किए जा रहे आवश्यक मार्ग चौड़ीकरण के कार्यों में सभी गणमान्य नागरिकों का भी विशेष ध्यान रखते हुए कार्य करें।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी सिंहस्थ कार्यों की मॉनिटरिंग आधुनिक तकनीकी का इस्तेमाल कर करें, जिससे कार्य की भौतिक प्रगति के साथ कार्य की गुणवत्ता का आकलन भी हो सके। सिंहस्थ-2028 अंतर्गत रेलवे से समन्वय बनाकर शासन के सभी आवश्यक विभाग इंटीग्रेटेड कार्ययोजना बनाएं।

- उज्जैन में न्यायपालिका द्वारा भी न्यायिक संस्था शुरू की जाएगी।
- सिंहस्थ-2028 : आवश्यक मार्ग चौड़ीकरण के कार्यों में गणमान्य नागरिकों का भी विशेष ध्यान रखते हुए कार्य करें।

मेडिकल टूरिज्म हब बनाया जाएगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए मेले में आर्मी भी मौजूद रहेगी। सभी मुख्य देव-स्थानों को जल्द ही देवलोक के रूप में विकसित करने की कार्ययोजना बनाएं। उज्जैन में न्यायपालिका द्वारा भी न्यायिक संस्था शुरू की जाएगी।

बैठक में संभागायुक्त श्री संजय गुप्ता ने जानकारी दी कि सिंहस्थ कार्ययोजना में अब तक 153 कार्य स्वीकृत तथा प्रगतिरत हैं, जिनकी लागत 23,332 करोड़ रुपये है, जिसमें सिंहस्थ मद से 3,728 करोड़ के 78 कार्य और विभागीय मद से 19,604 करोड़ के कार्य हैं। अब तक 27 कार्य प्रारंभ हो चुके हैं, 94 कार्य निविदा प्रक्रियाधीन है और 32 कार्य प्रशासकीय स्वीकृति प्रक्रियाधीन है। उक्त कार्यों में भवन विकास निगम द्वारा मेडिसिटी मेडिकल कॉलेज का निर्माण 592.3 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। अब तक 4.5 प्रतिशत भौतिक कार्य पूर्ण हो चुका है। जल संसाधन विभाग के 778.91 करोड़ रुपये की लागत राशि से घाट निर्माण संबद्ध कार्य, 920 करोड़ रुपये की लागत का कान्ह डायवर्सन क्लोज डक्ट परियोजना में 31.70 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा हाईब्रिड एन्युइटी मॉडल अंतर्गत प्रगतिरत 1692 करोड़ राशि का 44.4 किलोमीटर लंबाई का इंदौर-उज्जैन 6 लेन मार्ग का 13.64 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है, 195 करोड़ राशि का 44.14 किलोमीटर लंबाई का महिदपुर-घोसला मार्ग का 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है।

लोक निर्माण विभाग द्वारा 58 करोड़ रुपये की राशि का 8.80 किलोमीटर लंबाई का नागझिरी दताना मार्ग का 65 प्रतिशत कार्य और 13.45 करोड़ रुपये की राशि का सदावल हेलीपेड का 45 प्रतिशत कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

समाज के प्रश्नों के समाधानकारक नवाचारों के लिए आगे आ रहे हैं विद्यार्थी

भोपाल, समाज के प्रश्नों के समाधान, शिक्षा के माध्यम से ही संभव हैं। विशेषकर ग्रामीण भारत में विद्यमान प्रश्नों का समाधान, शिक्षा के माध्यम से ही निकालना होगा। इसके लिए हमें अपने दायित्व का भान करने की आवश्यकता है। भारतीय समाज में हर विद्या-हर क्षेत्र में विद्यमान ज्ञान को युगानुकूल परिप्रेक्ष्य में पुनः शोध एवं अनुसंधान कर, दस्तावेजीकरण करने की आवश्यकता है। विश्व मंच पर भारतीय ज्ञान को तथ्यपूर्ण प्रमाण के रूप में दिखाने के लिए, शोध एवं अध्ययन को दस्तावेज से समृद्ध करना होगा। इसके लिए पूर्वजों के ज्ञान के प्रति स्वत्व का भाव जागृत करना होगा। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने भोपाल स्थित राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में "इनोवेट एमपी मिशन" की दृष्टि से सृजित 'सृजन' कार्यक्रम के प्रदर्शनी शुभारम्भ कार्यक्रम में कही। श्री परमार ने कहा कि ग्रामीण भारत के विद्यार्थी, नवाचारी दृष्टि के साथ आगे आ रहे हैं। समाज के प्रश्नों के समाधानकारक नवाचारों के लिए विद्यार्थी आगे आ रहे हैं। विद्यार्थियों के नवाचारी शोधों के लिए आवश्यक मार्गदर्शन, तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग के साथ साथ, उनके नवाचारों के दस्तावेजीकरण के लिए यह अभिनव पहल की गई है। विद्यार्थियों के नवाचारी विचार से लेकर दस्तावेजीकरण तक की यात्रा में, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय सहयोग करेगा।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में भारतीय ज्ञान परम्परा पर, प्रदेश में तीव्र गति से क्रियान्वयन हो रहा है। हर विद्या हर क्षेत्र में, भारतीय ज्ञान परम्परा पर पुनर्चिंतन हो रहा है। ईसा के पहले के भारत के समृद्ध ज्ञान पर, शोध एवं अध्ययन जारी है। भारत में हजारों वर्ष पूर्व इंजीनियरिंग और तकनीकी सहित हर क्षेत्र में काम हुए हैं, इसके प्रमाण विश्व मंच पर मिल रहे हैं। श्री परमार ने भारत के प्राचीन ज्ञान के विविध उदाहरण प्रस्तुत कर, भारतीय ज्ञान परम्परा पर प्रकाश डाला। मंत्री श्री परमार ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य की चुनौतियों को समझकर, स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 के लक्ष्यों की ओर आगे बढ़ना होगा। आज के युवा विद्यार्थी ही, वर्ष 2047 का विकसित भारत गढ़ेंगे। विकसित भारत @2047 की संकल्पना सिद्धि, विद्यार्थियों की प्रभावी सहभागिता से होगी।

जल गंगा संवर्धन अभियान की होगी मॉनिटरिंग

भोपाल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में कार्यों की सतत मॉनिटरिंग करें। नदियों के स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए विशेष कार्य करें। मंत्री श्री पटेल ने विभागीय अधिकारियों के साथ योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में भारत सरकार से संबंधित बिंदुओं पर समीक्षा की तथा आवश्यक निर्देश दिए। श्री पटेल ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण योजना के प्रगतिरत कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि स्वीकृत आवासों का निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने आवास प्लस सर्वे के संबंध में जानकारी ली और निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना में बनने वाली अंतर्राज्यीय और अन्तर्जिला सड़कों को बनाने में विशेष परिस्थितियों का आकलन कर

शत-प्रतिशत प्लेसमेंट के लिए बनाएं व्यापक कार्ययोजना

भोपाल, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार की अध्यक्षता में मंत्रालय स्थित सभाकक्ष में इंदौर के प्रतिष्ठित तकनीकी शिक्षा संस्थान, श्री गोविंदराम सेकसरिया प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (SG-SITS) एसजीएसआईटीएस, इंदौर की 'शासी निकाय की 127वीं' बैठक हुई। श्री परमार ने प्रस्तावित कार्य सूची के विभिन्न बिंदुओं पर व्यापक चर्चा कर, शासन के नियमों का पालन करते हुए क्रियान्वयन के दिशा-निर्देश दिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसरण में विद्यार्थियों के हितों के अनुरूप, समग्र विकास के लिए कार्य करने को कहा।

तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि संस्थान के उत्तरोत्तर उत्थान एवं समग्र विकास के लिए राज्य सरकार पूरी तरह साथ है। संस्थान को नवीन आयाम देने के लिए व्यापक प्रयास किए जाने चाहिए। हम विद्यार्थियों को उत्तम, गुणवत्तापूर्ण एवं रोज़गारपरक शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्धता के साथ क्रियाशील है। श्री परमार ने कहा कि विद्यार्थियों के शत-प्रतिशत प्लेसमेंट के लिए आवश्यक कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वयन किया जाए। तकनीकी शिक्षा मंत्री ने न्यायालय से जुड़े विभिन्न प्रकरणों का सावधानीपूर्वक निराकरण करने हेतु निर्देशित किया। श्री परमार ने कहा कि वित्त और विधि से संबंधित समस्त कार्यों का सावधानीपूर्ण क्रियान्वयन करें।

नागरिक देवो भव: के सिद्धांत पर अधिकारी करें कार्य - राज्यपाल

भोपाल, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों से कहा है कि अतिथि देवो भव: के लोकाचार के समान नागरिक देवों भव: के सिद्धांत पर कार्य करने वाले अधिकारी के रूप में पहचान बनाएं। केवल प्रशासक के रूप में नहीं, विकसित भारत के वास्तुकार की तरह जिम्मेदारियों को समर्पण और करुणा के साथ पूरा करें।

राज्यपाल श्री पटेल ने आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा प्रशासन अकादमी के प्रशिक्षु परिवीक्षाधीन भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को संबोधित किया।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश जनजातीय बहुल राज्य है। इसका विकास तभी संभव है, जब जनजातियों के कल्याण और विकास के प्रयासों में सहानुभूति और समानुभूति हो। उन्होंने कहा कि गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी जो नीतियाँ हैं, जो निर्णय हुए हैं और जो काम वह कर रहे हैं, वह अगले हजार वर्षों के भविष्य को आकार देने वाले हैं। समय की मांग है कि प्रशासनिक अधिकारी कार्य प्रक्रिया और नीति निर्माण आने वाले वर्षों के समग्र भारत के विकास के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के अनुसार करें। भारत के समग्र विकास का मतलब यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी गांव, कोई भी परिवार और कोई भी नागरिक विकास के पथ पर पीछे नहीं छूटे।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी को सेवक के भाव से कार्य करना चाहिए। व्यवहार और भाषा में विनम्रता और संवेदनशीलता जरूरी है। गरीबी, अभाव और अज्ञानता से जूझ रहे लोगों तक विकास को पहुंचाना प्रशासनिक अधिकारियों का दायित्व है। उन्होंने कहा कि वंचितों का कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। विकसित भारत अभियान के द्वारा पूरी सरकार उनके द्वार पर पहुंची थी। राज्यपाल के रूप में स्वयं उन्होंने 21 जिलों में भ्रमण किया था। उन्होंने कहा कि अधिकारी के रूप में आपको वंचितों के प्रति सहानुभूति और समानुभूति के साथ कार्य करना होगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान में उत्कृष्ट कार्य पर मिलेगा पुरस्कार

भोपाल, जल गंगा संवर्धन अभियान में श्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों, कर्मियों को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा राज्य स्तर पर पुरस्कृत किया जाएगा। पुरस्कार दो श्रेणी में प्रदान किये जायेंगे। इस संबंध में मध्यप्रदेश राज्य रोज़गार गारंटी परिषद के आयुक्त श्री अवि प्रसाद ने बताया कि एक पुरस्कार जल गंगा संवर्धन अभियान में समग्र रूप से उत्कृष्ट कार्य पर और दूसरा मनरेगा अन्तर्गत खेत-तालाब निर्माण में श्रेष्ठ कार्य करने पर दिया जाएगा। अभियान में समग्र रूप से श्रेष्ठ कार्य करने पर पुरस्कार प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी में दिया जाएगा।

सामाजिक एकता और भाईचारा बढ़ाने में सामूहिक विवाह बेहद सहायक - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्यमंत्री निवास से देवास के बागली विधानसभा क्षेत्र में हुए सामूहिक विवाह सम्मेलन में वर्चुअली शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा है कि सामूहिक विवाह कार्यक्रम हमारी सरकार की उस प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं जिसमें हम प्रदेश की हर बेटी को सम्मान और गरिमा के साथ नए जीवन की शुरुआत करने में सहायता देते हैं। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह कार्यक्रम न केवल आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहायता प्रदान करते हैं, बल्कि समाज में एकता और भाईचारे की भावना और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने में भी बेहद सहायक होते हैं। सामूहिक विवाह सम्मेलन में 230 बेटियों का कन्यादान और 15 बेटियों का निकाह कराकर उन्हें नये जीवन में प्रवेश कराया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार महिला सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय के लिए निरंतर कार्यरत है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में हमारे प्रयास जारी हैं। प्रदेश की बहन-बेटियों के कल्याण और विकास के लिए वर्ष 2025-26 के सालाना बजट में हमने 27 हजार 147 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। संतोष की बात है कि प्रदेश का जेंडर बजट पिछले 6 वर्षों में दोगुना हो गया है। इस वर्ष के बजट में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के लिए 18 हजार 669 करोड़ रुपये और लाड़ली लक्ष्मी योजना के लिए 1 हजार 183 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। सरकारी नौकरी में महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए मध्यप्रदेश लोक सेवा में 35 प्रतिशत तक

आरक्षण दिया जा रहा है। स्थानीय निकायों के चुनाव में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण का ही परिणाम है कि राज्य के 50 प्रतिशत स्थानीय निकायों की कमान महिलाओं के हाथों में है। महिलाओं के नाम पर जमीन की रजिस्ट्री कराने पर शासन की ओर से छूट भी दी जा रही है। इसका फायदा यह हुआ है कि अब 45 प्रतिशत संपत्तियां महिलाओं के नाम पर ही खरीदी जा रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विभिन्न पेंशन योजनाओं के माध्यम से हम अपनी बहनों का जीवन आसान कर रहे हैं। करीब 5 लाख स्व-सहायता समूहों के माध्यम से हमारी 62 लाख से अधिक ग्रामीण बहनें अब आत्मनिर्भर बन चुकी हैं।

मुख्यमंत्री ने सभी जोड़ों विशेषकर बेटियों को आशीर्वाद देकर कहा कि वे सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाकर अपने जीवन में आगे बढ़ें और अपने परिवार और समाज की बेहतरी के लिए काम करें।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

जागेश्वरनाथ धाम कॉरिडोर बनने से मंदिर क्षेत्र की बढ़ेगी भव्यता - मुख्यमंत्री

दमोह, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दमोह जिले के सुप्रसिद्ध देवश्री जागेश्वरनाथ मंदिर में 10 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले प्रथम चरण के कॉरिडोर के भूमिपूजन समारोह को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा है कि दमोह जिले के जागेश्वरनाथ मंदिर के नवनिर्माण का हम संकल्प ले रहे हैं। आज भगवान देवश्री जागेश्वरनाथ का अभिषेक देश की पवित्र नदियों के जल और पवित्र धार्मिक स्थलों की मिट्टी से शिवलिंग का पूजन हुआ है। देवश्री जागेश्वरनाथ मंदिर में 100 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले कॉरिडोर से भगवान श्री जागेश्वरनाथ मंदिर की भव्यता बढ़ेगी। मंदिर के कॉरिडोर बनने से मंदिर सहित क्षेत्र की भव्यता बढ़ेगी, सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय लोगों को रोज़गार मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी वैश्विक नेता हैं। उनके नेतृत्व में बनारस में बाबा विश्वनाथ का धाम भव्य रूप ले चुका है। अयोध्या में भी भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बना है। सनातन संस्कृति में 7 प्रमुख नगरियां हैं। जब अयोध्या का फैसला आया तो यह लोकतंत्र के गौरव का अवसर था, जिसका सभी धर्म के लोगों ने मिलकर स्वागत किया और एकजुटता दिखाई थी। इसी प्रकार आज जब सेना शौर्य दिखा रही है, तब भी देश एकजुट है। यही भारतीय लोकतंत्र की ताकत है, जिसे देखकर दुनिया अचंभित है। कार्यक्रम में पहलगाम आतंकी हमले के शिकार पर्यटकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में विकसित हो रहे धार्मिक पर्यटन केन्द्र युवाओं के लिए रोज़गार के केन्द्र बनकर उभरेंगे। यहां आध्यात्म के साथ, शैक्षणिक और रोज़गारमूलक गतिविधियां भी संचालित की जाएंगी। इन कार्यों के लिए राज्य सरकार बजट की कोई कमी नहीं आने देगी। प्रदेश में जल संरक्षण और संवर्धन के लिए अभियान चल रहा है।

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के हमेशा साथ है हमारी सरकार - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नरसिंहपुर जिले के नई कृषि उपज मंडी प्रांगण, गोटेगांव में मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना के अंतर्गत आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में वर्चुअली सहभागिता कर संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विवाह हमारी संस्कृति की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। यह हमारे समाज और परिवार का आधार है।

सामूहिक विवाह सम्मेलन गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए संबल और सहयोग के प्रतीक हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के साथ हमारी सरकार दोस्त बनकर हमेशा साथ खड़ी है।

सामूहिक विवाह सम्मेलन में कुल 218 जोड़े (216 कन्याओं का विवाह और दो बेटियों का निकाह) परिणय सूत्र में बंधे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार माताओं, बहनों और बेटियों के हितों की रक्षा के लिए हर कदम पर साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि बहन, बेटियों के लिए हमने अपने सालाना बजट में 27 हजार 147 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद के निर्णय

जंगली हाथियों के प्रबंधन के लिए 47 करोड़ 11 लाख रुपये से अधिक की योजना स्वीकृत

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंत्रालय में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक को संबोधित करते हुए

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रिपरिषद द्वारा प्रदेश में मानव-हाथी द्वंद को कम करने और जंगली हाथियों के प्रबंधन के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 और वर्ष 2026-27 अर्थात आगामी 2 वर्षों सहित कुल 4 वर्षों (वर्ष 2023-24 से 2026-27 तक) के लिए राशि 47 करोड़ 11 लाख 69 हजार रुपये की योजना क्रमांक 9854 की सैद्धांतिक स्वीकृति दी गयी है।

योजना अंतर्गत हाथियों की सुरक्षा एवं अनुश्रवण के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं वर्ष 2024-25 में कुल राशि रुपये एक करोड़ 52 लाख 54 हजार रुपये व्यय की गयी है। निर्णय अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजना में राशि 20 करोड़ रुपये और वर्ष 2026-27 में 25 करोड़ 59 लाख 15 हजार रुपये का प्रावधान किया गया। इस तरह आगामी 2 वर्षों सहित कुल 4 वर्षों (वर्ष 2023-24 से 2026-27 तक) के लिए योजना का आकार राशि 47 करोड़ 11 लाख 69 हजार रुपये निर्धारित किया गया है।

- **जंगली हाथियों की सुरक्षा एवं अनुश्रवण, रहवास प्रबंधन तथा विकास के लिए योजना बनाई गयी है।**
- **वन्य-प्राणियों के रेस्क्यू और पुनर्वास के लिए कार्य किया जाएगा।**
- **हाथी मित्र दल का गठन किया जाएगा।**

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के ऐसे संरक्षित क्षेत्र जहाँ हाथियों का आवागमन या उपस्थिति है उनमें एवं संरक्षित क्षेत्रों के बाहर जंगली हाथियों की सुरक्षा एवं अनुश्रवण, रहवास प्रबंधन तथा विकास के लिए योजना बनाई गयी है। जंगली हाथियों की निगरानी के लिए कंट्रोल रूम, वन्यजीव मानव द्वंद को रोकने के लिए विभिन्न संरचनाएं बनाई जाएंगी। ई-आई सर्विलेंस की स्थापना और संचालन किया जाएगा। वन्य-प्राणियों के रेस्क्यू और पुनर्वास के लिए कार्य किया जाएगा।

प्रभावित क्षेत्रों में मानव-हाथी द्वंद से निपटने के लिए ग्रामीणों, वन विभाग और अन्य विभाग के अधिकारियों तथा कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। विभिन्न प्रकार का फेंसिंग कार्य किया जाएगा, जिसमें सोलर फेंसिंग भी शामिल है। मानव-हाथी द्वंद के लिए रैपिड रिस्पांस टीम का गठन किया जाएगा और आवश्यक उपकरण क्रय किए जाएंगे। निगरानी और ट्रेकिंग कार्य के लिए पेट्रोलिंग वाहन और रेडियो कॉलर क्रय किए जाएंगे। साथ ही हाथी मित्र दल का गठन किया जाएगा।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

फैक्ट फाइल

देश का पहला राज्य है मध्यप्रदेश, जहां नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सबसे पहले लागू किया गया

भारतीय मूल्य, संस्कृति, सतत विकास पर आधारित शिक्षा से जोड़ने की पहल

मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जहां नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सबसे पहले लागू किया गया। प्रदेश में भारतीय मूल्य, संस्कृति और परंपरा के साथ सतत् विकास पर आधारित शिक्षा नीति को अमल में लाने के लिए प्रभावी कार्य किये जा रहे हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में नीति में उल्लेखित आवश्यक शैक्षिक सुधारों का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

परीक्षा परिणाम पर प्रभाव

प्रदेश में 10वीं बोर्ड परीक्षा में इस वर्ष 74 प्रतिशत परिणाम आया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 18 प्रतिशत अधिक है। कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा का परिणाम इस वर्ष 74 प्रतिशत रहा, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 10 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

योजनाओं का क्रियान्वयन

नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक योजना में शासकीय विद्यालय में पढ़ाई कर रहे 82 लाख विद्यार्थियों को नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक वितरित की गई। छात्रवृत्ति योजना में कक्षा एक से 12वीं में अध्ययनरत एससी, एसटी, ओबीसी और बीपीएल के 66 लाख छात्रों को सिंगल क्लिक के माध्यम से 332 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की गई। नि:शुल्क साइकिल वितरण योजना में 75 हजार विद्यार्थियों को नि:शुल्क साइकिल वितरित की गई। प्रतिभाशाली छात्र प्रोत्साहन योजना में डीबीटी के माध्यम से 224 करोड़ 25 लाख रुपये की राशि ट्रांसफर की गई। सांदीपनि विद्यालय योजना में पहले चरण में 276 सांदीपनि विद्यालय प्रारंभ किये जा चुके हैं। इन विद्यालयों में 2 लाख 62 हजार 613 विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। विनोबा सांदीपनि रतलाम विद्यालय में नवाचार की श्रेणी में वर्ल्ड बेस्ट स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया। केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना में मध्यप्रदेश में 787 पीएमश्री विद्यालय संचालित किये जा रहे हैं।

प्रदेश में उठाये गये प्रमुख कदम

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के लिये 43 सदस्यीय टॉस्क फोर्स का गठन किया गया।
- निरन्तर समीक्षा के लिये 13 समितियों का गठन भी किया जा चुका है।
- सभी शासकीय तथा अशासकीय विद्यालयों में जुलाई 2024 में गुरुपूर्णिमा उत्सव का आयोजन किया गया।
- अगस्त 2024 में प्रदेश की शालाओं में जन्माष्टमी पर्व का आयोजन किया गया।
- जन्माष्टमी पर श्रीकृष्ण की शिक्षा एवं मित्रता के प्रसंग तथा जीवन दर्शन पर आधारित विभिन्न विषयों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं व्याख्यान आयोजित किये गये।
- लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयन्ती अवसर पर भाषा भारती कक्षा-7 पाठ 18 सुरभि संस्कृत कक्षा 8 में लोकमाता के जीवन पर केन्द्रित पाठ्यक्रम को शामिल किया गया।
- स्कूलों में बालिकाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण देने के लिये निरन्तर कैम्प आयोजित किये जा रहे हैं।
- प्रदेश के सभी शासकीय विद्यालयों में 26 से 29 नवम्बर 2024 के मध्य श्रीमद् भागवत गीता आधारित मूल्य शिक्षा क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- 11 दिसम्बर 2024 को गीता जयन्ती के अवसर पर विद्यालयों में गीता कर्म पर आधारित व्याख्यान एवं स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- स्कूलों में मकर संक्रांति पर्व, संस्कृत भाषा के विकास के लिये महाकवि कालिदास के व्यक्तित्व और कृतित्व पर श्लोक पाठ और नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की गई।
- प्रदेश में स्थानीय जनजातीय भाषा गोंडी, भीली, सहरिया, बारेली, निमाड़ी, बुंदेली और बघेली में तैयार की गई त्रिभाषा पुस्तकें 21 जिलों के 89 जनजातीय विकासखंडों में उपलब्ध कराई गई।

मॉडल स्कूलों का संचालन

प्रदेश में 145 मॉडल स्कूलों में से 143 मॉडल स्कूलों में स्वयं के भवन निर्मित हो चुके हैं। प्रदेश में मॉडल स्कूलों में 50 हजार विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। इसी के साथ प्रत्येक जिला मुख्यालय एवं विकासखंड मुख्यालय पर स्थापित चयनित एक शासकीय विद्यालय को उत्कृष्ट विद्यालय के रूप में विकसित किया गया है। प्रदेश में 43 जिला मुख्यालयों एवं 96 विकासखंड स्तर पर उत्कृष्ट विद्यालय संचालित हैं।

व्यावसायिक शिक्षा

नई शिक्षा नीति के अनुरूप प्रदेश के 2383 विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा संचालित की जा रही है, जिसमें 4 लाख विद्यार्थियों को 12 ट्रेड्स में शिक्षा दी जा रही है। कृषि शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये भी 465 विद्यालयों में कृषि ट्रेड्स संचालित किये जा रहे हैं। स्किल कैरियर काउंसलिंग के माध्यम से करीब डेढ़ लाख विद्यार्थियों को कैरियर संबंधी सलाह दी गई।

शशांक मणि पांडे

(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

एंथनी अल्बनीज

21 साल में दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने वाले पहले नेता

ऑस्ट्रेलिया चुनाव में प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की लेबर पार्टी ने बड़ी जीत दर्ज की है। चुनाव आयोग के मुताबिक 150 सीटों में से लेबर पार्टी को 89 सीटों पर जबकि विपक्षी लिबरल-नेशनल गठबंधन को 36 सीटों पर जीत मिली है। बहुमत के लिए 76 सीटों की जरूरत होती है। इस जीत के साथ ही एंथनी अल्बनीज 21 साल में दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने वाले पहले नेता होंगे। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अल्बनीज को जीत के लिए बधाई दी और कहा कि दोनों देश द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के लिए काम करते रहेंगे। ज्ञात रहे कि ऑस्ट्रेलिया में हर तीन साल में चुनाव होते हैं। देश में 28 मार्च 2025 को संसद भंग कर दी गई थी।

लूनर लैंडर रेजिलियेंस

5 जून को चांद पर उतरेगा

जापान की निजी स्पेस कंपनी आई स्पेस द्वारा विकसित लूनर लैंडर रेजिलियेंस 5 जून 2025 को चांद की सतह पर उतरेगा। इसे 15 जनवरी 2025 को स्पेस एक्स के फाल्कन-9 रॉकेट से लॉन्च किया गया था। रेजिलियेंस मिशन में टेनेशियस नाम का माइक्रो रोवर और कई अंतर्राष्ट्रीय पेलोड शामिल हैं।

फुटबॉलर मेगन कैंपबेल

123 फीट लंबा थ्रो लगाकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया

आयरलैंड की फुटबॉल खिलाड़ी मेगन कैंपबेल ने सबसे लंबी दूरी तक फुटबॉल फेंकने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने ओवरहेड थ्रो से गेंद को 123 फीट 2 इंच दूर फेंका। यह दूरी एक बॉलिंग एली की लंबाई से लगभग दोगुनी और एक नीली व्हेल से 40 फीट ज्यादा है। इस रिकॉर्ड को पाने के लिए उन्हें कम से कम 114 फीट 9 इंच थ्रो करना था।

पूर्व जज जीनिन पिरो

वॉशिंगटन डीसी की शीर्ष संघीय अभियोजक नियुक्त

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि वह मशहूर टीवी होस्ट और पूर्व जज जीनिन पिरो को वॉशिंगटन डीसी में शीर्ष संघीय अभियोजक (यूएस अटॉर्नी) के पद पर नियुक्त कर रहे हैं। इससे पहले ट्रंप ने अपने पहले उम्मीदवार एड मार्टिन जूनियर का नामांकन वापस ले लिया था। जीनिन पिरो वर्ष 2006 से फॉक्स न्यूज से जुड़ी हुई हैं और फिलहाल चैनल के लोकप्रिय शो 'द फाइव' में सह-होस्ट के रूप में काम कर रही हैं। इससे पहले वे न्यूयॉर्क के वेस्टचेस्टर काउंटी में जज और फिर तीन बार काउंटी की डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी (डीए) के तौर पर चुनी जा चुकी हैं।

फ्रेडरिक मर्ज़

जर्मनी के चांसलर चुने गए

जर्मनी के रूढ़िवादी नेता फ्रेडरिक मर्ज़ को संसद के निचले सदन में दूसरे दौर के मतदान में बहुमत हासिल करने के बाद देश का नया चांसलर चुना गया है। इस बार 630 सांसदों में से कुल 325 ने मर्ज़ के पक्ष में मतदान किया, जिससे बहुमत के लिए जरूरी 316 मतों की संख्या प्राप्त हो गई। इसके पहले केवल 310 सदस्यों ने मर्ज़ के पक्ष में मतदान किया था, जिससे उनकी प्रतिष्ठा को बड़ा झटका लगा और युद्ध के बाद के जर्मन इतिहास में यह अभूतपूर्व विफलता थी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जर्मनी के चांसलर के रूप में पदभार ग्रहण करने पर फ्रेडरिक मर्ज़ को बधाई दी। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि वह भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं।

लॉरेंस वोंग

सिंगापुर के प्रधानमंत्री बने

सिंगापुर में हुए आम चुनाव में पीएपी की बड़ी जीत के बाद लॉरेंस वोंग प्रधानमंत्री चुन लिए गए हैं। प्रधानमंत्री के तौर पर वोंग ने ली हिसयन लूंग की जगह ली है, जो दो दशक तक देश के प्रधानमंत्री रहे हैं। वोंग राजनीति में आने से पहले सिविल सेवक और अर्थशास्त्री रहे हैं। 52 साल के वोंग को कोविड-19 महामारी के दौरान वित्त मंत्री के रूप में काफी सराहना मिली थी। सिंगापुर को कोविड के मुश्किल समय से निकालने में वोंग अहम चेहरा और हीरो थे। सिंगापुर चुनाव में जीत के हीरो बने लॉरेंस वोंग ने अमेरिका से अर्थशास्त्र की पढ़ाई की है। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन-मेडिसन और यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन से डिग्री हासिल की है। हार्वर्ड कैनेडी स्कूल से पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में भी उन्होंने मास्टर डिग्री ली है। वोंग ने वर्ष 2011 में राजनीति में कदम रखा था और 14 वर्षों में वह शीर्ष पर पहुंचे हैं।

मार्सेल सिओलाकू

रोमानिया के प्रधानमंत्री ने दिया इस्तीफा

रोमानियाई प्रधानमंत्री मार्सेल सिओलाकू ने सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (पीएसडी) के मुख्यालय में अपने इस्तीफे की घोषणा की। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब सत्तारूढ़ पीएसडी सत्तारूढ़ गठबंधन से हटने के निर्णय की पहले ही घोषणा कर चुका है। रोमानिया के राष्ट्रपति चुनाव के पहले दौर के पुनर्मतदान के बाद आए नतीजों का हवाला देते हुए सिओलाकू ने कहा कि शासक गठबंधन के दो उद्देश्यों में से एक प्राप्त नहीं हुआ, जिसका मतलब है कि शासक गठबंधन में वैधता का अभाव है। इसलिए जनता की राय को मानते हुए उन्होंने अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की है।

भुवन ऋभु

मेडल ऑफ ऑनर सम्मान मिला

वर्ल्ड ज्यूरिस्ट एसोसिएशन ने डोमिनिकन रिपब्लिक में आयोजित वर्ल्ड लॉ कांग्रेस में प्रख्यात बाल अधिकार कार्यकर्ता और अधिवक्ता भुवन ऋभु को प्रतिष्ठित 'मेडल ऑफ ऑनर' से सम्मानित किया। ऋभु यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मान पाने वाले पहले भारतीय अधिवक्ता हैं। दुनिया की सबसे पुरानी ज्यूरिस्ट एसोसिएशन के कानूनी हस्तक्षेपों और जमीनी लामबंदियों के जरिए बच्चों एवं उनके अधिकारों की सुरक्षा की दिशा में दो दशक से जारी संघर्षों और उपलब्धियों के लिए भुवन ऋभु को सम्मानित किया।

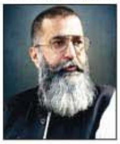

रूस का 80वां विजय दिवस

भारत-चीन समेत 27 देशों के नेता हुए शामिल

द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर रूस की जीत के उपलक्ष्य में मॉस्को के रेड स्क्वायर में 80वां विजय दिवस मनाया गया। इस मौके पर आयोजित सैन्य परेड में 11,000 से अधिक सैनिक शामिल हुए। चीन, मिस्र, मंगोलिया, म्यांमार और वियतनाम सहित 13 देशों की टुकड़ियों ने भी परेड में हिस्सा लिया। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ 27 देशों के नेता भी शामिल हुए। इसमें चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनके ब्राजीलियाई समकक्ष लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा भी शामिल हैं। भारत का प्रतिनिधित्व रक्षा राज्यमंत्री ने किया।

बैंकॉक में

डोरेमॉन की सबसे बड़ी प्रदर्शनी शुरू

थाईलैंड के बैंकॉक में पहली बार डोरेमॉन एंड फ्रेंड्स टूर नाम की प्रदर्शनी शुरू हुई है। यह दुनिया की सबसे बड़ी डोरेमॉन प्रदर्शनी मानी जा रही है, जो 22 जून तक आइकॉनसियम मॉल में चलेगी। प्रदर्शनी में डोरेमॉन और उसके दोस्तों की दुनिया को खास तरीके से दिखाया गया है। मॉल की छठवीं मंजिल पर बने एग्जीबिशन हॉल में कई थीम जोन हैं, जबकि ग्राउंड फ्लोर पर डोरेमॉन रिवर पार्क में डोरेमॉन के मॉडल लगाए गए हैं।

ईरान ने

नई बैलिस्टिक मिसाइल का किया अनावरण

परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका की धमकियों की पृष्ठभूमि में ईरान के रक्षा मंत्रालय ने देश की ठोस ईंधन वाली नई बैलिस्टिक मिसाइल का अनावरण किया। ईरान के रक्षा मंत्री जनरल अजीज नसीरजादेह के साक्षात्कार के दौरान सरकारी टीवी पर कासिम बशीर बैलिस्टिक मिसाइल की झलक दिखाई गई। नसीरजादेह ने कहा कि इसमें रक्षा की कई परतों को भेदने और एंटी बैलिस्टिक रक्षा प्रणालियों से आसानी से बच निकलने के लिए मार्गदर्शन एवं मिसाइल के मार्ग बदलने की क्षमता में सुधार किया गया है। मिसाइल का परीक्षण 17 अप्रैल को किया गया था। सरकारी टीवी ने बताया कि मिसाइल की मारक क्षमता 1200 किलोमीटर है। उन्होंने यह भी कहा कि मिसाइल 'जीपीएस' (ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम) मार्गदर्शन के बिना और सटीकता के साथ कई लक्ष्यों में से एक लक्ष्य को पहचानकर उस पर हमला कर सकती है।

जीन-लुसिएन सावी डी टोवे

टोगो के राष्ट्रपति बने

टोगो की संसद ने जीन-लुसिएन सावी डी टोवे को पश्चिम अफ्रीकी देश का नया राष्ट्रपति चुना। राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि वह फॉरे ग्नासिंगबे का स्थान लेंगे, जिन्होंने टोगो के मंत्रिपरिषद के अध्यक्ष के रूप में शपथ ली थी। मई 2024 में, टोगो का संवैधानिक संशोधन लागू हुआ, जिसने औपचारिक रूप से देश को अर्ध-राष्ट्रपति प्रणाली से संसदीय प्रणाली में बदल दिया। नए संविधान के तहत टोगो के राष्ट्रपति को संसद की ओर से चार वर्ष के कार्यकाल के लिए चुना जाता है। अप्रैल 2024 में टोगो की शासक पार्टी यूनियन फॉर द रिपब्लिक ने संसदीय चुनाव में 113 सीटों में से 108 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया।

एथेल कैटरहम

ब्रिटेन की सबसे उम्रदराज महिला बनीं

ब्राजील की नन टोमिको इनाह कैनाबारो लुकास का निधन हो गया, जो दुनिया की सबसे बुजुर्ग इंसान थीं। उनके दुनिया से विदा लेने के बाद यह खिताब ब्रिटेन की महिला एथेल कैटरहम के नाम कर दिया गया है। वह दुनिया की सबसे बुजुर्ग इंसान बन गई हैं। एथेल की उम्र 115 साल 252 दिन है।

अभय शर्मा

एचपीसीएल के डायरेक्टर नियुक्त

कैबिनेट अपॉइंटमेंट कमेटी ने सीए डॉ. अभय शर्मा को हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन का नॉन ऑफिशियल डायरेक्टर बनाया है। इनका कार्यकाल 3 साल का रहेगा। डॉ. शर्मा इंदौर सीए शाखा के पूर्व अध्यक्ष एवं टैक्स प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन के मानद सचिव भी रहे हैं।

कमला परसाद-बिसेसर

त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री होंगी

कमला परसाद-बिसेसर त्रिनिदाद और टोबैगो की अगली प्रधानमंत्री होंगी। उनकी पार्टी यूनाइटेड नेशनल कांग्रेस ने इस जुड़वां द्वीप वाले कैरेबियाई देश का संसदीय चुनाव जीत लिया है। यह जीत 73 वर्षीय परसाद-बिसेसर के लिए एक उल्लेखनीय वापसी है, जिन्होंने पहले 2010-2015 तक प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया था। वह कैरेबियाई देश का नेतृत्व करने वाली अब तक की एकमात्र महिला हैं। अपने विजय भाषण में, परसाद-बिसेसर ने चुनावी वादों को पूरा करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि यह जीत वरिष्ठ नागरिकों को उनकी पेंशन जारी रखने, लोक सेवकों को उनके उचित वेतन वृद्धि पाने, बच्चों के अस्पताल को फिर से खोलने और 50,000 से अधिक नौकरियों के सृजन के लिए है।

स्मृति शेष

अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता फुटबॉलर लुइस गैल्वन का निधन

अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर और वर्ष 1978 में विश्व कप जीतने वाली टीम के सदस्य लुइस गैल्वन का निधन हो गया है। 77 वर्ष की आयु में गैल्वन का 5 मई 2025 को अर्जेंटीना के कोर्डोबा शहर में निधन हुआ। प्रभावशाली खेल और क्लब एटलेटिको ताजेरेस के प्रति निष्ठा के लिए उन्हें अत्यधिक सम्मान मिला। उन्होंने 1978 की अर्जेंटीना की पहली खिताबी जीत में निर्णायक भूमिका निभाई, जो सैन्य तानाशाही के दौर में आयोजित हुआ था। लुइस गैल्वन के निधन पर साथी खिलाड़ियों, प्रशंसकों, क्लबों और फुटबॉल संगठनों ने गहरी संवेदना प्रकट की।

सॉफ्ट पावर सिद्धांतकार जोसेफ नाय का निधन

सैन्यबल की बजाय संस्कृति और मूल्यों से वैश्विक प्रभाव वाला सॉफ्ट पावर का विचार देने वाले अमेरिकी राजनीतिक चिंतक जोसेफ नाय का 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड, संभाग क्रमांक-02, भोपाल
Mob. No. : 9425601534, ई-मेल : bhopaldivision2@gmail.com
क्र.- मप्रपुआअविनि/407/पर्य/भोपाल-02/तशा/2025
भोपाल, दिनांक : 09.05.2025

प्रेस विज्ञप्ति

जिला-भोपाल में चयन एवं भर्ती शाखा कार्यालय की छत के वाटर प्रूफिंग एवं सीलिंग की मरम्मत कार्य तथा पुलिस रेडियो कालोनी के 60 शासकीय आवासीय परिसर स्थित भूतल के आवास क्रमांक RH-1, 2, 3, 4, 17, 18, 19, 20, 33, 34, 35, 36 कुल 12 ग्राउण्ड फ्लोर के आवासों में फ्लोरिंग की टूटी टाइल्स के बदली का कार्य एवं परिसर के H टाइप ब्लॉक A, B, C एवं G टाइप के 1, 2 ब्लॉक की छत का वाटर प्रूफिंग का कार्य तथा दूरसंचार मुख्यालय भोपाल में स्थित गेट क्रमांक-3 का पुनर्निर्माण में नई पाइप लाइन बिछाने का कार्य जिला-भोपाल हेतु निविदा क्रमांक-06/2025-26 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक - MPPHCL/TENDER No. - 2025_MPPHC_ 422527_1 AND No. - 2025_MPPHC_ 422532_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 26.05.2025 समय 5.00 बजे तक** ऑनलाइन से खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal : **https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/120058/2025 **परियोजना यंत्री**

R-50962/2025

MPMETRO

मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड

(भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन का संयुक्त उपक्रम)
द्वितीय तल, स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ऑफिस बिल्डिंग, कालीबाड़ी रोड, भेल, सेक्टर-ए, बरखेड़ा, भोपाल-462022

भर्ती के लिए विज्ञापन

मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (MPMRCL), भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश सरकार का संयुक्त उपक्रम, भोपाल मेट्रो रेल परियोजना और इंदौर मेट्रो रेल परियोजना को मध्यप्रदेश राज्य में क्रियान्वित कर रहा है।
तत्काल आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु MPMRCL द्वारा विभिन्न पदों के लिए आवेदन आमंत्रित हैं।

HR & ADMIN/DESIGN/CONTRACT MANAGEMENT & PROCUREMENT/UNDERGROUND/SOCIAL/O&M AND STORE/SECURITY/E&M AND TRACTION

यह विज्ञापन केवल सांकेतिक है। रिक्त पदों का विस्तृत विवरण एमपीएमआरसीएल की वेबसाइट **www.mpmetrorail.com** के कॅरियर विकल्प में उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए कृपया विज्ञापन क्र. 3690/HRD/MPMRCL-066/2025, दिनांक 15.05.2025 एवं विज्ञापन क्र. 3691/HRD/MPMRCL-066/2025, दिनांक 15.05.2025 देखें।
रिक्त पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15.06.2025 है।

म.प्र. माध्यम/120091/2025 **प्रबंध संचालक**

R-50965/2025

महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रशिक्षण केन्द्रों में प्रशिक्षण हेतु प्रवेश परीक्षा (ANMTST) 2025 (केवल लड़कियों के लिए) आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं

आवेदन पत्र भरने की तिथि 15.05.2025 से 29.05.2025 तक

ऑनलाइन परीक्षा पद्धति समय सारणी

आवेदन पत्र में संशोधन करने की तिथि 15.05.2025 से 03.06.2025 तक

संभावित परीक्षा दिनांक	परीक्षा की पाली	अभ्यर्थियों के लिए रिपोर्टिंग समय	उत्तर अंकित का समय
18 जून 2025 से प्रारंभ	प्रथम	प्रात: 08:30 से प्रात: 09:30 बजे तक	प्रात: 10:30 से प्रात: 12:30 बजे तक (02 घंटे)
	द्वितीय	दोपहर 01:00 से दोपहर 02:00 बजे तक	दोपहर 03:00 से दोपहर 05:00 बजे तक (02 घंटे)

आवेदन पत्र भरने की प्रकिया एवं महत्वपूर्ण निर्देश :-

1. परीक्षा के नियम, विभागवार रिक्त पदों की आरक्षण तालिकाएं एवं परीक्षा संचालन नियम से संबंधित विस्तृत नियमपुस्तिका मण्डल की वेबसाइट **www.esb.mp.gov.in** पर उपलब्ध रहेगी, जिसमें उल्लेखित समस्त नियमों/जानकारी का अध्ययन करके ही आवेदन पत्र भरा जावे।
2. वेबसाइट **www.esb.mponline.gov.in** के माध्यम से आवेदन पत्र भरा जा सकता है।
3. **संभावित परीक्षा शहर : भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, सतना, सागर, रीवा एवं रतलाम**
4. **प्रवेश परीक्षा शुल्क***

अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिए	रुपये 400/-
केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/ई.डब्ल्यू.एस. एवं दिव्यांगजन अभ्यर्थियों के लिए	रुपये 200/-
ऑनलाइन आवेदन- कियोस्क के माध्यम से ऑनलाइन भरने वाले अभ्यर्थियों हेतु एम.पी. ऑनलाइन का पोर्टल शुल्क	रुपये 60/-
अतिरिक्त रजिस्टर्ड सिटीजन यूजर के माध्यम से लॉगिन कर फार्म भरने पर पोर्टल शुल्क	रुपये 20/-

विशेष निर्देश :-

1. अभ्यर्थी का आधार पंजीयन अनिवार्य है।
2. मण्डल द्वारा आयोजित परीक्षाओं में मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के रूप में अभ्यर्थी मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड, ड्राईविंग लाईसेंस, आधार कार्ड, पासपोर्ट में से कोई एक को चयनित कर सकता है। यू.आई.डी.ए.आई. (UIDAI) के द्वारा सत्यपित (Veerify) होने पर ही ई-आधार मान्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के अभाव में परीक्षार्थी को परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित किया जाएगा।
3. अभ्यर्थी को नियम पुस्तिका में विनिश्चित मूल परिचय पत्र के अतिरिक्त अपना आधार कार्ड/ई-आधार कार्ड की छायाप्रति/आधार नंबर/आधार VID की जानकारी लाना अनिवार्य है।
4. परीक्षा में प्रवेश के समय एवं परीक्षा के दौरान बहुस्तरीय बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य है। अत: जिन अभ्यर्थियों का आधार नंबर लॉक हैं वह परीक्षा दिनांक को परीक्षा केंद्र पर उपस्थिति के पूर्व आधार अनलॉक करवाना सुनिश्चित करें।
5. परीक्षार्थियों को परीक्षा में रिपोर्टिंग समय तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी। इसके पश्चात विलम्ब से आने पर अभ्यर्थियों की प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
6. परीक्षा कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस यथा मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, लॉग टेबल्स, डिजीटल घड़ी, नकल पर्चा एवं Sun Glasses (धूप का चश्मा) आदि का उपयोग पूर्णत: वर्जित है।
7. ऑनलाइन आवेदन-पत्र क्रमांक के द्वारा ही ऑनलाइन परीक्षा हेतु अभ्यर्थी अपना प्रवेश-पत्र प्राप्त कर सकते हैं। अत: आवेदन-पत्र क्रमांक आवश्यक रूप से संभाल कर रखें, जिसकी समस्त जिम्मेदारी आवेदक की ही होगी।
8. परीक्षा केंद्र पर आवेदक को परीक्षा हॉल में प्रवेश हेतु मण्डल वेबसाइट से डाउनलोड किये गये प्रवेश-पत्र साथ लाना अनिवार्य है।
9. किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के पश्चात् परीक्षा समाप्ति तक परीक्षा कक्ष छोड़ने की अनुमति नहीं होगी।
10. आवेदन-पत्र भरते समय उम्मीदवारों के किसी भी प्रमाण पत्र का परीक्षण मण्डल द्वारा नहीं किया जाकर नियुक्ति प्रकिया के दौरान सम्बंधित विभाग द्वारा किया जाता है। अत: कंम्प्यूटर आधारित (Online) परीक्षा में उम्मीदवारों की पात्रता (Eligibility) पूर्णत: प्रावधिक (Provisional) होगी।

विशेष नोट : मण्डल अपनी सुविधानुसार परीक्षा तिथि/परीक्षा पाली/शहरों/केन्द्रों एवं अन्य बिन्दुओं में परिवर्तन कर सकता है।

संचालक

ESB

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल

'चयन भवन' मेन रोड नं.-1, चिनार पार्क (ईस्ट) भोपाल - 462011
Fax : +91-0755-2550498, Websit : www.esb.mp.gov.in

विज्ञापन क्र. 56/2025 म.प्र. माध्यम/120099/2025

R-50966/2025

MPIDC

MADHYA PRADESH INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED

(Government of M.P. Undertaking)
SECRETARIAT FOR SINGLE WINDOW SYSTEM
21, Arera Hills, Bhopal-462011, M.P. (India), CIN : U51102MP1977SGC001392
Tel. : (91) 755-2571830, 2575618, 3523555, 3523505
E-mail : helpdesk@mpidc.co.in, Website : www.invest.mp.gov.in

N.I.T. No. MPIDC/Tech-RFP/2025/210 Date : 05.05.2025

NOTICE INVITING TENDER

Madhya Pradesh Industrial Development Corporation Ltd. (MPIDC Ltd.) invites offers from interested consultants with proven capabilities and demonstrated performance to express their interest to participate in the competitive bidding for **"Engagement of Technical Consultant/Consultancy Firm for the Establishment of a Calibration Wind Tunnel facility" at Mohasa-Babai Industrial Area, Narmadapuram District, Madhya Pradesh"**.
The Tender documents can be downloaded from the e-procurement Portal- **https://mptenders.gov.in** - MPIDC HO.

M.P. Madhyam/120102/2025 **CHIEF ENGINEER**

R-50967/2025

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, ए-2/2, एम.आय.जी. महानंदा नगर, उज्जैन (म.प्र.)
E-mail : mpphcl_ujjain@yahoo.in, मोबा. : 9406808103
क्र. 733/पर्य/मप्रपुआअविनि/25/उज्जैन दिनांक : 15.05.2025

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 05/2025-26 (द्वितीय आमंत्रण)

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, संभाग उज्जैन के अंतर्गत **निविदा क्रमांक-05/2025-26 दिनांक 15.05.2025** के अंतर्गत निर्माण कार्य पुलिस कंट्रोल रूम नृसिंह घाट, उज्जैन हेतु ऑनलाइन निविदा आईडी क्र. 2025_MPPHC_423733 आमंत्रित की गई है।
निविदा प्रपत्र ऑनलाइन **दिनांक 30.05.2025 17.00 बजे तक** प्रस्तुत किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal: https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/120107/2025 **परियोजना यंत्री**

R-50969/2025

एमएसएमई टेक्नोलॉजी सेन्टर, इंदौर

(इण्डो-जर्मन टूल रूम, इन्दौर)
291-बी, 302-ए, सेक्टर-ई, इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इन्दौर (म.प्र.)-452015
ई-मेल: trg@igtr-indore.com, Ph.: 0731-4210700, 4210709, 4210743

igtr

एससी एवं एसटी के उम्मीदवारों के लिए ट्यूशन फीस निःशुल्क

एससी एवं एसटी के उम्मीदवारों के लिए आयु में 3 वर्ष की छूट

प्रवेश सूचना-2025-26

ए.आई.सी.टी.ई./एन.सी.व्ही.टी. स्वीकृत डिप्लोमा/आई.टी.आई पाठ्यक्रम

इंजीनियरिंग क्षेत्र में कॅरियर बनाने का सुनहरा अवसर

सभी कोर्सेस में SC/ST छात्रों को ट्यूशन फीस निःशुल्क एवं उम्र में 3 साल की छूट

इंडो जर्मन टूल रूम, इन्दौर में निम्न प्रकार के कोर्सेस संचालित किये जा रहे है, सभी कोर्सेस AICTE अथवा NCVT से मान्यता प्राप्त है। इन सभी कोर्स की उद्योगों में बहुत मांग है तथा रोजगार की संभावना भी अत्यधिक है ।

	क्र.	कोर्स का नाम	कोर्स की अवधि	न्यूनतम पात्रता	कोर्स की मान्यता	शिक्षण शुल्क 1 वर्ष= 2 छमाही
GROUP "A"	1	एडवांस डिप्लोमा इन टूल एण्ड डाई मेकिंग (ADTDM)	4 साल	गणित एवं विज्ञान विषय सहित 10वी उत्तीर्ण (सामान्य 60%) (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग 50%) दिनांक 01/08/2025 को आयु सीमा15 से 19 वर्ष	AICTE	₹23000/- प्रति छमाही
	2	डिप्लोमा इन मेकाट्रानिक्स (DIM)	3 साल			
	3	डिप्लोमा इन कम्प्यूटर साइंस (DICS)	3 साल			
GROUP "B"	4	डिप्लोमा इन वोकेशन प्रोडक्शन टेक्नोलॉजी (D Voc)	3 साल	10वी उत्तीर्ण दिनांक 01/08/2025 को आयु सीमा 15 से 23 वर्ष		₹20000/- प्रति छमाही
	5	सर्टिफिकेट कोर्स इन मशीनिस्ट ट्रेड	2 साल	गणित एवं विज्ञान विषय सहित 10वी उत्तीर्ण दिनांक 01/08/2025 को आयु सीमा 15 से 23 वर्ष	NCVT (ITI)	₹13000/- प्रति छमाही
	6	सर्टिफिकेट कोर्स इन फिटर ट्रेड	2 साल			
	7	सर्टिफिकेट कोर्स इन वेल्डर ट्रेड	1 साल			

- क्रमांक 1 से क्रमांक 3 (ग्रुप-ए) के लिए आवेदन फॉर्म **28.04.2025** से कॉलेज में आकर या हमारी वेबसाइट **www.igtr-indore.com** पर आप आवेदन कर सकते हैं।
- क्रमांक 1 से क्रमांक 3 (ग्रुप-ए) के लिए प्रवेश परीक्षा दिनांक **22.06.2025** को होगी एवं प्रवेश 10वीं मेरिट एवं प्रवेश परीक्षा के मूल्यांकन के आधार पर **23.06.2025** से शुरू होंगे।
- क्रमांक 4 से कमांक 7 (ग्रुप-बी) के लिए प्रवेश कॉलेज लेवल काउंसलिंग आधार पर **28.04.2025** से शुरू होंगे।
- क्रमांक 5 से क्रमांक 7 के कोर्सेस में प्रवेश के लिए मूल निवासी प्रमाण पत्र अनिवार्य है।
- अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट **www.igtr-indore.com** देखे एवं कॉलेज में आकर जानकारी प्राप्त करें। कोर्स के फॉर्म वेबसाइट पर उपलब्ध है।
- प्रशासन एवं परिस्थिति के अनुसार किसी भी दिनांक में परिवर्तन किया जा सकता है।

सम्पर्क : सोमवार से शनिवार सुबह 9.30 से शाम 5:00 बजे तक

291/बी-302/ए, सेक्टर-ई, इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इन्दौर- 452015

मोबाइल नं.: 79995 19793, 99811 14092, 95897 31038, 79870 03320

deepak

R-50960/2025

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Bhopal (M.P.)

NOTICE INVITING TENDER No. 344/MTN/2025 (BW)

No./6142/22/D-12/NIT-Maint./2025 **Bhopal, Dated : 15.05.2025**
Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below :

Name of work : Repair/Maintenance of Rural Roads.

- **Table-1 : Name of Work** - Within 05 Year Maintenance (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Burhanpur	1	1876000.00

- **Table-2 : Name of Work** - Post 5 Year Maintenance (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Narmadapuram	1	5989000.00
2	Bhopal	3	24923000.00
3	Ujjain	2	7477000.00

- **Table-3 : Name of Work** - Post 10 Year Maintenance (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Bhopal	1	2369000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **20.05.2025 from 17:30 hrs.** and last date for online bid submission is **06.06.2025 (17:00 hrs.).**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)
M.P. Madhyam/120105/2025

"मेरी सड़क" ऐप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-50968/2025

होटल प्रबंध खान-पान तकनीकी एवं पोषण आहार संस्थान

एयरपोर्ट रोड, महाराजपुरा, ग्वालियर-474005 (म.प्र.)

Institute of Hotel Management, Catering Technology & Applied Nutrition
Airport Road, Maharajpura, Gwalior (M.P.) - 474 005
(An Autonomous Body under Ministry of Tourism, Govt. of India)
Mobile No. : 7976753308 **Email : ihmgwl@gmail.com**

Admission Notice - 2025 - B.Sc. in H&HA Degree for Residual Seats

IHM, Gwalior invites applications for admission On behalf of National Council for Hotel Management and Catering Technology, Noida, IHM, Gwalior calls for applications from the eligible candidates to get admission in the 1st year of 3-year B.Sc.-HHA (Hospitality & Hotel Administration) program with the following eligibility criteria against the **residual vacancies** at IHM, Gwalior which is an affiliated of NCHMCT.

1. Candidates must have passed 12th Exam from a recognized board, in any stream (Science/Arts/Commerce/vocational).
2. English should be one of the subjects in 12th level and student should have passed in the subject (English).
3. No Age bar.
4. The program is recognized by **Jawaharlal Nehru University** which awards the final degree.
5. Reservation as per government rules

Interested candidate must apply to the institute by attaching self-attested copies of testimonials as soon as posible in person or sent by post or by-email at ihmgwl@gmail.com The Admission form Online Residual form and other details are available on the website **www.ihmgwalior.org.** Contact person Mr. Anuj/Mr. Feroz/Mr. Abhinav, Mobile Number 7976753308/9806538950/8085618215. Admission will be offered on the basis of a Online test to be conducted by NCHMCT .

Admission Helpline Number :
7976753308/9806538950/8085618215

Principal

ATUL

R-50961/2025

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल

(मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग)
"चयन भवन", चिनार पार्क (ईस्ट), मेन रोड नं. 1, भोपाल-462011

समूह-1 उप समूह-3 संयुक्त भर्ती परीक्षा-2024 की स्थगित प्रथम पॉली की पुन: परीक्षा के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना

म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल द्वारा दिनांक 15.05.2025 को आयोजित **"समूह-1 उप समूह-3 संयुक्त भर्ती परीक्षा-2024"** की प्रथम पॉली में तकनीकी समस्या होने के कारण प्रथम पॉली की परीक्षा को स्थगित किया गया था। उक्त परीक्षा प्रदेश के 11 परीक्षा शहरों में 42 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जानी थी, जिसकी प्रथम पॉली में 10704 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। उक्त प्रथम पॉली/शिफ्ट के समस्त 10704 अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि परीक्षा की स्थगित प्रथम पाली की पुन: परीक्षा **दिनांक 23.05.2025 को** आयोजित की जायेगी। अभ्यर्थी अपना प्रवेश पत्र मण्डल की अधिकृत वेबसाइट **www.esb.mp.gov.in** से डाउनलोड कर सकते हैं।

विज्ञापन क्रमांक - 58/2025
म.प्र. माध्यम/120158/2025 R-50979/2025 **संचालक**

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, ए-2/2, एम.आय.जी., महानंदा नगर, उज्जैन (म.प्र.), Email : mpphcl_ujjain@yahoo.in
मोबाइल : 9406808103
क्र. 721/पयं/मप्रपुआअविनि/25/उज्जैन **दिनांक : 14.05.2025**

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 04/2025-26 (द्वितीय आमंत्रण)

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, संभाग उज्जैन के अंतर्गत **निविदा क्रमांक-04/2025-26 दिनांक 14.05.2025** के अंतर्गत निर्माण कार्य 16 जी.ओ. आवास गृह, पुलिस लाइन, देवास हेतु ऑनलाइन निविदा आईडी क्र. 2025_MPPHC_423287 आमंत्रित की गई है।

निविदा प्रपत्र ऑनलाइन दिनांक 27.05.2025 17.00 बजे तक प्रस्तुत किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal: **https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/120090/2025 **परियोजना यंत्री**

R-50964/2025

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 345/MTN/2025

No./6173/22/D-12/NIT-Maint./2025 **Bhopal, Dated : 16.05.2025**
Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below :

- **SSR Applicable :-** SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority effective from 01.01.2024 and amendments upto issue date of NIT.
- **Table No. 1 :- Name of Work** - REPAIR/MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIVE YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 5 YEAR)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Ashoknagar	2	8379827.00
2.	Bhind	1	758011.00
3.	Chhindwara	1	53332000.00
4.	Dhar	1	2075976.00
5.	Mandsaur	1	4220389.00
6.	Narmadapuram	1	4521233.00
7.	Sheopur	3	33665402.00

- **Table No. 2 :- Name of Work** – REPAIR/MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIVE YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 10 YEAR)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Bhopal	1	3520809.00
2.	Jabalpur	1	953297.00
3.	Narsinghpur	1	7311034.00
4.	Sheopur	1	22070569.00

- **Table No. 3 :- Name of Work** – REPAIR/MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIVE YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 15 YEAR)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Narsinghpur	1	13885093.00
2.	Raisen	1	3913044.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **20.05.2025 from 17:30 hrs.** and last date for online bid submission is **06.06.2025 (17:00 hrs.).**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)
M.P. Madhyam/120122/2025

"मेरी सड़क" ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-50975/2025

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड, संभाग क्रमांक-02, भोपाल
Mob. No. : 9425601534, ई-मेल : bhopaldivision2@gmail.com
क्र.- मप्रपुआअविनि/408/पयं/भोपाल-02/तशा/2025
भोपाल, दिनांक : 09.05.2025

प्रेस विज्ञप्ति

शासकीय हाईस्कूल भानपुर, भाटखेडा, खजूरीगोकुल, जामोन्या में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य, तहसील-खिलचीपुर, जिला-राजगढ़ (म.प्र.) के निर्माण कार्य हेतु निविदा क्रमांक - 07/2025-26 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक - MPPHCL/TENDER No. - 2025_MPPHC_422541_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 30.05.2025 समय 5.00 बजे तक** ऑनलाइन से खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal : **https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/120059/2025 **परियोजना यंत्री**

R-50963/2025

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-1 भदभदा रोड, भोपाल
क्र./666/तशा/प.यं./2025 **दिनांक : 13.05.2025**

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा सुन्दरसी, पौचानेर, शाजापुर जिला शाजापुर, अम्बाह, गोठ जिला मुरैना, भानपुरा, गरोठ जिला मंदसौर एवं महाराजवाडा, खाचरोद जिला उज्जैन स्कूल में फर्नीचर/ईव्हीए प्रदाय एवं स्थापित करने का कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा क्रमांक 2025_MPPHC_423013_1 **दिनांक 22.05.2025 समय अपरान्ह 17:00 बजे तक** खरीदी जा सकती है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा क्रमांक GEM/2025/B/6231586 दिनांक 26.05.2025 समय अपरान्ह 19:00 बजे एवं GEM/2025/B/6230550 दिनांक 26.05.2025 समय अपरान्ह 17:00 बजे तक खरीदी जा सकती है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.gem.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/120108/2025 **परियोजना यंत्री**

R-50970/2025

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 1227-SHO

No./6195/22/D-12/MPRRDA/2025 **Bhopal, Dated : 16.05.2025**
Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.mptenders.gov.in** as detailed below :

- **Name of Work : SHO (MPRRDA SSR : 05.11.2019)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1	Guna	1	50423000.00

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website from **21.05.2025 from 17:30 hrs.** and last date for online bid submission is **13.06.2025 (17:00 hrs.)**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document for construction & maintenance of rural roads/Bridges Sept. 2017 on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)
M.P. Madhyam/120135/2025

"मेरी सड़क" ऐप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-50976/2025

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-1, भदभदा रोड, भोपाल
क्र./666, 686/तशा/प.यं./2025 **दिनांक : 15.05.2025**

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा जिला भोपाल एवं अशोकनगर में निर्माण कार्य एवं विभिन्न मरम्मत कार्यों हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा क्रमांक 2025_MPPHC_423910_1, 2025_MPPHC_423911_1, 2025_MPPHC_423912_1 2025_MPPHC_423914_1, 2025_MPPHC_423916_1 2025_MPPHC_424217_1, 2025_MPPHC_424235_1 दिनांक **29.05.2025 समय अपरान्ह 17:00 बजे तक** खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/120154/2025 **परियोजना यंत्री**

R-50978/2025

संस्थान की उत्कृष्टता के लिए करें प्रभावी क्रियान्वयन - उच्च शिक्षा मंत्री

भोपाल, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार की अध्यक्षता में मंत्रालय स्थित सभाकक्ष में, उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान भोपाल की सामान्य परिषद की बैठक हुई। मंत्री श्री परमार ने संस्थान के समग्र विकास एवं उत्तरोत्तर उत्थान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में संस्थान के वर्ष 2025-26 के वार्षिक बजट का अनुमोदन किया गया, 11 करोड़ 51 लाख 86 हजार रुपये स्वीकृत किए गए। इसके साथ ही संस्थान के विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा कर्मचारियों के हितों से जुड़े विभिन्न बिंदुवार विषयों पर स्वीकृति प्रदान की गई। संस्थान में आगामी सत्र से तमिल, संस्कृत, मराठी, जर्मन, फ्रेंच तथा जापानी भाषा के प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जाने का निर्णय लिया गया। आगामी सत्र से एमबीए, एमएससी कम्प्यूटर साइंस, एमएससी फॉरेंसिक साइंस तथा एमए भूगोल प्रारंभ किए जाने की अनुमति प्रदान की गई। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने संस्थान के अशैक्षणिक तथा रखरखाव संबंधित कार्यों के लिए अशैक्षणिक स्टॉफ का प्रबंधन करने के निर्देश दिए ताकि उन कार्यों का अतिरिक्त भार शिक्षकों पर नहीं आ सके। मंत्री श्री परमार ने संस्थान को डीम्ड यूनिवर्सिटी के रूप में विकसित करने के लिए आवश्यक समस्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। संस्थान के NIRF में 201 से 300 के बैंड में आने पर संस्थान की सराहना की गई, साथ ही इसमें और बेहतर प्रदर्शन करने को कहा। मंत्री श्री परमार ने संस्थान को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, उच्च स्थान प्राप्त करने हेतु व्यापक दृष्टिकोण के साथ, समग्र प्रयास किए जाने के भी निर्देश दिए।

22 मई | विश्व जैव विविधता दिवस

जैव विविधता को बचाएं और बढ़ाएं

हम और हमारे आसपास प्राकृतिक वातावरण में जो कुछ भी दृश्य-अदृश्य-जीवंत है, वह सब जैव विविधता का प्रतीक है। इस पृथ्वी पर प्रकृति में जो रचे-बसे हैं , वे सब जैव विविधता का हिस्सा हैं।

जल-जंगल, जीव-जंतु, नदी-पहाड़, समुद्र-दलदल, रेगिस्तान-हरियाली, पेड़-पौधे, फूल-फल, जड़ी-बूटी-घास, पशु-पक्षी और मनुष्य।

यह सब कुछ जैव विविधता का हिस्सा हैं।

जैव विविधता बहुत व्यापक और जीवंत विषय है। इसके अंतर्गत पृथ्वी पर मौजूद विभिन्न प्रजातियों की संख्या, उनकी विविधता, एक ही प्रजाति के अंदर जीन की अनुवांशिकी विविधता, पारिस्थितिकी तंत्र की विविधता आती है। इसमें वन, घास के मैदान, समुद्री स्थिति के तंत्र भी शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 1992 में आयोजित पृथ्वी शिखर सम्मेलन के दौरान जैव विविधता के बारे में बताया गया कि सभी स्रोतों से जीवित जीवन के बीच परिवर्तनशीलता को ही जैव विविधता कहते हैं। इस परिवर्तनशीलता में स्थलीय, समुद्री एवं अन्य जलीय पारिस्थितिकी तंत्र और पारिस्थितिक परिवर्तन शामिल हैं। जैव विविधता में प्रजातियों के भीतर, प्रजातियों के बीच, पारिस्थितिकी तंत्र की विविधता आती है। संयुक्त राष्ट्र अन्य देशों में राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर जैव विविधता संरक्षण के लिए लगातार काम कर रहा है। भारत में भी जैव विविधता के संरक्षण और संवर्धन के लिए शासकीय स्तर पर, अशासकीय स्तर पर, सामाजिक और समुदाय के स्तर पर विशेष कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किये जा रहे हैं। जैव विविधता के संरक्षण के लिए केंद्र सरकार के पर्यावरण मंत्रालय, जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, वन मंत्रालय सहित अन्य विभाग समन्वय के साथ विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जैव विविधता संरक्षण संबंधी विशेष योजनाओं का संचालन कर रहे हैं। जैव विविधता का प्रकृति, पर्यावरण, जीव जंतुओं, मनुष्यों सहित अन्य जीवंत इकाइयों से गहरा संबंध है।

औषधीय संसाधनों का स्रोत है जैव विविधता

जैव विविधता पारिस्थितिकी तंत्र की सेवाएं प्रदान करती है। जैसे वायु और जल का शुद्धिकरण करना, मिट्टी का निर्माण करना, जलवायु का प्रबंधन करना। जैव विविधता खाद्य सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है क्योंकि यह फसलों, पशुओं को भी प्रजातियों संबंधी विविधता प्रदान करती है। जैव विविधता औषधीय संसाधनों का स्रोत है, जैसे कि पौधे और पशु जिनका प्रकृति में अपना महत्व है। जैव विविधता के संदर्भ में भारत देश को बहुत समृद्ध माना जाता है। भारत के विभिन्न इलाकों में भौगोलिक विविधता और जलवायु की विभिन्नता के कारण जैव विविधता के विविध रूप देखने को मिलते हैं।

राष्ट्रीय उद्यान और वन्य जीव अभयारण्य

भारत में विभिन्न प्रकार के पारिस्थितिकी तंत्र पाए जाते हैं। इनमें वन, घास के मैदान, रेगिस्तान, समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र भी शामिल हैं।

भारत में लगभग 18 हजार विभिन्न प्रकार के पौधों की प्रजातियां पाई जाती हैं। हमारे देश में लगभग 90 हजार विभिन्न प्रकार के जीव जंतुओं की प्रजातियां पाई जाती हैं। हमारे देश में जो वन क्षेत्र, घास के मैदान, दलदल, मरुस्थल, समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र, नदी, पहाड़ हैं। इन सबका भी जैव विविधता को बनाए रखने में बड़ा महत्व है। भारत में पश्चिमी घाट पर एक विस्तृत पर्वत श्रृंखला है। इसी प्रकार हिमालय पर्वत की श्रृंखला, सुंदरबन क्षेत्र की मैंग्रोव वन वाली श्रृंखला, जैव विविधता के विशिष्ट उदाहरण हैं। इसके साथ ही हमारे देश में जितने भी राष्ट्रीय उद्यान और वन्य जीव अभयारण्य हैं, वह भी जैव विविधता के प्रतीक हैं।

मध्यप्रदेश में हैं प्राकृतिक संसाधन

भारत में जैव विविधता अधिनियम वर्ष 2002 पारित किया गया है जो कि जैव विविधता के संरक्षण और स्थाई उपयोग के लिए नियमन प्रदान करता है।

यह अधिनियम जैव विविधता के संरक्षण एवं उसके अवयवों के पोषण उपयोग, जैव संसाधनों और ज्ञान के उपयोग से अर्जित लाभ में उचित एवं संपूर्ण हिस्सा बढ़ाने, उससे संबंधित या उसके अनुषांगिक विषयों का अपबंधन करने संबंधित है। इस नियम के अंतर्गत जैव विविधता के संरक्षण और संवर्धन के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि जैव विविधता के संदर्भ में प्रकृति ने भारत के हृदय स्थल मध्यप्रदेश पर अपना भरपूर प्यार लुटाया है। मध्यप्रदेश में प्राकृतिक संसाधनों की बहुलता है। वन एवं वन्य प्राणियों की विविधता है। यहां वन और नदियों की उपस्थिति के बीच संबंध हैं जिससे जैव विविधता का संरक्षण होता है। वनों की गोद से निकलती सोन, नर्मदा, ताप्ती, चंबल, के साथ ही केन बेतवा, माही, पाहुज, शिप्रा, कालीसिंध, पार्वती, नेवज, जैसी नदियां जनजीवन और जैव विविधता को बेहतर बनाती हैं।

महत्वपूर्ण हैं जलग्रहण क्षेत्र

मध्यप्रदेश में विभिन्न पर्वतों की श्रृंखलाएं और उनके जलग्रहण क्षेत्र जैव विविधता के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हैं। यहां उष्णकटिबंधीय शुष्क पतझड़ वाले सागौन मिश्रित साल के वन हैं।

मण्डला - डिंडोरी - सिवनी - बालाघाट आदि जिलों में साल के वन हैं तो चंबल क्षेत्र के ग्वालियर, शिवपुरी, भिण्ड तथा दतिया में छोटे झाड़ीदार वन हैं। मध्यप्रदेश के बैतूल-हरदा सहित कुछ अन्य जिलों में बहुमूल्य सागौन वृक्ष के वन हैं।

वनों का हो वैज्ञानिक प्रबंधन

इन वनों से लकड़ी के अलावा बांस और प्रचुर मात्रा में विभिन्न प्रकार की लघु वनोपज एवं औषधि प्रजातियां मिलती हैं। यह सब जैव विविधता में ही शामिल है। प्रसंगवश बताते चलें कि मध्यप्रदेश में वन विभाग की स्थापना वर्ष 1860 में हुई और तभी से वनों का वैज्ञानिक प्रबंधन प्रारंभ हो गया। संभवत: मध्यप्रदेश भारत का ऐसा राज्य है जहां भारत की प्रथम वन नीति अनुसार वर्ष 1994 से ही वर्किंग प्लान बनाने का कार्य किया गया। वनों के वैज्ञानिक प्रबंधन की परंपरा भारत सरकार के वर्तमान उद्देश्यों और नीति निर्देशक के अनुरूप जैव विविधता का संरक्षण और संवर्धन कर रही है।

भारत सरकार द्वारा अधिसूचित जैव विविधता अधिनियम वर्ष 2002 की धारा 63 (1) के अनुसार मध्यप्रदेश जैव विविधता अधिनियम 2004 दिनांक 17 दिसम्बर 2004 को अधिसूचित किया गया।

इसके अंतर्गत 11 अप्रैल 2005 में मध्यप्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड का गठन किया गया।

इसका उद्देश्य मध्यप्रदेश में जैव विविधता का संरक्षण करना, जैव विविधता के संगठनों का संवहनीय, पोषणीय उपयोग तथा जीव संसाधनों के ज्ञान के वाणिज्यिक उपयोग से अर्जित लाभ का उचित और साम्य पूर्वक वितरण करना है।

जैव विविधता के पहलुओं पर शोध

मध्यप्रदेश में जैव विविधता का संरक्षण करने के लिए विभिन्न पहलुओं पर शोध, दस्तावेजीकरण परियोजनाएं, महाविद्यालयों एवं अशासकीय संस्थाओं के सहयोग से संचालित की जा रही है। वर्ष 2024-25 में कुल 24 परियोजनाएं संचालित की गईं जिनके माध्यम से जैव विविधता के बारे में जागरूकता अभियान भी चलाए गए हैं। जैव विविधता के संरक्षण एवं संरक्षण के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन, मध्यप्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, स्कूल शिक्षा विभाग एवं अन्य सहयोगी विभागों के माध्यम से प्रतिवर्ष विद्यालय छात्र-छात्राओं के लिए मोगली बाल उत्सव का आयोजन किया जाता है। मध्यप्रदेश में राज्यस्तरीय मोगली उत्सव वर्ष 2024 का आयोजन पेंच टाइगर रिजर्व जिला सिवनी में दिनांक 11 से 13 नवंबर 2024 तक किया गया।

प्रदेश के सभी 52 जिलों के चयनित 242 विद्यार्थियों एवं 108 शिक्षकों ने मोगली बाल उत्सव में भाग लिया। मध्यप्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा नेचर ट्रेल, ट्रेजर हंट, हैबिटेट सर्च, स्पार्क सफारी, जैव विविधता प्रदर्शनी, चलित जैव विविधता विज्ञान प्रदर्शनी संबंधी अनेक कार्यक्रम संचालित किया जा रहे हैं।

इनके माध्यम से जैव विविधता के संरक्षण और संवर्धन हेतु जागरूकता बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है।

- अमिताभ पाण्डेय
(लेखक, पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

योजना

भारत की अर्थव्यवस्था में मसाला उद्योग का है बड़ा योगदान

भारत के मसाले हमारी विरासत की देन है। इनका औषधीय महत्व है और यह भोजन के स्वाद को कई गुना बढ़ाते हैं। स्वास्थ्य लाभ के लिए मसाले एक प्राकृतिक उपचार है। इसीलिए यह विश्वभर में लोकप्रिय है। यह लोकप्रियता कोविड के बाद गई गुना बढ़ गई है। सारी दुनिया हल्दी, अदरक, लहसुन आदि का उपयोग प्रतिरक्षा बढ़ाने के लिए कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय संगठन मानकीकरण (आईएसओ) द्वारा मान्यता प्राप्त 109 मसालों में से भारत में 60 से अधिक किस्मों की खेती की जा रही है। इसीलिए भारत को मसालों की भूमि माना जाता है।

हमारा देश, विश्व में मसालों का सबसे बड़ा उत्पादक, उपभोक्ता और निर्यातक है। मसाला क्षेत्र भारत के कुल कृषि निर्यात में लगभग 9 प्रतिशत और बागवानी निर्यात में 40 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है। 200 से अधिक देशों में फैले मसाला बाजार में भारत 225 से अधिक मसाला उत्पादों का निर्यात करता है। अपने औषधीय गुणों के लिए ऐतिहासिक रूप से मूल्यवान, मसाले विश्व बाजारों का केन्द्र हैं।

मसाला उद्योग में सरकार का सहयोग

भारत में मसाला उत्पादन और संभावनाओं को देखते हुए भारतीय मसाला बोर्ड की स्थापना की गई है। इस बोर्ड की मसाला उत्पादन और मसाला उत्पादों को निर्यात करने में महत्वपूर्ण भूमिका है। विशेषकर यह छोटी और बड़ी इलायची के उत्पादन, प्रसंस्करण, घरेलू विकास और निर्यात को बढ़ावा देता है। इसका मुख्य उद्देश्य है मसालों और मसाला उत्पादों का वैश्विक बाजार में नेतृत्व बढ़ाना। वैश्विक मसाला बाजार के औद्योगिक और खुदरा क्षेत्रों के लिए मसाला उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय प्रसंस्करण केन्द्र और प्रमुख आपूर्तिकर्ता बनाना।

मसालों का निर्यात विकास और संवर्धन

भारतीय मसाला बोर्ड द्वारा शुरू की गई स्पाइस्ड योजना का उद्देश्य मसालों के निर्यात को बढ़ाना, इलायची की उत्पादकता में सुधार करना और मसालों की कटाई के बाद की गुणवत्ता को बढ़ाना है। इस योजना के प्रमुख घटकों में मसालों में मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देना, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), लघु और मध्यम उद्यमों, (एसएमई) एससी, एसटी समुदायों को समर्थन देना और मिशन मूल्य संवर्धन , मिशन स्वच्छ और सुरक्षित मसाले जैसे कार्यक्रम शुरू करना तथा जीआई-टैग वाले मसालों को बढ़ावा देना शामिल है। यह योजना किसान समूहों को सशक्त बनाने, इलायची की खेती की उत्पादकता में सुधार लाने और कटाई के बाद के तौर-तरीकों को बेहतर बनाने पर केंद्रित है। यह तकनीकी सहायता, बाजार विकास और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए मसाला इनक्यूबेशन केंद्रों के लिए वित्त पोषण प्रदान करके वैश्विक मसाला बाजार में भारत के प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूती प्रदान करता है।

मसाला पार्क के लिए बुनियादी ढांचे की स्थापना और रखरखाव

मसाला बोर्ड ने मसाला प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और निर्यात अवसरों को बढ़ाने के लिए पूरे भारत में आठ फसल-विशिष्ट मसाला पार्क स्थापित किए हैं। ये पार्क स्थानीय किसानों, व्यापारियों, निर्यातकों और अन्य हितधारकों को लाभ पहुंचाने के लिए मसालों की सफाई, छंटाई, ग्रेडिंग, पीसने, तेल निकालने और पैकेजिंग के लिए सामान्य सुविधाएं प्रदान करते हैं। इन पार्क में छिंदवाड़ा, गुना, गुंटूर, जोधपुर, रामगंजमंडी, पुट्टडी, रायबरेली, शिवगंगा शामिल है। इसमें छिंदवाड़ा में लहसुन और मिर्च, गुना में धनिया, गुंटूर में मिर्च, जोधपुर में जीरा, रामगंजमंडी में धनिया, पुट्टडी में इलायची और काली मिर्च, रायबरेली में पुदीना और शिवगंगा में मिर्च तथा हल्दी आदि मसालों पर कार्य किया जा रहा है।

ये पार्क निर्यातकों, व्यापारियों और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को अपनी प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करने के लिए जमीन भी प्रदान करते हैं। इन पार्कों की स्थापना का उद्देश्य महत्वपूर्ण रोज़गार के अवसर पैदा करना और मसाला उद्योग के विकास को गति देना है, जिससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह के रोज़गार को बढ़ावा मिलेगा और देश की मसाला निर्यात क्षमता बढ़ेगी।

भारत की मसाला निर्यात में स्थिति

भारत मसालों और मसाला वस्तुओं का सबसे बड़ा निर्यातक है। भारत वित्त वर्ष 2024-25 में 4.45 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंचने के साथ अग्रणी निर्यातक बना। वर्ष 2013-14 और 2024-25 के बीच, मसाला निर्यात की मात्रा में 88 प्रतिशत और मूल्य (अमरीकी डॉलर) में 97 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह वृद्धि वैश्विक मसाला बाजार में भारत की स्थिति को स्थापित करती है। कुल निर्यात में 23.53 प्रतिशत के साथ गुजरात सबसे आगे रहा, उसके बाद केरल और आंध्र प्रदेश का स्थान रहा।

मसाला निर्यात के प्रमुख स्थान

भारत ने दिसंबर 2024 तक दुनियाभर में 200 स्थानों को मसाले और मसाला उत्पाद निर्यात किए हैं। प्रमुख 10 देशों-चीन, अमरीका, यूएई, बांग्लादेश, थाईलैंड, मलेशिया, यूके, सऊदी अरब, इंडोनेशिया और जर्मनी से सामूहिक रूप से फरवरी 2025 तक कुल निर्यात आय का 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा शामिल है। भारत से अमरीका द्वारा किये जाने वाले प्रमुख आयातों में अजवाइन, जीरा, करी पाउडर, सौंफ, मेथी, लहसुन, मिर्च और पुदीना उत्पाद शामिल हैं।

निर्यात किये जाने वाले मसाले

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान, मिर्च भारत से निर्यात किए जाने वाले प्रमुख मसालों के रूप में उभरी है, जिसका कुल निर्यात मूल्य 1,508.94 मिलियन अमरीकी डॉलर रहा। इसके बाद जीरा और मसालों का तेल और ओलियोरेसिन का स्थान रहा, जिसका निर्यात मूल्य क्रमशः 700.23 मिलियन अमरीकी डॉलर और 498.01 मिलियन अमरीकी डॉलर दर्ज किया गया। अन्य उल्लेखनीय निर्यातों में पुदीना उत्पाद , हल्दी और करी पाउडर तथा पेस्ट शामिल हैं, इनमें से प्रत्येक ने निर्यात मात्रा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

भारत में मसाला उत्पादन में अग्रणी राज्य

2023-24 में, मध्यप्रदेश 3.63 मिलियन टन के साथ भारत के मसाला उत्पादन में सबसे आगे रहा, उसके बाद गुजरात 1.29 मिलियन टन और आंध्र प्रदेश का 1.28 मिलियन टन रहा है। राजस्थान और तेलंगाना ने भी क्रमशः 1 मिलियन टन और 793,000 टन से अधिक उत्पादन करके महत्वपूर्ण योगदान दिया। ये शीर्ष पांच राज्य वैश्विक मसाला बाजार में भारत के नेतृत्व को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

- हितेश शर्मा
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

भारतीय ज्ञान परंपरा

भारतीय ज्ञान परंपरा प्राचीन भारत की ज्ञान-विज्ञान तथा दर्शन की एक समृद्ध एवं विविध विरासत है। यह परंपरा वैदिक काल से शुरू होकर बौद्ध तथा जैन काल तक विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा शिक्षा प्रणालियों के माध्यम से विकसित हुई है।

भारतीय ज्ञान परंपरा सामाजिक जरूरतों की उपज

भारतीय लोग आज भी अपनी परंपरा और मूल्यों को बनाये हुये हैं। विभिन्न संस्कृति तथा परंपरा के लोगों के बीच की घनिष्ठता ने भारत देश को बनाया है। जिसमें मानव जीवन के लिये भाव, राग तथा ताल समाहित है। इसलिये हम कह सकते हैं कि भारतीय संस्कृति, वेद, तंत्र तथा योग की त्रिवेणी है।

भारतीय परंपरा के अनुसार हमारे चिंतन में कई धाराएं हैं लेकिन पश्चिम ने केवल एक ही धारा को समझा और फैलाया है। विदेशी ताकतों ने हमेशा से ही हमारी ज्ञान परंपरा को दबाकर रखने की कोशिश की है। हमारे विज्ञान तथा सेवा भाव को हमेशा नीचा दिखाने की कोशिश की गई है। जिसके कारण हमने अपनी समृद्ध ज्ञान परंपरा को बहुत हद तक खो दिया है। अब फिर से हमें अपनी ज्ञान परंपरा, सामाजिक व्यवस्था तथा जीवन शैली को बाजारवाद से बचाने की जरूरत है। हमें पश्चिमी सभ्यताओं और विदेशी ज्ञान-विज्ञान को दरकिनार कर अपनी परंपराओं तथा मान्यताओं का पुनर्उत्थान करते हुये भारतीयता में पूरी तरह रमना होगा। सभी विचारधाराओं के लोगों से संवाद करना होगा और उनको साथ लेकर चलना होगा। हमारी परंपरा विविधताओं का सम्मान करने की है और उनमें एकता स्थापित करने की है। जिसे हमें अच्छी तरह व्यवहार में उतारना होगा ताकि भारत पूरे विश्व में एक बड़ी ताकत के रूप में उभर सके।

भारतीय ज्ञान परंपरा का विकास

भारतीय ज्ञान परंपरा हजारों वर्ष पुरानी है। इस ज्ञान परंपरा में आधुनिक विज्ञान, प्रबंधन सहित सभी क्षेत्रों के लिये अद्भुत खजाना है। भारतीय दृष्टिकोण से ही ज्ञान परंपरा का अध्ययन कर हम एक बार फिर विश्व गुरु बन सकते हैं। हमें अपनी मानसिकता को बदलकर अपने जीवन में भारतीयता को अपनाने की जरूरत है। पश्चिमी देशों के विकासवादी मॉडल को छोड़कर ही हम दुनिया में खुशहाली ला सकते हैं। हमने अब तक जो कुछ पढ़ा है जो भी हमें पढ़ाया गया है। हर विषय को पश्चिम के नजरिये से प्रस्तुत कर हमने प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा का अपमान किया है। हम भारतीय, अपनी परंपरा, संस्कृति, ज्ञान और यहां तक कि महान विभूतियों को तब तक खास तवज्जो नहीं देते, जब तक विदेशों में उसे न स्वीकार किया जाये। यही कारण है कि आज यूरोपीय राष्ट्रों और अमेरिका में योग, आयुर्वेद, शाकाहार, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, होम्योपैथी तथा सिद्धा जैसे उपचार, लोकप्रियता पा रहे हैं। जबकि हम उन्हें बिसरा चुके हैं। हमें अपनी जड़ी बूटियों, नीम, हल्दी तथा गौमूत्र का ख्याल तब आता है जब विदेशी उन्हें पेटेंट करवा लेते हैं। योग को हमने उपेक्षित करके छोड़ दिया पर जब वही योगा बनकर आया तो हम उसके दीवाने बने बैठे हैं। पाश्चात्य संस्कृति में पले और वहां रह रहे लोग भारत आकर संस्कार तथा मंत्रोच्चारण के बीच विवाह के बंधन में बंधना पसंद कर रहे हैं और हमें अपने ही संस्कार दकियानूसी तथा बकवास लगते हैं। हमारे देश में प्रत्येक राज्य की अपनी भाषा है। भाषाओं की विविधताओं के समावेश के बावजूद भी अंग्रेजी को बोलचाल का माध्यम बनाया जाता है। मुझे समझ नहीं आता है कि जितनी मेहनत हम लोग अंग्रेजी सीखने में करते हैं। उतनी मेहनत हम अपने ही देश की किसी

विशेषताएं

- **प्राचीन ज्ञान** - इस में वेदों, उपनिषदों, पुराणों एवं अन्य प्राचीन ग्रंथों में निहित ज्ञान शामिल है।
- **विज्ञान तथा दर्शन** - यह विज्ञान, गणित, खगोल विज्ञान, चिकित्सा, आयुर्वेद और दर्शन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञान का समावेश करती है।
- **सर्वांगीण विकास** - प्राचीन शिक्षा प्रणाली का उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना था। जिसमें ज्ञान, चरित्र तथा समाजोपयोगी गुण शामिल थे।
- **विश्व स्तर का प्रभाव** - भारतीय ज्ञान परंपरा ने दुनिया भर में विभिन्न देशों में योगदान दिया है जैसे - विज्ञान, गणित, चिकित्सा और दर्शन।
- **अध्ययन तथा शोध** - राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ावा देने तथा इसके अध्ययन को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया है।

और भाषा सीखने में क्यों नहीं करते हैं? पाश्चात्य तथा अंग्रेजी संस्कृति को दोष देने से पहले, हमको अपने गिरेबान में झांककर देखना चाहिये कि हम स्वयं अपनी संस्कृति के प्रति कितने निष्ठावान हैं। भारतीय प्रचार माध्यम के बीच स्वस्थ प्रतियोगिता के स्थान पर पश्चिमी मानदंडों के अनुसार प्रतिद्वंदी को मिटाने की होड़ लगी हुई है।

सनसनीखेज पत्रकारिता के माध्यम से आज समाचार पत्र-पत्रिकाएं, ऐसी सामाजिक विसंगतियों की घटनाओं की खबरों से भरी होती हैं। जिसको पढ़कर युवाओं की उत्सुकता उसके बारे में और जानने की बढ़ जाती है। युवा गलत तरह से प्रसारित हो रहे विज्ञापनों से इतने प्रभावित हो रहे हैं कि उनका अनुकरण करने में जरा भी संकोच नहीं कर रहे हैं।

हम अपने आचरण से गांधी जी के आदर्शों को तिलांजलि दे रहे हैं पर अमेरिका में पिछले कुछ वर्षों में कई विश्वविद्यालयों और कॉलेजों ने गांधीवाद पर कोर्स आरंभ किया है। भारत में गांधीवाद विशेषकर गांधी जी की अहिंसा विरोधाभास ही लगता है कि हम भारतीय आत्मगौरव तथा राष्ट्रीय स्वाभिमान की अनदेखी करते हुये अपनी संस्कृति तथा उसकी समृद्ध विरासत को नकारने का प्रयास कर रहे हैं। परिवर्तन प्रकृति का नियम है लेकिन ये परिवर्तन हमें पतन की ओर ले जायेगा। एक समय था जब हमारे युवाओं के आदर्श सिद्धांत, विचार, चिंतन और व्यवहार सब कुछ भारतीय संस्कृति के रंग में रंगे हुये थे। अपनी संस्कृति की चकाचौंध से भ्रमित युवा वर्ग को, भारतीय संस्कृति के अनुगमन में पिछड़ेपन का एहसास होने लगा है। जिस युवा पीढ़ी के ऊपर देश के भविष्य की जिम्मेदारी है जिसकी ऊर्जा से रचनात्मक कार्य सृजन होना चाहिये, उसकी पसंद में नकारात्मक दृष्टिकोण हावी हो चुका है। संगीत हो या सौंदर्य, प्रेरणास्रोत की बात हो या राजनीति का क्षेत्र या फिर स्टेटस सिंबल की पहचान सभी क्षेत्रों में युवाओं की पाश्चात्य संस्कृति में ढली नकारात्मक सोच स्पष्ट होने लगी है।

महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के साथ विद्यालयों में शिक्षा के लिये जा रहे विद्यार्थियों से जानकारी लें तो पता लगेगा कि हरेक के कानों में, तेज धुनों में जो संगीत बज रहा है वह पॉप संगीत है। युवा वर्ग के लिये ऐसी धुन बजाना दुनिया के साथ चलने की निशानी बन गया है। युवा वर्ग के अनुसार जिंदगी में तेजी लानी हो या कुछ ठीक करना हो, तो गो इन स्पीड एवं पॉप संगीत सुनना तेजी लाने में सहायक है। लोक संगीत के स्थान पर युवा पीढ़ी ने पॉप संगीत को स्थापित करने का फैसला कर लिया है। हमारे राष्ट्र में मूलभूत रूप से सांस्कृतिक एकता है। हमारी मूल संस्कृति वसुधैव कुटुंबकम वाली संस्कृति है। जिसका अस्तित्व सारे भारत में है। हमारे साहित्य में एकता है। एकरूपता ही नहीं, एकात्मकता है। हम संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों के ऊपर उठ सकते हैं। हमारी भाषाओं में विज्ञान-प्रौद्योगिकी को अभिव्यक्त करने की शक्ति है। भारत में न केवल विश्व-शक्ति बनने की क्षमता है। वरन् विश्व को भोगवाद के प्रभाव से बचाने की भी क्षमता है। ब्रिटिश राज में जो विश्वविद्यालय भारत में खुले, वह पाश्चात्य ज्ञान परंपरा का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। ब्रिटिश राज के दौरान भारतीय ज्ञान-विज्ञान की परंपरा को भारी धक्का लगा। राष्ट्र की जरूरतों, व्यवहारिकता और समाज से जुड़ाव जैसी बातों को हम भूल गये। हम सब अपने-अपने विद्यालयों के दिनों में पाइथागोरस प्रमेय से परिचित होते रहते हैं। लेकिन यह जानना दिलचस्प होगा कि पाइथोगोरस से कई सौ साल पहले भारत में इसका प्रयोग किया जाने लगा था। भारत में जब ऋग्वेद की रचना होने लगी तो, अलग-अलग यज्ञ के लिये यज्ञवेदी बनाई गई। समाज की इस आवश्यकता को पूरा करने के लिये गणित का उपयोग किया गया और रेखागणित उत्पन्न हुई। पाइथोगोरस जिस गणित को दुनिया के सामने लेकर आए, उससे कई सौ साल पहले बौधायन ने शुल्ब सूत्र में इसकी विस्तार से चर्चा की। आज भी भारत का राज-मिस्त्री लंबे धागे के साथ वजन लगाये रखता है और भवन निर्माण में उसका तरह-तरह से बखुबी इस्तेमाल करता है। वह शुल्ब सूत्र की ही उपज है। इसी उपकरण की मदद से वैदिककाल में लोग विभिन्न आकार वाली यज्ञवेदी की रचना करते थे।

ऐसे तमाम गणितज्ञ भारत में हुये हैं। जिन्होंने सामाजिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुये गणित की रचना की। वह वर्तमान पश्चिमी परिभाषा से अलग, अद्भुत तथा उन्नत हैं, भारत का ज्ञान तथा विज्ञान यहां की सामाजिक जरूरतों की उपज रही है। हमारे यहां यही परंपरा रही है लेकिन हम इसमें पिछड़ रहे हैं। हमारे पिछड़ेपन तथा उदासीन रहने के कारण तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा कहते हैं कि भारत प्राचीन ज्ञान की उपेक्षा कर रहा है और पश्चिमी संस्कृति की तरफ बढ़ रहा है।

आधुनिक भारतीय बहुत पश्चिमी हैं। भारतीयों को भारत के प्राचीन ज्ञान पर अधिक ध्यान देना चाहिये। आधुनिक भारतीयों को अपने ज्ञान को नहीं भूलना चाहिये। संस्कृति किसी समाज में गहराई तक व्याप्त गुणों के समग्र रूप का नाम है। जो उस समाज के सोचने, विचारने, कार्य करने, खाने पीने, बोलने, नृत्य, गायन, साहित्य और कला वास्तु आदि में परिलक्षित होती है। संस्कृति का वर्तमान रूप किसी समाज के गहराई तक व्याप्त गुणों समग्र रूप का नाम है।

इस धरती पर भारत एकमात्र देश है जो आधुनिक सुविधा, शिक्षा तथा प्रौद्योगिकी को जोड़ सकता है। हमें धार्मिक विश्वास शिक्षा, प्राचीन भारतीय ज्ञान के आंतरिक मूल्यों को शामिल करना चाहिये। आर्य भट्ट, चरक, कणाद, नागार्जुन, हर्षवर्धन, अगस्त्य, भारद्वाज ऋषि, गुरु शंकराचार्य, आचार्य अभिनव गुप्त और स्वामी विवेकानंद के साथ सैकड़ों महापुरुष हुये हैं। जिन्होंने अपने ज्ञान से विश्व की ज्ञान परंपरा को समृद्ध किया है। हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति समूचे विश्व की संस्कृतियों में सर्वश्रेष्ठ तथा समृद्ध संस्कृति है। भारत विश्व की सबसे पुरानी सभ्यता का देश है। भारतीय संस्कृति के महत्वपूर्ण तत्व शिष्टाचार, तहजीब, सभ्य संवाद, धार्मिक संस्कार, मान्यताएं और मूल्य आदि हैं। हालांकि आज के परिवेश में हर एक की जीवनशैली आधुनिक रही है।

भारतीय लोग आज भी अपनी परंपरा तथा मूल्यों को बनाये हुये हैं। विभिन्न संस्कृति तथा परंपरा के लोगों के बीच की घनिष्ठता ने भारत को देश बनाया है। जिसमें मानव जीवन के लिये, भाव, राग और ताल समाहित है। इसलिये हम कह सकते हैं कि भारतीय संस्कृति वेद, तंत्र तथा योग की त्रिवेणी है।

भारत अपने भाव, राग और ताल से स्पंदन उत्पन्न कर संपूर्ण विश्व को मानवता, भाईचारा और संवेदन का पारिवारिक संदेश देना चाहता है। अपनी जीवंत अमूर्त विरासत जो इसकी वैश्विक सभ्यता की विरासत है।

भारतीय ज्ञान परंपरा का महत्व

- **सांस्कृतिक विरासत** - यह भारत की सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और हमें अपनी जड़ों से जोड़कर रखता है।
- **आर्थिक विकास** - यह आर्थिक विकास और बेहतर जीवन स्तर की कुंजी है, क्योंकि यह स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देती है।
- **पर्यावरण संरक्षण** - यह पर्यावरण संरक्षण तथा सतत विकास के लिये भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें प्रकृति तथा पर्यावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करने का ज्ञान शामिल है।
- **मानव विकास** - यह मानव विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, क्योंकि यह ज्ञान, कौशल तथा मूल्यों का विकास करती है।

इस विरासत से विभिन्न राष्ट्रों, समाजों तथा संस्कृतियों के बीच संस्कृति एवं सभ्यता का एक संवाद बनाने की प्रक्रिया आरंभ होती है। भारतीय ज्ञान-विज्ञान परंपरा को स्थापित करने के प्रयास स्वाधीनता मिलने के साथ ही किये जाने थे। लेकिन औपनिवेशिक मानसिकता के कारण हमने अपने गौरवशाली इतिहास के पन्ने पलटकर देखने की कोशिश ही नहीं की। हमें यह समझना चाहिये कि जिस समाज ने मुझे एक पहचान दी है, सब कुछ दिया है, उसके लिये मुझे भी कुछ करना है। सूचना के स्तर पर ज्ञान प्राप्त करना ही शिक्षा का अंतिम लक्ष्य नहीं होता बल्कि समझ, विचार, बुद्धि से संजोए हुये ज्ञान की प्राप्ति करना ही मानवीय पांडित्य की वास्तविक प्राप्ति तथा जीवन बोध का मूल बिंदु कहा जा सकता है। पश्चिमी ज्ञान परिपाटियों का अंधाधुंध अनुकरण कभी लाभदायक नहीं हो सकता है। हम अपने मूल विचार को अपने विवेक तथा अपने मौलिक ज्ञान के दर्शन की गहराई तक नहीं ले जाते। पश्चिमी और भारतीय ज्ञान परंपरा का तुलनात्मक अध्ययन करते हुये हम पाते हैं कि पश्चिमी संस्कृति के भौतिकवाद ने उन्नति तो बहुत की है लेकिन यह उन्नति मानसिक खुशहाली को साकार करने से वंचित रह जाती है।

भारतीय ज्ञान-विज्ञान की यह सनातन परंपरा अनादि काल से है। वह तक्षशिला हो, नालंदा हो या विक्रमशिला विश्वविद्यालय सभी ज्ञान केंद्रों में यह परंपरा जुड़ी रही है। इसलिये वैदिककाल से ही भारत की ज्ञान परंपरा उच्च स्तरीय रही है। शिक्षा के क्षेत्र में भारतीय दृष्टिकोण को विकसित करने की जरूरत है। शिक्षा में भारतीय पुरातन ज्ञान परंपरा एवं संस्कृति के समावेश के नजरिये से यह संगम मात्र विकल्प नहीं है, बल्कि इस दिशा में सच्चा प्रयास है। भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा, कला संस्कृति दर्शन, समाज शास्त्र, विज्ञान और प्रबंधन समेत विभिन्न देशों में व्यापक दृष्टिकोण देती है। हमें इस दृष्टिकोण को शिक्षा के क्षेत्र में अपनाकर राष्ट्र के विकास की प्रक्रिया को और मजबूत बनाना होगा। मौजूदा शिक्षण पद्धति में पश्चिम पक्षीय झुकाव ज्यादा है। ऐसे में शिक्षण पद्धति में भारतीय दृष्टिकोण के विकास के लिये गैर-सरकार एवं स्वायत्त प्रयासों को बढ़ावा देना, बदलते वैश्विक परिवेश में समय की जरूरत बन चुकी है। भारत के ऊपर जैसे-जैसे पाश्चात्य सभ्यता का प्रभाव पड़ता गया वैसे-वैसे इसकी परंपरा छिन्न-भिन्न होती गयी। आज भारत की शैक्षणिक संस्थाओं को इस कार्य के लिये आगे आना होगा और समर्पित भाव से ऐसी परियोजनाओं में जुटना होगा ताकि कोई बाहरी संस्था या इंसान इस भण्डार की खोज कर उसको विकृत रूप में दुनिया के सामने पेश न करे। इसमें कोई दो राय नहीं है कि वेदों से लेकर वर्तमान युग तक भारत की प्राण वायु धर्म है। वही हमारी चेतना का मूल है। यह धर्म ही हमारी सामाजिक संस्कृति का निर्माता है। आध्यात्मिक अनुभवों तथा अंतस की यात्रा के व्यापक अनुभवों वाला ऐसा कोई देश दुनिया में नहीं है। भारत का यह सत्व या मूल ही उसकी शक्ति है।

- श्रद्धा सुमन

(लेखिका, विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं के विषयों पर लेखन करती हैं।)

ग्वालियर के माधव अग्रवाल ने सिविल सर्विस परीक्षा 2024 में देश में 16वां स्थान प्राप्त किया

सकारात्मक सोच और पूरे मन से की गई मेहनत सफलता का मूल-मंत्र - माधव अग्रवाल

"जैसा व्यक्ति सोचता है, महसूस करता है और विश्वास करता है, वैसी ही स्थिति उसके मन, शरीर और परिस्थितियों की होती है।" "The Power Of your Subconscious Mind" नामक पुस्तक की इस बात में यकीन रखने वाले यूपीएससी की परीक्षा में पांचवें प्रयास में देश में 16वां स्थान हासिल करने वाले माधव अग्रवाल कहते हैं कि, आप दिमाग में जो बोओगे वही काटोगे इसलिए जब हम दिमाग में सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ते हैं तो सकारात्मक नतीजे सामने आते हैं। इससे पहले सीए, सीएस परीक्षा पास कर चुके और वर्तमान में आईपीएस की ट्रेनिंग कर रहे ग्वालियर के माधव के लिए बार-बार मिली असफलता के बाद सफलता का यह सफर कैसा रहा इसके बारे में उन्होंने 'रोज़गार और निर्माण' से बात की...

परिचय

नाम : माधव अग्रवाल
पद : आईएएस
रैंक : 16
उम्र : 30 वर्ष
पिता : श्री राकेश अग्रवाल
माता : श्रीमती सीमा अग्रवाल
पता : आर.आर.टी. कंपनी, नया बाजार, ग्वालियर
आभार : ईश्वर, माता-पिता, दादाजी समेत पूरा परिवार।
शिक्षा : डेली कॉलेज, इंदौर
हायर सेकंडरी : डेली कॉलेज, इंदौर
स्नातक : बीकॉम, सीए, नरसिंह मौनजी कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स, मुंबई
रुचि : मेडिटेशन, ऑर्गन डोनेशन के लिए वॉलेंटियर के तौर पर काम करना

अन्य उपलब्धियां - 2023 यूपीएससी की परीक्षा में आईपीएस में चयनित
राज्य स्तरीय हॉकी मैच के लिए इंदौर टीम का प्रतिनिधित्व
स्कूल हेड बॉय एवं कॉलेज में गोल्ड मेडल

- **आप अपने अब तक के सफर के बारे में बताइए?**

○ मेरा जन्म ग्वालियर में हुआ है। प्राइमरी एजुकेशन ग्वालियर में होने के बाद मैंने छटवीं क्लास से 12वीं कक्षा तक की पढ़ाई इंदौर स्थित डेली कॉलेज स्कूल में की। मैंने हॉस्टल में रहकर परिवार की वैल्यू, अनुशासन, पैसे की वैल्यू जैसी कई चीजें सीखीं। 11वीं क्लास में मेरे शिक्षक ने मुझे उस वक्त गाइड किया कि अकाउंट्स की पढ़ाई करनी चाहिए। मुंबई के नरसी मौन जी कॉलेज में कॉमर्स से ग्रेजुएशन के दौरान मैंने सीए की पढ़ाई मुंबई में रहकर पूरी की। मेरे सभी एग्जाम सीए से संबंधित पहले अटेम्प्ट में क्लीयर हुए। 2019 में सीए कंप्लीट होने के बाद मैंने ऑडिट का काम सीखा। मैंने पढ़ाई के बाद तय किया कि मुझे जो संतुष्टि चाहिए वह इस जॉब में नहीं मिल रही है इसलिए फिर मैंने यूपीएससी की तैयारी शुरू की। तीन बार सिलेक्शन न होने के बाद चौथे प्रयास में मेरा आईपीएस के पद पर चयन हुआ और अब पांचवें प्रयास में मुझे यूपीएससी में 16वीं रैंक हासिल हुई है।

- **पहली बार कब महसूस हुआ कि सिविल सर्विस में जाना है?**

○ सीए की पढ़ाई पूरी करने के बाद जब मैं जॉब कर रहा था तब लगा कि यह जॉब मुझे भले अच्छे प्रमोशन और सैलरी देगी लेकिन मुझे इसमें पूरी संतुष्टि नहीं मिल रही थी। तब मैंने तय किया कि मैं सिविल सर्विस की तैयारी करूंगा। सीए कंप्लीट हो चुका था, जॉब का अनुभव भी था तो मैं एक बार सिविल सर्विस में किस्मत आजमाना चाहता था, मेरे पास बैकअप के तौर पर सीए प्रोफेशन के रूप में दूसरा विकल्प भी मौजूद था।

- **पांचवें प्रयास में आपको अपने लक्ष्य में सफलता मिली है, ऐसे में किस तरह की निराशा रही और कैसे खुद को मोटीवेट किया?**

○ मैंने यूपीएससी की परीक्षा जब पहली बार दी थी तो मेरा प्रीलिम्स आधा नंबर से रह गया था, दूसरी बार परीक्षा दी तो मैन्स की परीक्षा 1 नंबर से रह गई और जब तीसरी बार परीक्षा दी तो इंटरव्यू में 11 नंबर से रह गया। तीन अटैम्प्ट के बाद पहले सोचा था कि अब परीक्षा नहीं देनी है फिर सोचा कि फाइनली एक बार और पेपर दिया जाए पूरे मन से ताकि खुद को कभी यह मलाल न रहे कि हमने एक बार और कोशिश नहीं की और फिर से तैयारी में जुट गया। पिछले साल चौथे प्रयास में मैं पास हो गया और 211वीं रैंक के साथ मेरा आईपीएस में चयन हो गया। दिसंबर में नेशनल पुलिस अकेडमी में ट्रेनिंग भी ज्वाइन कर ली थी।

- **पैतृक रूप से घर कारोबार से जुड़ा रहा है, ऐसे में क्या कभी पैतृक कारोबार से जुड़ने का दबाव नहीं रहा? किस तरह से परिवार का सहयोग रहा?**

○ घर में हम तीन भाई बहन हैं। बड़े भाई ने परिवार के कारोबार में पिता का हाथ बंटाया तो मेरे लिए पढ़ना आसान रहा। परिवार का हमेशा सहयोग मिला। पेरेंट्स जरूर चाहते थे कि मैं सिविल सर्विस में जाऊं क्योंकि पेरेंट्स हममें वो देख पाते हैं जो कई बार हम भी नहीं देख सकते हैं। सीए में टॉप करने पर एक सीनियर ने भी कहा कि तुम्हे सिविल सर्विस में जाना चाहिए।

- **वैकल्पिक विषय के रूप में आपने किस विषय का चुनाव किया और क्यों?**

○ वैकल्पिक विषय के रूप में मैंने कॉमर्स एंड अकाउंट्स का विषय का चुनाव किया। किसी अनजान विषय को चुनने के बजाय मैं इससे फ्रेंडली था तो यह मेरे लिए आसान रहा। ऐसे में किसी विषय को पढ़कर यदि बोर होने लगता था, तो इस विषय को पढ़ने लगता था। इस विषय को लेकर लगता था कि कोई सवाल बाहर से यदि आ भी जाए तो आसानी से हल कर सकेंगे।

- **इस परीक्षा के लिए आपने किस दिनचर्या का पालन किया?**

○ मैंने सीए की पढ़ाई के दौरान ही अनुशासन के साथ पढ़ना शुरू कर दिया था। सीए की पढ़ाई भी कठिन और विस्तृत होती है। ऐसे में लॉन्ग टर्म टाइम टेबल बनाकर पढ़ाई करना तभी सीख लिया था उसे भी यहां फॉलो किया। जैसे कि मेरे पास 60 दिन हैं तो पांच दिन उसमें से इसलिए निकाल दिए कि मान लो बीमार हो जाऊं या घर जाना पड़ जाए। आखिरी एक सप्ताह रिवीजन के निकाल दिये, सेकेंड रिवीजन का भी वक्त निकाल लिया। इस तरह मेरे पास पढ़ने के लिए 30 से 35 दिन बचे इसमें से मुझे 8 विषय पढ़ना है। इस तरह माइक्रो टाइम टेबल बनाकर पढ़ाई की है। सिस्टमेटिक ढंग से पढ़ाई करने से तनाव नहीं होता है।

- **यह यात्रा बहुत लंबी होती है, ऐसे में खुद को लगातार मोटीवेट करने के लिए क्या किया?**

○ अगर हम टारगेट बनाकर पढ़ाई करते हैं तो इससे हमें मदद मिलती है क्योंकि जब हम अपना लक्ष्य दूर से देखते हैं तो किताबें या सिलेबस हमें पहाड़ की तरह दिखाई देता है। लेकिन जब हम यह देखते हैं कि आज हमें 20 पेज या 50 पेज पढ़ना है तो वह हमारे लिए आसान होता है। इसलिए कंसिस्टेंसी होना बहुत जरूरी है। कई बार ऐसा भी लगता है कि यूपीएससी मेरे से नहीं होगा, यह लक्ष्य आसान नहीं है। ऐसे में परिवार का सपोर्ट बहुत काम आता है। जैसे कि मेरे भैया ने मुझसे कहा कि यदि यह लक्ष्य हासिल नहीं हुआ तो जो नॉलेज मिलेगा वह जीवन में काम आएगा। मेडिटेशन जैसे सुदर्शन क्रिया से भी काफी शांति महसूस की, जिसने मुझे इंटरव्यू में भी मदद की।

- **परीक्षा की तैयारी के लिए आपका स्टडी मटेरियल कौन-सा था? उसे आपने कहां से चुना?**

○ यूपीएससी की स्टैंडर्ड किताबों के साथ स्कूल की एनसीईआरटी बुक की मदद ली। मैन्स की पढ़ाई के लिए पुराने प्रश्न पत्रों की एप्रोच समझकर उनका अध्ययन किया। ऐसे में यह भी देखा कि सवालों के जवाब आपके नोट्स के हिसाब से मैच कर रहे हैं या नहीं। पंचायती राज यदि पूछा जा रहा है परीक्षा में तो आपके पास उससे जुड़े हर सवाल का जवाब पता होना चाहिए। नोट्स को लगातार अपडेट करना चाहिए जैसे उस टॉपिक में पुराने किसी टॉपर्स के नोट्स, गूगल या ऑनलाइन मिले कुछ अच्छे प्वाइंट्स भी जोड़े जा सकते हैं।

- **आजकल ऑनलाइन कई तरह का कंटेंट उपलब्ध है, ऐसे में उसमें से सही कंटेंट का चुनाव कैसे करें?**

○ आपके पास अपना उद्देश्य स्पष्ट होना चाहिए। जैसे कि पंचायती राज पर हर कोचिंग के पीडीएफ, वीडियो आपको मिल जाएंगे। ऐसे में आपको यह देखना चाहिए कि आपको दो पेज का आन्सर लिखना है और आपके पास 7-7 प्वाइंट समस्या और समाधान के हो गए हैं तो आप परीक्षा में उतना ही लिखेंगे। इसलिए ऐसे में अपना समय खराब नहीं करना चाहिए। एक-दो पीडीएफ पढ़कर आपको समझ में आ जाता है इसके अलावा एक-दूसरे की मदद करके भी अपने सर्कल में आप इसे समझ लेते हैं।

- **एक अच्छी जॉब होते हुए ऐसे रास्ते पर जाना जहां सफलता मिलेगी या नहीं तय नहीं था। ऐसे में खुद को इस कंफर्ट जोन से बाहर निकलकर जाना कैसा अनुभव था?**

○ निश्चित ही मेरी नौकरी में एक कंफर्टजोन था। लेकिन उस वक्त यही सोचा कि आज मुझे यहां अच्छा लग रहा है पांच साल बाद शायद संतुष्टि नहीं हो। इसलिए मैंने सोचा कि छोटे समय की यह चुनौतियां आसान हैं बजाय जिंदगीभर इस तकलीफ के साथ चलना कि मैंने प्रयास नहीं किया था।

- **आपने इंटरव्यू के लिए तैयारी कैसे की?**

○ इंटरव्यू में एक डिटेल्ड फॉर्म भरना होता है। एक मुख्य परीक्षा के पहले भरते हैं और एक इंटरव्यू के पहले भरते हैं। इसमें आप अपने शहर, पढ़ाई, परिवार समेत अपने जीवन से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण जानकारी, रुचि, अचीवमेंट आदि से जुड़े सवाल पूछते हैं। जैसे कि ग्वालियर लिखा है तो ग्वालियर में सिंधिया राजघराने, रानी लक्ष्मीबाई आदि से जुड़े सवाल पूछ सकते हैं। जैसे मैंने हॉकी खेली है तो हॉकी से जुड़े सवाल पूछ सकते हैं। इसके अलावा करेंट अफेयर्स पर चर्चा हो सकती है ओपिनियन दे सकते हैं। इसके अलावा कुछ सवाल सिचुएशन से जुड़े पूछे जा सकते हैं। ऐसे में अलग-अलग सोर्स से तैयारी कर नोट्स बनाते या इंटरव्यू में पूछे जा सकते हैं।

- **इंटरव्यू वाले दिन आपका जन्मदिन था यदि इंटरव्यू नहीं देते तो क्या करते?**

○ सुबह मंदिर जाता। उसके बाद सरकारी अस्पताल में दोस्तों के साथ फल और खाना बांटता। शाम को फैमिली और दोस्तों के साथ डिनर करता। हर बार अपने जन्मदिन पर मैं यही करता हूं। मेरा इंटरव्यू वाले दिन जन्मदिन भी था तो मैंने कहा कि इस जगह पर जन्मदिन के दिन आना मेरे लिए सौभाग्य है क्योंकि इस जगह ने मुझे पिछले वर्ष आईपीएस बनाया था।

- **सरकार कई योजनाएं लाती हैं ताकि जनता को लाभ मिले। कई बार जनता सीधा लाभ नहीं ले पाती है, इस बारें में सुझाव दें?**

○ कामकाज को पेपरलैस करना होगा। तकनीक के जरिए सुधार लाए जा सकते हैं। यानी लोग सभी को भ्रष्ट कहते हैं, लेकिन उन्हें नहीं पता कि कौन सा अफसर ईमानदार है? ऐसे ईमानदार लोगों को ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहन, अवॉर्ड और पहचान देना होगी। जो लोग बेहतर काम करते हैं उन्हें छोटे-छोटे प्रोत्साहन देने चाहिए। जैसे कि यदि में किसी जिले का एसपी हूं तो अपने ईमानदार जूनियर कर्मचारी को उसके परिवार के साथ घर पर डिनर के लिए बुलाऊं, तो उन्हें इससे भी कहीं ना कहीं खुशी और मोटीवेशन मिलेगा। मैंने अनुमति लेकर अपनी बात एक शेर के साथ पूरी की।

दिखाई नहीं देते हैं बुनियाद के पत्थर..
जमीं में जो धंस गए इमारत इन्हीं पर कायम है....

- **पुलिस में कुछ लोग सीधे अधिकारी बनकर आते हैं और कुछ प्रमोट होकर आते हैं। ऐसे में कई बार भेदभाव का भी सामना करना पड़ता है। ऐसी स्थिति आपके सामने आए तो आप क्या करेंगे?**

○ यदि ऐसी स्थिति मेरे सामने आती है तो जो कमी मेरे व्यवहार में है उसमें मैं सुधार करूंगा और यदि भेदभाव बेवजह का है तो उसे अनदेखा करके सिर्फ अपने काम पर ध्यान केन्द्रित करूंगा।

- **परीक्षा हॉल में आपकी क्या रणनीति थी?**

○ प्रीलिम्स में 10 लाख लोग फॉर्म भरते हैं जिसमें से 5 से 6 लाख परीक्षा देते हैं। इसमें से 12 या 13 हजार ही क्वालीफाई होते हैं। इसलिए ऐसे सवाल भी पूछे जाते हैं ताकि रिजेक्शन किया जा सके। ऐसे में शांत मन से जवाब देना चाहिए। मैंने 85 के लगभग सवाल के जवाब दिए। ऐसे सवाल जिनके जवाब आपको राउंड में हल करना चाहिए कि जो आपको पहले से पता है पहले उन्हें हल करें, जो बहुत ज्यादा मुश्किल लगे उसे छोड़ दीजिए ताकि निगेटिव मार्किंग से बच सकें।

- **आपको पांचवें प्रयास में मनचाही सफलता प्राप्त हुई है। पहली बार में प्री, फिर मैन्स, फिर इंटरव्यू तीन बार के बाद चौथे प्रयास में आईपीएस और अब आईएएस बने हैं। क्या बार-बार असफलता मिलने पर कभी निराशा हुई? क्या गलतियां रहीं और इन्हें कैसे दूर किया?**

○ परिवार का हमेशा सपोर्ट रहता था कि नहीं हुआ तो कोई बात नहीं है। मुझे लगता है कि यूपीएससी में आपको तब रुक जाना चाहिए जब आपको अहसास हो जाए कि आपने अपना 100 फीसदी दे दिया है। पहली बार जब प्रीलिम्स नहीं क्लीयर हुआ तो समझ में आया कि मैंने अभी ठीक से पढ़ाई नहीं की है। इसलिए एक बार फिर पढ़कर दूंगा। दूसरी बार में जब मैन्स रह गया तो खुद पर सेल्फ डाउट था कि मुझसे मुख्य परीक्षा क्लीयर नहीं होगी। लेकिन जब रिजल्ट आया तो सिर्फ एक नंबर से रह गया तब लगा कि खुद पर डाउट नहीं करना है क्लीयर हो जाएगा। निराशा से ज्यादा खुद पर हंसी आई और विश्वास आया कि क्लीयर हो जाएगा।

- **मानसिक या शारीरिक तौर पर इस दौरान क्या किसी समस्या का सामना किया और कैसे उन्हें दूर किया?**

○ इस परीक्षा के दौरान कई तरह के सेल्फ डाउट आते हैं। यह हर दिन की खुद से लड़ाई है किसी दिन रिवीजन टेस्ट में अच्छे नंबर आते हैं, किसी दिन खराब नंबर आते हैं। किसी दिन हम आसमान में होते हैं तो किसी दिन जमीन पर गिरे होते हैं। किसी दिन हम नहीं भी पढ़ते हैं पूरा दिन खराब होता है तो दूसरे दिन यह अहसास होता है कि दो घंटे ही पढ़ लेता या मूवी देख आता। लगातार 7 दिन पढ़ लिया फिर दो दिन ब्रेक लिया। इसके बजाय छोटे ब्रेक हर दिन ले लिए। सेल्फ हेल्प बुक की भी सहायता ली जैसे जोसेफ मर्फी की प्रसिद्ध किताब पावर ऑफ सबकॉन्शिस माइंड को पढ़कर भी मुझे काफी मदद मिली कि ज्यादा निगेटिव सोचने से कोई फायदा नहीं है। इसलिए आज अपना सिर्फ 100 प्रतिशत देना है यही सोचकर काम किया।

- **इस परीक्षा का शेड्यूल बहुत लंबा होता है ऐसे में आपको इस दौरान किन-किन चीजों को छोड़ना पड़ा ?**

○ थोड़ा बहुत खुद को दूरी बनाकर, कट ऑफ रहना पड़ता है। विशेषकर प्रीलिम्स के बाद 90 दिन होते हैं मैन्स की तैयारी के लिए उस समय आपके पास समय कम होता है। ऐसे में आपको दूरी बनाना पड़ता है। दिन भर के 10 से 15 मिनट सोशल मीडिया को टाइमर लगाकर थोड़ा बहुत ही इस्तेमाल किया। कुछ समय बाद आपके आसपास के लोग भी समझ जाते हैं।

- **''रोज़गार और निर्माण'' के माध्यम से अभ्यर्थियों को आप क्या संदेश देना चाहेंगे?**

○ जो भी कार्य करें उसमें अपना 100 प्रतिशत देना चाहिए। गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है ''योग : कर्मसु कौशलम्'' अर्थात् योग से कर्मों में कुशलता आती है। यदि आप न्यूज पेपर पढ़ रहे हैं तो उसे भी अपना 100 प्रतिशत दीजिए। टाइम टेबल बनाकर अनुशासन के साथ पढ़ाई करनी चाहिए। ध्यान का भी सहारा लेना चाहिए।

- डॉ. सर्जना चतुर्वेदी
(लेखिका, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करती हैं)

भारत इलेक्ट्रिकल लिमिटेड

पद का नाम - वरिष्ठ सहायक अभियंता
पदों की संख्या - 23
योग्यता - इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग या समकक्ष में डिप्लोमा इंजीनियरिंग
अंतिम तिथि - 23 मई, 2025
वेबसाइट - https://bel-india.in

बैंक ऑफ बड़ौदा

पद का नाम - ऑफिस असिस्टेंट
पदों की संख्या - 500
योग्यता - मैट्रिक या दसवीं कक्षा उत्तीर्ण
अंतिम तिथि - 23 मई, 2025
वेब. - https://www.bankofbaroda.in

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

पद का नाम - परियोजना वैज्ञानिक, जेआरएफ/एसआरएफ, तकनीकी अधिकारी, वैज्ञानिक सलाहकार
पदों की संख्या - 34
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 24 मई, 2025
वेब. - https://www.ncmrwf.gov.in

भारतीय मानक ब्यूरो

पद का नाम - वैज्ञानिक-बी
पदों की संख्या - 20
योग्यता - न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ इंजीनियरिंग या प्रौद्योगिकी या समकक्ष में स्नातक डिग्री
अंतिम तिथि - 23 मई, 2025
वेबसाइट - https://www.bis.gov.in

फुटवियर डिजाइन एवं विकास संस्थान

पद का नाम - असिस्टेंट मैनेजर, सीनियर फैकल्टी, जूनियर फैकल्टी, लैब असिस्टेंट
पदों की संख्या - 18
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 26 मई, 2025
वेब. - https://www.fddiindia.com

केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान

पद का नाम - वैज्ञानिक सहायक, इंजीनियरी सहायक, तकनीशियन ग्रेड-I, कनिष्ठ हिंदी अनुवादक, सहायक ग्रेड-II, सहायक पुस्तकाध्यक्ष
पदों की संख्या - 44
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 25 मई, 2025
वेबसाइट - https://cpri.res.in

भारतीय स्टेट बैंक

पद का नाम - मंडल आधारित अधिकारी
पदों की संख्या - 2964
योग्यता - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से किसी भी विषय में स्नातक
अंतिम तिथि - 29 मई, 2025
वेबसाइट - https://bank.sbi

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

पद का नाम - असिस्टेंट टेक्निकल कंसल्टेंट
पदों की संख्या - 41
योग्यता - आवेदक के पास संबंधित ट्रेड में नेशनल ट्रेड सर्टिफिकेट होना आवश्यक है
अंतिम तिथि - 27 मई, 2025
वेबसाइट - https://careers.bhel.in

भारतीय कपास निगम लिमिटेड

पद का नाम - मैनेजमेंट ट्रेनी (मार्केटिंग), मैनेजमेंट ट्रेनी (अकाउंट्स), जूनियर कमर्शियल एक्जीक्यूटिव, जूनियर असिस्टेंट (कॉटन टेस्टिंग लैब)
पदों की संख्या - 147
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 24 मई, 2025
वेबसाइट - https://cotcorp.org.in

मेघालय एनर्जी कॉर्पोरेशन लिमिटेड

पद का नाम - ग्रेजुएट अप्रेंटिस
पदों की संख्या - 30
योग्यता - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से बीए/बीएससी/बीकॉम
अंतिम तिथि - 30 मई, 2025
वेबसाइट - https://meecl.nic.in

सेमी कंडक्टर लेबोरेटरी

पद का नाम - सहायक
पदों की संख्या - 25
योग्यता - किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से किसी भी विषय में स्नातक
अंतिम तिथि - 26 मई, 2025
वेबसाइट - https://www.scl.gov.in

एडमिशन अलर्ट

केंद्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट)

पाठ्यक्रम का नाम - डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स मोल्ड टेक्नोलॉजी (डीपीएमटी), डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स टेक्नोलॉजी (डीपीटी), पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स प्रोसेसिंग एंड टेस्टिंग (पीजीडी-पीपीटी), पोस्ट डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स मोल्ड डिजाइन विथ कैड/कैम (पीडी-पीएमडी विथ कैड/कैम)
योग्यता - न्यूनतम कक्षा दसवीं उत्तीर्ण की हो तथा अन्य योग्यताएं
अंतिम तिथि - 29 मई, 2025
वेबसाइट - https://www.cipet.gov.in

इंडो डेनिश टूल रूम, जमशेदपुर

पाठ्यक्रम का नाम - डिप्लोमा इन टूल एंड डाइ अंडर मैकेनिकल इंजीनियरिंग, डिप्लोमा इन एडवांस मैकाट्रॉनिक्स एंड इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन
सीट की संख्या - 300+120
योग्यता- गणित एवं विज्ञान विषय के साथ मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण हो
आवेदन की अंतिम तिथि - 26 मई, 2025
परीक्षा तिथि - 01 जून, 2025
वेबसाइट - https://www.idtr.gov.in

हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड

पद का नाम - ट्रेड अप्रेंटिस (मेट, ब्लास्टर, फ्रंट ऑफिस असिस्टेंट, डीजल मैकेनिक, फिटर, टर्नर, वेल्डर, इलेक्ट्रिशियन, इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक, ड्राफ्ट्समैन, कम्प्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट, सर्वेयर, पंप ऑपरेटर कम मैकेनिक, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनर)
पदों की संख्या - 209
योग्यता - आवेदक के पास संबंधित ट्रेड में आईटीआई प्रमाण पत्र होना आवश्यक है।
अंतिम तिथि - 02 जून, 2025
वेबसाइट - https://www.hindustan-copper.com

कोचिन शिपयार्ड लिमिटेड

पद का नाम - फायरमैन
पदों की संख्या - 24
योग्यता - आवेदक दसवीं कक्षा उत्तीर्ण हो तथा आवेदक के पास भारी वाहन चलाने का वैध लाइसेंस हो
अंतिम तिथि - 23 मई, 2025
वेबसाइट - https://cochinshipyard.in

मध्यप्रदेश की नदियां

पवित्र वैनगंगा का है ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व

मध्यप्रदेश की धरती को प्रकृति ने नदियों की विपुलता से समृद्ध किया है। इसलिए प्रदेश को नदियों का मायका कहा जाता है। नदियां जीवन और प्रकृति संवर्धन का आधार हैं। नदी तट पर कई संस्कृतियों का निर्माण और विकास हुआ है। जल-जीवन की इस विरासत से आपको परिचित करवाने के लिए रोज़गार और निर्माण में मध्यप्रदेश की नदियां स्तम्भ शुरू किया है। इस अंक में प्रस्तुत है मध्यप्रदेश की वैनगंगा नदी का परिचय –

मध्यप्रदेश के सिवनी जिले से निकलने वाली वैनगंगा नदी प्रदेश की नदियों में से एक प्रमुख नदी है। इसका बहाव क्षेत्र मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र राज्य है। इस क्षेत्र में सिवनी, बालाघाट, चंदा और गोंदिया जिले प्रमुख हैं।

वैनगंगा का पौराणिक महत्व

वैनगंगा नदी का उल्लेख कई पुराणों और महाभारत में मिलता है। वैनगंगा के कई नाम हैं। ब्रह्मांड और कूर्म पुराण में इसे वेण्वा, वामन तथा मत्स्य पुराण में इसे वेणा और वायु पुराण में वेन्वा तथा मार्कण्डेय पुराण में वेण्या कहा गया है। महाभारत में उल्लेख है कि वेणा नदी वरुण के महल में निवास करती है। इसमें यह भी उल्लेख है कि उस प्रदेश के शासक को वेणा के कछार क्षेत्र में सहदेव ने दक्षिणी विजय अभियान के समय पराजित किया था। महाभारत में यह भी उल्लेख है कि जिन नदियों से अग्नि प्रज्वलित होती है उनमें से एक वेणा नदी है।

वेणा नदी की पवित्रता को लेकर वन पर्व में वर्णन है कि जो कोई भी इस नदी के तट पर रहकर तीन दिन उपवास करेगा वह स्वर्गारोहण करेगा। इस नदी में स्नान करने से अश्वमेघ यज्ञ का पुण्य प्राप्त होगा। अनुशासन पर्व में निर्देश है कि इस पुण्य नदी का सुबह-शाम स्मरण किया जाना चाहिए। वराहमिहिर ने भी बृहत्संहिता में वेणा का उल्लेख किया है।

वैनगंगा का उद्गम और बहाव

वैनगंगा नदी का उद्गम सिवनी जिले के परताबपुर के ऊपरी हिस्से में स्थित पहाड़ी से हुआ है। यहां यह अर्धचंद्राकार रूप में पहले उत्तर, फिर पूर्व और फिर दक्षिणी-पूर्वी दिशा में बहती है। शुरुआत में यह चट्टानी क्षेत्र में बहती है। फिर उपजाऊ मैदान तथा संकरी घाटियों से होकर गुजरती है। धंवर संगम के पहले लगभग 10 किलोमीटर पहले तक वैनगंगा नदी क्षेत्र अत्यंत सुंदर है।

बालाघाट में वैनगंगा

वैनगंगा सिवनी और बालाघाट जिलों की कुछ सीमा तक बहते हुए बालाघाट में प्रवेश करती है। यहां मण्डला जिले से आकर धंवर नदी इसमें मिलती है। जिले में प्रवेश से पहले यह पाटादेह ग्राम के उत्तर-पश्चिम में पहुंचती है और पश्चिम की ओर बढ़ते हुए जिले में प्रवेश करती है। इस तरह बालाघाट जिले में वैनगंगा का बहाव क्षेत्र 106 किलोमीटर है और चौड़ाई लगभग 800 फीट है। वैनगंगा के दाहिनी तट पर सारथी तथा चुन्नई और बायें तट पर सावरझोरी नदियों का संगम होता है। बालाघाट जिले के समापन स्थल पर वैनगंगा नदी का बाघ नदी के साथ संगम होता है।

भण्डारा और चंद्रपुर में वैनगंगा

वैनगंगा भण्डारा जिले की प्रमुख नदी है। यहां की अन्य नदियां उसकी सहायक नदियां हैं। यह जिले में उत्तर-पूर्वी दिशा से प्रवेश करती है और उसके बाद बीच से बहती हुई आगे बहती है। कुछ दूरी पर नागपुर और भण्डारा जिलों की सीमा बनाती है। यहां पर इसकी चौड़ाई लगभग 500 गज है। जिले में वैनगंगा की प्रमुख सहायक नदियां हैं – कान्हान, पेंच, बावनथड़ी और सूरा। जिले में वैनगंगा की कुल लंबाई लगभग 200 किलोमीटर है। अपने ज्यादातर बहाव क्षेत्र में वैनगंगा नदी 50 से 60 फीट ऊंचे तटों के बीच प्रवाहित होती है। आगे यह महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में प्रवाहित होकर 570 किलोमीटर की यात्रा पूरी करके चंद्रपुर के दक्षिण-पश्चिम सीमा पर वर्धा नदी में मिल जाती है। वैनगंगा और वर्धा के संगम के बाद प्राणहिता के नाम से जानी जाती है। प्राणहिता आगे जाकर गोदावरी से संगम करती है।

वैनगंगा की प्रमुख सहायक नदियां

कान्हान नदी

कान्हान नदी का वैनगंगा से दायें तट पर संगम होता है। यह वैनगंगा की प्रमुख सहायक नदियों में से एक है। यह छिंदवाड़ा जिले के पश्चिमी पठार से निकलती है और देवगढ़ के सुप्रसिद्ध किले के पास से बहती हुई नागपुर के उत्तरी क्षेत्र में प्रवेश करती है। आगे चलकर यह भण्डारा जिले में पहुंचती है और भण्डारा क्षेत्र से लगभग दस किलोमीटर दूर गोड़ी पीपरी के पास वैनगंगा में मिलती है।

पेंच

पेंच नदी कान्हान की सहायक नदी है। इसका उद्गम सतपुड़ा पर्वत श्रेणी के दक्षिणी पठार से होता है। यह दक्षिणी-पूर्वी सीमा में कई मोड़ लेती हुई दक्षिण की ओर मुड़ती है और नागपुर के कामठी के पास कान्हान में मिल जाती है।

बाघ

बाघ नदी वैनगंगा नदी की प्रमुख सहायक नदी होने के साथ महत्वपूर्ण है। भण्डारा जिले के चीचगढ़ ग्राम के निकट चीचगढ़ पठार में बाघ नदी का उद्गम होता है। इसकी लंबाई लगभग 166 किलोमीटर है। यह आम गांव के पास बालाघाट और भण्डारा जिले की सीमा पर कुछ दूरी तक बहती है और वीर सोला के पास वैनगंगा में मिल जाती है।

बावनथड़ी नदी

यह नदी सिवनी जिले से निकलती है और दक्षिण की ओर बहती हुई उत्तर-पूर्व दिशा से भण्डारा में प्रवेश करती है। लगभग 48 किलोमीटर तक बहने के बाद यह वैनगंगा में मिल जाती है। बावनथड़ी नदी छोटी नदी है लेकिन इसमें कई पहाड़ी नदियां मिलती हैं, इसलिए बावनथड़ी नदी में पूरे वर्ष पानी रहता है।

वर्धा

वर्धा नदी का उद्गम बैतूल जिले की मुलताई तहसील से हुआ है। यह नदी लगभग तेरह किलोमीटर तक छिंदवाड़ा जिले की दक्षिणी सीमा बनाते हुए महाराष्ट्र में प्रवेश करती है। आगे चलकर इसका वैनगंगा से संगम होता है।

वैनगंगा नदी क्षेत्र के दर्शनीय स्थल

मुन्दर

वैनगंगा का उद्गम स्थल होने की वजह से यह पवित्र स्थल माना जाता है। यह सिवनी शहर से 16 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में परताबपुर के निकट स्थित है। वैनगंगा उद्गम स्थल पर कई मंदिर हैं। यहां कार्तिक के महीने में मेला लगता है। यह मेला पंद्रह दिनों तक चलता है। इन दिनों में हजारों श्रद्धालु वैनगंगा में स्नान करने आते हैं।

छपारा

छपारा सिवनी जिले की लखनादौन तहसील में वैनगंगा तथा एक छोटी नदी मोतीनाला के संगम पर स्थित है। मोतीनाला नदी का नाम इसलिए पड़ा क्योंकि यहां कभी मोती निकलते थे। यहां छह बस्तियां होने के कारण इसका नाम छपारा पड़ा। यहां स्थित एक किले की दक्षिणी दीवार वैनगंगा के किनारे और पश्चिमी मोतीनाला के किनारे स्थित है। यह किला देवगढ़ के गोंड राजवंश के शासक बख्त बुलंद के संबंधी रामसिंह ने बनवाया था। 1857 की क्रांति के समय इस किले को आंशिक रूप से ध्वस्त कर दिया गया था।

पौनी

पौनी महाराष्ट्र के भण्डारा जिले में भण्डारा शहर से लगभग 51 किलोमीटर दूर वैनगंगा के तट पर स्थित है। इसका नाम पवन नामक एक राजा के नाम पर पड़ा। इसी राजा के नाम पर वर्धा जिले में पोहना तथा पवनार गांव का नाम भी पड़ा है। पुरातात्विक उत्खननों के द्वारा पौनी का ऐतिहासिक और प्राचीन महत्व सिद्ध हो चुका है। यह बौद्ध धर्म का भी एक बड़ा केन्द्र है। यहां से वाकाटक वंश के शिलालेख, सातवाहन काल की मुद्राएं और मौर्य तथा शुंगकालीन अवशेष प्राप्त हुए हैं।

- देवेन्द्र गोरे
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

खेल चर्चा

अर्जेंटीना में चार देशों का टूर्नामेंट खेलेगी महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली, भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम अर्जेंटीना जाएगी, इस दौरे पर भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम चार देशों के टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी। यह टूर्नामेंट 25 मई से 2 जून तक खेला जाएगा। हॉकी इंडिया ने बताया कि भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम अर्जेंटीना के रोसारियो की यात्रा करेगी, जहां वह अर्जेंटीना, उरुग्वे और चिली के खिलाफ छह दोस्ताना मैच खेलेगी। टूर्नामेंट 25 मई से शुरू होगा, जिसमें भारत 25 और 26 मई को क्रमशः चिली और उरुग्वे के खिलाफ लगातार मैच खेलेगा। 28 मई को भारतीय टीम मेजबान अर्जेंटीना से भिड़ेंगी। इसके बाद टीम वापसी के चरण में भी यही क्रम अपनाएगी, जिसमें 30 मई को चिली, 1 जून को उरुग्वे और 2 जून को अर्जेंटीना से भिड़ेगी। यह दौरा एफआईएच हॉकी जूनियर महिला विश्वकप के लिए टीम की तैयारियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो दिसंबर-2025 में चिली के सैंटियागो में आयोजित होगा।

विराट ने टेस्ट क्रिकेट को कहा अलविदा

मुंबई, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। विगत दिनों रोहित शर्मा ने भी टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहा था, ऐसे में इंग्लैंड दौरे से पहले रोहित और कोहली के संन्यास से भारतीय क्रिकेट को बड़ा झटका लगा है। कोहली ने सोशल मीडिया के जरिए संन्यास की घोषणा की। कोहली ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले चुके हैं। कोहली ने कहा कि वह वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में खेलते रहेंगे।

कोहली ने 10 मई को बीसीसीआई से कहा था कि मैं टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना चाहता हूं, लेकिन बोर्ड ने कोहली को अपने फैसले पर विचार करने को कहा था। 11 मई को बोर्ड के एक अधिकारी ने उनसे बात भी की थी, लेकिन कोहली ने अपना फैसला नहीं बदला।

क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में शानदार रिकॉर्ड रखने वाले कोहली का पिछले तीन वर्षों से टेस्ट क्रिकेट में प्रदर्शन औसत रहा था। ऑस्ट्रेलिया में खेली गई बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में कोहली का प्रदर्शन खराब रहा था। उन्होंने इस सीरीज में 23.75 की औसत से रन बनाए थे। वहीं 8 में से 7 बार ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर आउट हुए। इस सीरीज में कोहली ने 9 पारियों में 190 रन बनाए। इनमें एक शतक शामिल था। विराट कोहली ने सोशल मीडिया पर लिखा

- भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तान हैं विराट कोहली।
- कोहली की कप्तानी में भारत ने 68 में से 40 टेस्ट मैच जीते हैं।
- कोहली ने भारत के लिए 123 टेस्ट मैचों में 9230 रन बनाए हैं।
- कोहली ने टेस्ट में 30 शतक बनाए हैं, इसमें से सबसे ज्यादा 14 शतक भारत में बनाए हैं।
- कोहली के नाम अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 82 शतक हैं।

कि टेस्ट क्रिकेट में पहली बार मैंने बैगी ब्लू जर्सी 14 साल पहले पहनी थी। ईमानदारी से कहूं तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह फॉर्मेट मुझे इस तरह के सफर पर ले जाएगा। इसने मेरी परीक्षा ली, मुझे पहचान दी और मुझे ऐसे सबक सिखाए, जिन्हें मैं जीवन भर साथ रखूंगा। सफेद जर्सी में खेलना मेरे लिए बहुत ही खास और निजी अनुभव है।

इंग्लैंड दौरे पर रहे शीर्ष स्कोरर

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में कोहली को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रन मशीन कहा जाता है। ऑस्ट्रेलिया के साथ ही कोहली ने इंग्लैंड में भी शानदार बल्लेबाजी की है। कोहली ने वर्ष 2018 के इंग्लैंड दौरे पर पांच मैचों की 59.30 की औसत से सबसे ज्यादा 583 रन बनाए थे। इनमें दो शतक भी शामिल हैं। इंग्लैंड में कोहली के प्रदर्शन को देखते हुए आगामी इंग्लैंड दौरे पर टीम इंडिया को कोहली की कमी खल सकती है।

धोनी और रोहित से आगे कोहली

विराट कोहली ने कप्तान के तौर पर भले ही एक भी आईसीसी टूर्नामेंट नहीं जीता हो, लेकिन वे टेस्ट क्रिकेट में बतौर कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा से आगे हैं। कोहली की कप्तानी में भारत ने घर में खेली गई सभी 11 सीरीज जीती हैं।

भारत ने शॉटगन विश्वकप में जीता कांस्य पदक

निकोसिया, भारतीय निशानेबाजों ने साइप्रस में आयोजित शॉटगन निशानेबाजी विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक कांस्य पदक अपने नाम किया है। विश्वकप में कीनन चेनाई और सबीरा हैरिस की जोड़ी ने मिश्रित ट्रैप स्पर्धा में कांस्य पदक के लिए हुए मुकाबले में टोलगा ट्यून्सर और पेलिन काया की जोड़ी को रोमांचक मुकाबले में 34-33 से हराया। इससे पहले भारतीय जोड़ी 34 टीमों के क्वालिफिकेशन राउंड में चौथे स्थान पर रही, जिसकी वजह से भारत को कांस्य पदक मुकाबला खेलना पड़ा।

एशियन कप के संभावितों में सुनील छेत्री शामिल

नई दिल्ली, भारतीय फुटबॉल के मुख्य कोच मनोलो मार्केज ने अनुभवी फॉरवर्ड सुनील छेत्री को एएफसी एशियाई कप-2027 फाइनल राउंड क्वालीफायर के लिए 28 सदस्यीय संभावितों की टीम में शामिल किया। सुनील छेत्री ने भारतीय टीम के संघर्ष को देखते हुए मार्च में संन्यास से बाहर आने का फैसला किया था। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने एक बयान में कहा कि संभावित खिलाड़ी जून में फीफा अंतर्राष्ट्रीय विंडो की तैयारी के लिए ट्रेनिंग लेने के लिए कोलकाता में एकत्र होंगे। भारत को एएफसी एशियाई कप-2027 फाइनल राउंड क्वालीफायर के ग्रुप सी में बांग्लादेश, हांगकांग, चीन और सिंगापुर के साथ रखा गया है।

तीरंदाजी विश्वकप में मधुरा ने स्वर्ण पदक पर साधा निशाना

शंघाई, भारत की तीरंदाज मधुरा धामनगांवकर ने तीरंदाजी विश्वकप चरण-दो में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। मधुरा ने विश्वकप में कम्पाउंड वर्ग की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण के साथ टीम स्पर्धा में रजत और कांस्य पदक जीतकर भारत को बड़ी कामयाबी दिलायी। भारत ने कम्पाउंड वर्ग में दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीते।

विश्वकप में मधुरा ने कम्पाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में अमेरिका की कार्सन क्रेहे पर 139-138 की शानदार जीत के साथ अपना पहला व्यक्तिगत विश्वकप स्वर्ण पदक जीता। मधुरा ने इससे पहले महिला टीम स्पर्धा में रजत पदक और अभिषेक वर्मा के साथ मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। मधुरा के लिए लिए हालांकि व्यक्तिगत स्वर्ण सबसे खास रहा, क्योंकि उन्होंने उतार-चढ़ाव से भरे खिताबी मुकाबले में धैर्य बनाये रखा। वह तीसरे गेम में सात अंक के निशाने के बाद 81-85 से

पीछे चल रही थीं। इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने दबाव में शानदार संयम दिखाया और चौथे गेम में सिर्फ एक अंक गवां कर स्कोर 110-110 पर बराबर कर लिया। मधुरा ने निर्णायक गेम में दो 10 के निशाने लगाये। उन्होंने तीसरे प्रयास में नौ के निशाने के साथ क्रेहे को पछाड़ दिया। इससे पहले भारतीय तीरंदाजों ने कम्पाउंड पुरुष टीम ने स्वर्ण, महिला टीम ने रजत और मिश्रित टीम ने कांस्य पदक हासिल किए। अभिषेक वर्मा, ओजस देवताले और ऋषभ यादव की पुरुष टीम ने फाइनल में मैक्सिको को 232-228 से हराया।

ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक प्रतियोगिता में भाग लेंगे नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली, भारत के स्टार एथलीट और दो बार के ओलंपिक पदक विजेता खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 24 जून को चेक गणराज्य के शहर में ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक 2025 एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेंगे। चोटों के कारण पिछले दो चरण में नीरज नहीं खेल पाए थे। नीरज को टूर्नामेंट के वर्ष 2023 और 2024 चरणों में भाग लेना था, लेकिन दोनों बार वह चोट के कारण बाहर हो गए थे। टूर्नामेंट में नीरज अपने नए कोच जॉन जेलेजनी के घरेलू मैदान में प्रतिस्पर्धा करते नजर आएंगे।

टूर्नामेंट आयोजकों द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में चोपड़ा ने कहा कि मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मैं इस वर्ष ओस्ट्रावा में होने वाली गोल्डन स्पाइक प्रतियोगिता में हिस्सा लूंगा। यह एक शानदार रेस है और इस साल यह असाधारण होगी। मेरे कोच जॉन जेलेजनी कई बार वहां जीत हासिल कर चुके हैं बल्कि वह पूरे टूर्नामेंट के निदेशक भी होंगे।

तन्वी ने जीता बैडमिंटन खिताब

कोपेनहेगन, भारत की उभरती हुई शटलर तन्वी शर्मा ने डेनमार्क चैलेंज-2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में महिला एकल का खिताब अपने नाम किया। बैडमिंटन रैंकिंग में 89वें स्थान पर काबिज 16 वर्षीय तन्वी शर्मा ने टूर्नामेंट के फाइनल में इंडोनेशिया की खिलाड़ी नी कडेक ढिंडा अमर्त्य को 21-13, 21-10 से हराया।

फाइनल मुकाबले की शुरुआत में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी संघर्ष करती दिखीं, क्योंकि उनकी इंडोनेशियाई प्रतिद्वंद्वी ने 6-2 की बढ़त हासिल कर ली थी। हालांकि, तन्वी ने धैर्य रखते हुए स्कोर 8-8 से बराबर कर दिया और मैच पर अपना दबदबा बनाते हुए सीधे गेम में मैच अपने नाम कर लिया। इससे पहले तन्वी ने सेमीफाइनल में दुनिया की 78वें नंबर की इंडोनेशियाई शटलर मुटियारा आयु पुष्पितसारी को 23-21, 19-21, 21-19 से हराया था। यह बीडब्ल्यूएफ इंटरनेशनल चैलेंज स्तर पर तन्वी के कॅरियर का दूसरा खिताब है। तन्वी शर्मा ने अपना पहला इंटरनेशनल चैलेंज खिताब पिछले वर्ष जर्मनी में बॉन इंटरनेशनल में जीता था। उन्होंने वर्ष 2024 में ओडिशा मास्टर्स बीडब्ल्यूएफ सुपर 100 टूर्नामेंट के फाइनल में भी जगह बनाई थी। तन्वी शर्मा उस भारतीय महिला टीम का हिस्सा थीं, जिसने मलेशिया में वर्ष 2024 बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था।

फीफा महिला विश्वकप-2027 के मेजबान स्थलों की घोषणा

साओ पाउलो, ब्राजील वर्ष 2027 में फीफा महिला फुटबॉल विश्वकप की मेजबानी करेगा। ब्राजील पहली बार फीफा महिला विश्वकप की मेजबानी करेगा। फुटबॉल की वैश्विक संस्था फीफा ने महिला विश्वकप-2027 के मेजबानी शहरों की घोषणा की है। फीफा ने बताया कि विश्वकप के मुकाबले आठ शहरों में खेले जायेंगे। यह टूर्नामेंट 24 जून से 25 जुलाई 2027 तक आयोजित किया जायेगा। इस विश्वकप में 32 टीमें हिस्सा लेंगी जो आपस में कुल 64 मैच खेले खेलेंगी। फीफा महासचिव मैटियास ग्राफस्ट्रॉम ने कहा कि यह विश्वकप महिला फुटबॉल के इतिहास में एक ऐतिहासिक मोड़ होगा क्योंकि पहली बार यह टूर्नामेंट दक्षिण अमेरिका में होगा।

त्रिकोणीय श्रृंखला

श्रीलंका को हराकर भारतीय महिला टीम बनी चैम्पियन

कोलंबो, भारत, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के बीच खेली गई त्रिकोणीय श्रृंखला में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताबी जीत दर्ज की है। टूर्नामेंट के फाइनल में भारतीय टीम ने मेजबान श्रीलंका को 97 रनों से हराया। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की। सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल और स्मृति मंधाना ने भारतीय टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 14.5 ओवरों में 70 रनों की साझेदारी की। प्रतिका (30) के आउट होने के बाद मंधाना एक छोर पर टिकी रहीं और लगातार रन बटोरती

- त्रिकोणीय श्रृंखला में एनेरी डर्कसेन ने सबसे ज्यादा 276 रन बनाए, वहीं स्नेह राणा ने 15 विकेट लिए।
- मैच में स्मृति मंधाना ने बनाया अपने वन-डे कॅरियर का 11वां शतक।
- मंधाना वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के लिए सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली महिला क्रिकेटर हैं।

रहीं। मंधाना ने 101 गेंदों में 116 रनों की पारी खेली। इस पारी के दौरान मंधाना ने 15 चौके और दो छक्के लगाए। मंधाना के बाद हरलीन देओल (47), हरमनप्रीत कौर (41) और जेमिमाह रोड्रिग्ज (44) ने पारी को आगे बढ़ाया। अंतिम ओवरों में अमनजोत कौर (18) और दीप्ति शर्मा (20) की शानदार पारी के दम पर भारत ने निर्धारित 50 ओवरों में 7 विकेट खोकर 342 रन बनाए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही। भारतीय गेंदबाज अमनजोत कौर ने पहले ही ओवर में हसिनी पेरेरा को बोल्ड किया। वह खाता भी नहीं खोल पाईं। हालांकि, श्रीलंका ने इस झटके से उबरते हुए विश्मी गुनारत्ने (36) और चामरी अट्टापट्टू (51) की साझेदारी की बदौलत दूसरे विकेट के लिए 68 रन जोड़े। अमनजोत ने एक बार फिर अपनी गेंदबाजी का कहर बरपाते हुए दोनों बल्लेबाजों को पवेलियन भेज दिया। इसके अलावा निलाक्षिका सिल्वा ने 48 और हर्षिता समरविक्रमा ने 26 रन बनाए। इसके बाद अनुष्का संजीवनी और सुगंदिका कुमारी ने कुछ अच्छे शॉट खेले लेकिन वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला सकीं। दोनों क्रमशः 28 और 27 रन बनाकर आउट हो गईं। श्रीलंका की टीम 48.2 ओवरों में 245 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। भारत के लिए स्नेह राणा ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए, वहीं अमनजोत कौर ने 3 विकेट हासिल किए।

चीन के झाओ शिनटोंग बने स्नूकर विश्व चैम्पियन

लंदन, चीन के युवा खिलाड़ी झाओ शिनटोंग ने स्नूकर विश्व चैम्पियनशिप का खिताब जीत लिया है। चैम्पियनशिप के फाइनल में शिनटोंग ने तीन बार के चैम्पियन मार्क विलियम्स को 18-12 से हराया। 28 वर्षीय शिनटोंग यह खिताब जीतने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी बन गए हैं। शिनटोंग इस प्रतियोगिता में क्वालिफायर खिलाड़ी के रूप में उतरे थे। उन्होंने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए 48 में से 46 मुकाबलों में जीत दर्ज कर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। फाइनल मुकाबले में भी शिनटोंग बेहद अनुभवी खिलाड़ी विलियम्स को आसानी से मात देने में सफल रहे।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

भारत निर्माण में देशवासी दें योगदान : राष्ट्रपति

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने लोगों से भगवान बुद्ध के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इसकी मदद से शांतिपूर्ण सौहार्द्रपूर्ण और विकसित भारत के निर्माण में योगदान दे सकेंगे। राष्ट्रपति ने एक संदेश में कहा कि करूणा के अवतार भगवान बुद्ध द्वारा दिया गया अहिंसा, प्रेम और दया का अमर संदेश मानव जाति के कल्याण का मूल मंत्र है। उनके आदर्श समानता, सद्भाव और सामाजिक न्याय के शाश्वत् मूल्यों में हमारी आस्था को मजबूत करते हैं।

फिलीपींस के पूर्व राष्ट्रपति दुतेर्ते अपने गृह नगर के मेयर चुने गए

फिलीपींस के पूर्व राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते जो इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट की हिरासत में है, ने गृह नगर दावाओ सिटी में मेयर पद का चुनाव भारी अंतर से जीत लिया है। उन्हें अपने प्रतिद्वंद्वी से आठ गुना ज्यादा वोट मिले। यह चुनाव मध्यावधि चुनावों का हिस्सा था। स्वतंत्र चुनाव निगरानी संस्था जिम्मेदार मतदान के लिए पैरिश पास्टोरल काउंसिल की आंशिक और अनौपचारिक मतगणना के मुताबिक दुतेर्ते को पांच लाख से ज्यादा वोट मिले हैं।

पोलैंड ने बंद किया रूसी दूतावास

पोलैंड के विदेश मंत्री रोदेक सिकोरस्की ने दक्षिणी शहर क्राको में रूस के वाणिज्य दूतावास को बंद करने का आदेश दिया है। इससे पहले पोलैंड के अधिकारियों ने पिछले साल वारसॉ में आगजनी की घटना में एक व्यावसायिक केन्द्र को तबाह करने के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराया था। गौरतलब है कि मैरीविल्का 44 शॉपिंग सेंटर में 12 मई 2024 को आग लग गई थी, जिसमें करीब 1,400 दुकानें और सेवा केन्द्र थे। इनमें कई विक्रेता वियतनामी थे और यह घटना वारसॉ में वियतनामी समुदाय के कई लोगों के लिए भयावाह त्रासदी साबित हुई।

यूरेनियम संवर्धन पर समझौता नहीं - ईरान

ओमान में अमेरिका-ईरान के बीच तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर चौथे दौर की वार्ता हुई। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि हम यूरेनियम संवर्धन के अपने अधिकार से समझौता नहीं करेंगे। मस्कट में पत्रकारों से चर्चा में अराघची ने कहा कि विश्वास बनाए रखने के लिए हम संवर्धन की दर को सीमित करने के लिए तैयार हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी वार्ता जारी रहेगी। अमेरिकी अधिकारी ने बैठक को सकारात्मक बताया और कहा कि अगली बैठक की तैयारी कर रहे हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

ऑपरेशन सिंदूर के उद्देश्यों को प्राप्त करने के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का राष्ट्र को संबोधन

आतंकियों ने हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ा था इसलिए भारत ने आतंक के मुख्यालय को ही उजाड़ दिया- प्रधानमंत्री

- **हर आतंकी, आतंक का हर संगठन हमारी बहनों-बेटियों के माथे से सिंदूर हटाने का अंजाम जान चुका है।**
- **ऑपरेशन सिंदूर न्याय की अखंड प्रतिज्ञा है।**
- **पाकिस्तान की तैयारी सीमा पर वार करने की थी, लेकिन भारत ने पाकिस्तान के सीने पर वार कर दिया।**
- **ऑपरेशन सिंदूर ने आतंक के खिलाफ लड़ाई में एक नई लकीर खींच दी है, एक नया पैमाना, न्यू नॉर्मल तय कर दिया है।**
- **आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस एक बेहतर दुनिया की गारंटी है।**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्र को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्र ने भारत की शक्ति और संयम दोनों को देखा है। उन्होंने प्रत्येक भारतीय नागरिक की ओर से देश की अजेय सशस्त्र सेनाओं, खुफिया एजेंसियों और वैज्ञानिकों को सलाम किया। प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के उद्देश्यों को प्राप्त करने में भारत के बहादुर सैनिकों द्वारा दिखाए गए अटूट साहस, उनकी वीरता, सहनशीलता और अदम्य उत्साह के बारे में बताया। उन्होंने इस अद्वितीय वीरता को राष्ट्र की प्रत्येक मां, बहन और बेटी को समर्पित किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले ने देश और दुनिया को झकझोर दिया है। आतंकियों ने निर्दोष नागरिकों को उनके परिवारों और बच्चों के सामने उनकी आस्था के बारे में पूछकर बेरहमी से मार दिया।। उन्होंने कहा कि यह न केवल क्रूरता का कार्य था, बल्कि राष्ट्र के सौहार्द को तोड़ने का एक घिनौना प्रयास भी था।

पाकिस्तान के भीतर एक निर्णायक झटका दिया

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के सटीक और जोरदार हमलों ने पाकिस्तान को गहरी हताशा में डाल दिया है, जिससे वह हताश हो गया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में शामिल होने की बजाय एक लापरवाह कार्रवाई की है। उसने भारतीय स्कूलों, कॉलेजों, गुरुद्वारों, मंदिरों और नागरिक घरों पर हमले किए, साथ ही सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे इस आक्रमण ने पाकिस्तान की कमजोरियों को उजागर किया, क्योंकि उसके ड्रोन और मिसाइल भारत की उन्नत वायु रक्षा प्रणालियों के सामने तिनके की तरह ढह गए, जिसने उन्हें आसमान में ही बेअसर कर दिया। उन्होंने कहा कि जब पाकिस्तान ने भारत की सीमाओं पर हमला करने की तैयारी की थी, तब भारत ने पाकिस्तान के भीतर एक निर्णायक झटका दिया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्र को संबोधित करते हुए

ऑपरेशन सिंदूर भारतीयों की भावनाओं का प्रतिबिंब है

प्रधानमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर केवल एक नाम नहीं है, बल्कि यह लाखों भारतीयों की भावनाओं का प्रतिबिंब है। भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों और प्रशिक्षण केंद्रों पर सटीक हमले किए, जिससे पाकिस्तान को बड़ा झटका लगा। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने कभी नहीं सोचा था कि भारत इतना साहसिक कदम उठाएगा, लेकिन जब अपना देश राष्ट्र प्रथम के मार्गदर्शक सिद्धांत के साथ एकजुट होता है, तो दृढ़ निर्णय लिए जाते हैं और प्रभावशाली परिणाम सामने आते हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर भारत के मिसाइल और ड्रोन हमलों ने न केवल उनके बुनियादी ढांचे को बल्कि मनोबल को भी चकनाचूर कर दिया। बहावलपुर और मुरीदके जैसे स्थान वैश्विक आतंकवाद के केंद्र के रूप में काम कर रहे थे, जो उन्हें दुनियाभर में बड़े हमलों से जोड़ते हैं, जिसमें अमेरिका के 9/11 हमले, लंदन ट्यूब बम विस्फोट और भारत में दशकों से चली आ रही आतंकवादी घटनाएं शामिल हैं। इस अभियान के परिणामस्वरूप 100 से अधिक खतरनाक आतंकवादियों का सफाया हो गया। इनमें वे प्रमुख व्यक्ति भी शामिल थे, जिन्होंने दशकों से भारत के खिलाफ खुलेआम साजिश रची थी।

मंगल ग्रह की सतह के नीचे मिले विशाल जल भंडार के संकेत

वैज्ञानिकों को मंगल ग्रह की सतह के नीचे एक विशाल जल भंडार होने का संकेत मिला है। इसमें लगभग 5.4 से 8 किलोमीटर की गहराई पर पानी मौजूद हो सकता है।

नासा के इनसाइट मिशन के सिस्मोमीटर (भूकंप मापने वाले यंत्र) से मिले डेटा में दिखा कि पृथ्वी की तरह ही मंगल में भी चट्टानों के बीच तरल जल मौजूद हो सकता है। हालांकि अभी इस पर और शोध की आवश्यकता होगी।

माना जा रहा है कि इस पानी में माइक्रोब्स (सूक्ष्म जीव) भी जीवित हो सकते हैं। यह पानी भविष्य में मानव मिशनों के लिए, पीने के लिए, ऑक्सीजन बनाने या रॉकेट ईंधन के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

ज्ञात रहे कि अरबों साल पहले मंगल ग्रह पर नदियां और झीलें होने का दावा किया जाता था। हालांकि, समय के साथ जब मंगल का चुंबकीय क्षेत्र और वातावरण कमजोर हो गया, जिसकी वजह से पानी कुछ अंतरिक्ष में उड़ गया और कुछ ध्रुवीय बर्फ में जम गया। पर इन सबके बाद भी 700-900 मीटर गहरे महासागर जितना पानी अभी भी गायब है।

अब वैज्ञानिक मानते हैं कि यह पानी शायद ग्रह की सतह के नीचे चला गया है।

आयुष मंत्रालय ने योग पर शुरू किया साप्ताहिक पॉडकास्ट

आयुष मंत्रालय ने एक नई डिजिटल पहल के तहत साप्ताहिक योग पॉडकास्ट शुरू किया है, जिसे मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) ने तैयार किया है। केंद्रीय आयुष राज्यमंत्री प्रतापराव जाधव ने साप्ताहिक पॉडकास्ट की शुरुआत की। इस पॉडकास्ट का उद्देश्य प्राचीन प्रथाओं को आधुनिक जीवनशैली के साथ मिलाकर योग के शाश्वत् ज्ञान को घर-घर तक पहुंचाना है।

इसमें कहा गया कि पॉडकास्ट श्रृंखला श्रोताओं को व्यावहारिक चर्चाओं और विशेषज्ञ साक्षात्कारों के साथ जोड़ने के लिए तैयार की गई है, जिससे योग सभी उम्र और पृष्ठभूमि के लोगों के लिए सुलभ और प्रासंगिक बन सके। इसकी शुरुआत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 30 मार्च, 2025 को अपने 'मन की बात' कार्यक्रम के 120वें एपिसोड के दौरान दिए गए संबोधन के बाद की गई, जिसमें उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के महत्व और इसके 2025 की विषय वस्तु "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग" पर जोर दिया था।

भारत भगवान बुद्ध के अहिंसा, चैतन्यता के सार्वभौमिक संदेश का वाहक है - श्री गजेन्द्र सिंह

नई दिल्ली के डॉ. बीआर अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में भगवान शाक्यमुनि बुद्ध को आध्यात्मिक अनुगूंज और सांस्कृतिक समृद्ध, आदरांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संस्कृति मंत्रालय और अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) द्वारा बुद्ध के जन्म, ज्ञान और महापरिनिर्वाण की याद में मनाए जाने वाले त्रिगुण धन्य दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पवित्र बौद्ध विरासत के संरक्षक के रूप में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के वैश्विक दृष्टिकोण को दोहराते हुए कहा, भारत केवल बुद्ध की जन्मभूमि नहीं - यह अहिंसा, सजगता और मध्यम मार्ग के उनके सार्वभौमिक संदेश का संरक्षक है। उन्होंने कहा कि भारत अपनी पवित्र विरासत को सक्रियता से साझा और संरक्षित करता है। हाल के वर्षों में, भारत सरकार ने वैश्विक बौद्ध संबंधों को मजबूत करने की पहल की है।

सबसे महत्वपूर्ण प्रयासों में से एक पवित्र बुद्ध अवशेषों की प्रदर्शनी है। आस्था और श्रद्धा की निधि, ये अवशेष - मंगोलिया, श्रीलंका, थाईलैंड और वियतनाम जैसे देशों में विशेष यात्राओं पर भेजे गए हैं, जिससे विदेशों में हमारे बौद्ध भाइयों के साथ आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संबंध मजबूत हुए हैं। कार्यक्रम में उपस्थित संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री श्री किरेन रिजिजू ने बुद्ध की शिक्षाओं की समावेशी प्रासंगिकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, कि बुद्ध का अनुसरण करने के लिए किसी को बौद्ध होने की आवश्यकता नहीं है।

पवित्र अवशेषों का आशीर्वाद ले चुके हैं

श्री शेखावत ने कहा कि ये प्रदर्शनियां महज औपचारिकता से कहीं बढ़कर हैं। ये सांस्कृतिक कूटनीति और आध्यात्मिक एकता के कार्य हैं। उन्होंने कहा कि ये अवशेष जहां भी जाते हैं, वहां भक्ति की भावना जागृत होती है, संबंध गहरे होते हैं और बौद्ध धर्म के आध्यात्मिक स्रोत के रूप में भारत की भूमिका की पुष्टि होती है। पिछले दस दिनों में अब तक वियतनाम से 18 लाख से अधिक लोग इन पवित्र अवशेषों का आशीर्वाद ले चुके हैं।

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- डॉ. सुदाम खाड़े, मुद्रक- डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंड्स्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।